TECHNOLOGIES FOR
NEW INDIA@75
आज़ादी का अमृत महोत्सव

राष्ट्र की सेवा में परमाणु
टी एम सी
TMC
ATOMS IN THE SERVICE OF THE NATION

टाटा स्मारक केंद्र
वार्षिक रिपोर्ट 2021–2022

80 वर्ष :
रेडॉन से प्रोटॉन

डॉ श्रीकुमार बनर्जी

(25.04.1946–23.05.2021)

अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी)
तथा
सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग (पऊवि)
(30.11.2009–30.04.2012)

निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई
(30.04.2004–19.05.2010)

पद्म श्री, 2005. से सम्मानित।

TECHNOLOGIES FOR
NEW INDIA@75
आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक रिपोर्ट
2021–2022

राष्ट्र की सेवा में परमाणु
टी एम सी
TMC
ATOMS IN THE SERVICE OF THE NATION

टाटा स्मारक केंद्र

(परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार का अनुदान-सहायता प्राप्त संस्थान)

- टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई
- कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र, नवी मुंबई
- कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र, नवी मुंबई
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, विशाखापत्तनम
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल, संगरूर
- महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र, वाराणसी
- होमी भाभा कैंसर अस्पताल, वाराणसी
- डॉ भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान, गुवाहाटी

भारत भर में टीएमसी–डीएई के कैंसर केंद्र और अस्पताल

निदेशक, टीएमसी; डॉ. आर ए बडवे

निदेशक, शैक्षणिक - टीएमसी; डॉ. एस.डी. बनावली

उप निदेशक, शिक्षाविद - टीएमसी; डॉ. एस एस लसकर

निदेशक, प्रशासन (परियोजनाएं) - टीएमसी; श्री संजीव सूद (28.02.2021 तक)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, टीएमसी; श्री ए एन साठे

मुख्य अभियंता, टीएमसी; श्री जी एस धनोआ

मुख्य सुरक्षा अधिकारी, टीएमसी; मिस्टर जॉनसन लुकोस

वित्त और लेखा के संयुक्त नियंत्रक, टीएमसी; श्री सूर्यकांत मोहापत्रा

प्रमुख, सूचना प्रौद्योगिकी, टीएमसी; श्री वी एन मराठे

*** उपर्युक्त के अलावा, केवल टीएमएच, एक्ट्रेक और सीसीई के स्थायी चिकित्सा स्टाफ सीधे टीएमसी से संबद्ध हैं।**

टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (टीएमएच), मुंबई

निदेशक, डॉ. सी एस प्रमेश

उप निदेशक, डॉ. एस वी श्रीखंडे

कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र, नवी मुंबई

निदेशक, डॉ सुदीप गुप्ता

उप निदेशक, कैंसर अनुसंधान संस्थान, डॉ प्रसन्ना वेंकटरमन

उप निदेशक, कैंसर अनुसंधान केंद्र, डॉ नवीन खत्री

कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई), नवी मुंबई

निदेशक, डॉ राजेश दीक्षित

उप निदेशक, डॉ पंकज चतुर्वेदी।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), विशाखापत्तनम

निदेशक, डॉ. उमेश एम. महंतशेट्टी

प्रभारी अधिकारी, डॉ. डी सी चौकर (टीएमएच)

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), मुल्लनपूर तथा होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), संगरूर

निदेशक, डॉ. राकेश कपूर (31.01.2022 तक)
उप निदेशक, डॉ आशीष गुलिया (30.12.2021 से)
प्रभारी अधिकारी, डॉ. पी एस पाई (टीएमएच)

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी), वाराणसी

निदेशक डॉ सत्यजीत प्रधान
उप निदेशक डॉ दुर्गातोष पांडेय
डीन, अकादमिक (एमपीएमएमसीसी और एचबीसीएच), डॉ शशिकांत सी यू पाटने
प्रभारी अधिकारी, डॉ पंकज चतुर्वेदी (सीसीई)

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), वाराणसी

निदेशक, डॉ सत्यजीत प्रधान
उप निदेशक, डॉ बाल कृष्ण मिश्रा
प्रभारी अधिकारी, डॉ पंकज चतुर्वेदी (सीसीई)

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), मुजफ्फरपुर

प्रभारी अधिकारी, डॉ पंकज चतुर्वेदी (सीसीई)

डॉ भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी

निदेशक, डॉ अमल सीएच कटकी
प्रभारी अधिकारी, डॉ सरबानी घोष-लासकर (टीएमएच)

शासी परिषद

अध्यक्ष

श्री कमलेश नीलकंठ व्यास
अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग
और सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग,
भारत सरकार (भारत सरकार)

सदस्य, पदेन

श्री संजय कुमार
संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं लेखा),
परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

डॉ. आर ए बडवे
निर्देशक, टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी),
मुंबई

सहयोजित सदस्य

श्रीमती ऋचा बागला
संयुक्त सचिव (वित्त),
परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

डॉ स्नेहलता देशमुख
पूर्व कुलपति,
मुंबई विश्वविद्यालय

सदस्य

डॉ. एन.के. गांगुली
पूर्व महानिदेशक,
भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर),
नई दिल्ली

श्री जयंत कुमार बांथिया
पूर्व मुख्य सचिव,
महाराष्ट्र सरकार

श्री लक्ष्मण सेतुरमन (13.10.2021 तक)
सहायता सेवाओं के प्रमुख,
सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, मुंबई

श्री एन श्रीनाथ (13.10.2021 से)
सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट,
मुंबई

श्री आर ए माशेलकर (13.10.2021 से)
सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट,
मुंबई

श्री विजय सिंह
वाइस चेयरमैन,
सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, मुंबई

स्थायी आमंत्रिति

श्री ए.आर. सुले (13.10.2021 से)
संयुक्त सचिव (अनुसंधान एवं विकास), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

डॉ राकेश कपूर (31.01.2022 तक)
निदेशक, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), मुल्लनपुर

डॉ. सीएस प्रमेश
निदेशक, टाटा मेमोरियल अस्पताल (टीएमएच), मुंबई

श्री संजीव सूद (28.02.2021 तक)
निदेशक, प्रशासन (परियोजनाएं), टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी), मुंबई

डॉ अमल सीएच कटकी
निदेशक, डॉ. बी. बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी

डॉ. उमेश एम. महंतशेट्टी
निदेशक, होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी), विशाखापत्तनम

डॉ. एस डी बनावली
निदेशक, शैक्षणिक, टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी), मुंबई

डॉ सुदीप गुप्ता
निदेशक, कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र, नवी मुंबई

डॉ राजेश दीक्षित
निदेशक, कैंसर महामारी विज्ञान केंद्र (सीसीई), नवी मुंबई

डॉ सत्यजीत प्रधान
निदेशक, महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी) और
होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच), वाराणसी

सचिव

श्री ए एन साठे
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी,
टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी), मुंबई

टाटा स्मारक केंद्र
के
ध्येय एवं दृष्टिकोण

ध्येय:

टाटा स्मारक केंद्र का ध्येय सेवा, शिक्षा एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के अपने लक्ष्य के माध्यम से सभी को गहन कैंसर देखभाल उपलब्ध कराना है।

दृष्टिकोण:

देश में कैंसर चिकित्सा का एक प्रमुख कैंसर केंद्र के रूप में, हम कैंसर उपचार हेतु निम्न बिन्दुओं के माध्यम से राष्ट्रीय नीति और योजनाओं का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व प्रदान करेंगे:

- ऑन्कोलॉजी के साक्ष्य-आधारित अभ्यास के माध्यम से उत्कृष्ट सेवाओं को बढ़ावा देकर।
- छात्रों, प्रशिक्षुओं, पेशेवरों, कर्मचारियों और जनता को कैंसर संबंधी शिक्षा प्रदान करने की प्रतिबद्धता।
- देश की जरूरतों को ध्यान में रखकर किफायती, नवोन्मेषी और प्रासंगिक अनुसंधान पर जोर देकर।

विषय–सूची

भारत भर में टीएमसी-डीएई के कैंसर केंद्र और अस्पताल ii

शासी परिषद iv

टीएमसी का ध्येय एवं दृष्टिकोण vi

निदेशक, टीएमसी का संदेश 1

प्रगति

वित्त पोषण 4

घटनाएँ 6

सारांश

सारांश 12

विशिष्टता 26

वैज्ञानिक पद्धति

नैदानिक अनुसंधान सचिवालय 31

अनुसंधान प्रशासनिक परिषद 36

शैक्षणिक

निदेशक, शैक्षणिक, टीएमसी का संदेश 40

शैक्षणिकी 42

विश्वविद्यालय डिग्री 45

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी)

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) 47

वित्तीय विवरण

लेखा, विवरण 52

की गई कार्रवाई की रिपोर्ट 75

लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट 79

वित्त, सरलीकृत 82

निदेशक, टीएमसी का संदेश

वर्ष 2021-22 कोविड महामारी से उभरते एवं टीएमसी को अपने उद्देश्य पर पुनः ध्यान केन्द्रित करने के वर्ष के रूप में चिन्हित किया गया। टीएमसी ने इस महामारी के दौरान अपनी 40% सेवाएं कैंसर रोगियों में कोविड वाले मामलों पर ध्यान देने हेतु अपने सभी केन्द्रों पर समर्पित की। महामारी के कठिन दौर में भी हम 60 कैंसर देखभाल सेवाएं प्रदान करने में सक्षम रहे जो सेवाएं हम अन्यथा महामारी के पूर्व के समय में दे रहे थे। हमारा केन्द्र विश्व के गिने चुने कैंसर केन्द्रों में से एक रहा जहां कोविड रोगियों के साथ ही कैंसर रोगियों को उपचार सेवाएं जारी रखी गईं। महामारी के दौरान दुनिया भर में टीएमसी के हमारे साथी हमारे सहयोग हेतु एक साथ जुटे रहे। हमने आईसीयू एवं वार्ड हेतु 10000 पोर्टेबल ऑक्सीजेनेटर एवं 15 ऑक्सीजन जनरेटर प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की। इन्हें भारत के सभी केन्द्रों पर वितरित किया गया एवं कई रोगियों की जान बचाई गई। एयर इंडिया ने बिना शुल्क के सामान को विभिन्न केन्द्रों में वायुमार्ग द्वारा पहुंचाने में मदद की जिसके द्वारा आक्सीजन को आवश्यकता वाली जगहों पर तुरंत पहुंचाया जा सका।

जैसे-जैसे वायरस का विष कम होता गया और इस रोग की तीव्रता कम होती गई हमने अपना ध्यान फिर से भारत की कैंसर सेवाओं पर केन्द्रित किया। वाराणसी, पंजाब, बिहार, आन्ध्र प्रदेश, आसाम व महाराष्ट्र के केन्द्रों ने कैंसर अपनी सेवाएं पूर्ण रूप से संचालित की एवं यहां पर रोगियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई जो कि महामारी के दौर में उपचार से वंचित हुए थे। एक समय ऐसा भी था जब कि रोगी पंजीकरण संख्या महामारी के पूर्व की संख्या के 130% पहुंच चुकी थी। यहां के स्टाफ सदस्य अपने समय से अधिक कार्य करने एवं बीमार महिलाओं व पुरूषों की देखभाल करने हेतु प्रशंसा के पात्र हैं।

भारत भर में सभी केन्द्रों पर कैंसर सेवाओं की शुरूआत के अलावा इस वर्ष कई कार्य पहली बार किए गए। होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं शोध केन्द्र, वाराणसी में यूपी में प्रथम वयस्क एवं बाल अस्थिमज्जा का सफल प्रत्यारोपण पहली बार किया गया जो कि ल्यूकेमिया से ग्रासित थे। दस से अधिक रोगियों को सीएआर टी थेरेपी 25 लाख से कम कीमत में प्रदान की गई। इस प्रकार की थेरेपी की अमेरिका में कीमत आधा मिलियर डालर (4 करोड़ रूपए) है। यह सब टाटा ट्रस्ट के सहयोग एवं आईआईटी, मुंबई तथा एक्ट्रेक के समन्वय से संभव हो पाया। इसी प्रकार का समन्वय आयुर्वेदिक औषधि हेतु एवं कुछ मूलभूत अध्ययन कार्यों हेतु भी किया गया। इन्टरनेट एवं एआई नव्या को साथ में लेकर हमारी द्वितीय परामर्श सुविधा ने 30,000 का आंकडा पार किया जिसके द्वारा न केवल भारत में, बल्कि विश्वभर में रोगी के घर पर साक्ष्य- आधारित सेवाएं प्रदान कर पाना संभव हुआ।

कैंसर संबंधी कार्यबल की राष्ट्रीय स्तर पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, सभी कैंसर केन्द्रों पर (डीएई के अन्तर्गत) शल्य, चिकित्सा एवं विकिरण ऑन्कोलॉजी के विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की गई। नई जनशक्ति की आवश्यकता पर आधारित सृजन ने आला क्षेत्रों के हमारे सभी केंद्रों की सेवा की। 'केवट' नेविगेटर एक सफल पाठ्यक्रम रहा एवं इससे कैंसर रोगियों में उपचार की गुणवत्ता एवं उपचार अनुपालना में सुधार लाया जा सका। समग्र एवं संगठित रूप के एक वर्षीय पाठ्यक्रम पर आधारित 'केवट सहायक' नामक एक नए संवर्ग का सृजन किया गया, जबकि एचबीएनआई ने नेविगेशन में मास्टर्स पाठ्यक्रम शुरू किया जो अगले वर्ष से शुरू होगा। उच्च प्रभाव वाले जर्नलों में कई प्रकाशनों और दुनिया भर में प्रतिष्ठित बैठकों में मंच प्रस्तुतियों के कारण विश्व स्तर पर टीएमसी की एक पहचान कायम हुई है।

डॉ. आर ए बडवे

प्रगति

- वित्त पोषण
- घटनाएँ

Funding

स्वीकृत पूंजीगत परियोजनाओं, जारी किए गए अनुदानों और मार्च 2022 तक किए गए व्यय का विवरण (लेखापरीक्षा के अधीन)।

(सभी राशियाँ भारतीय रुपये में)

नाम	स्वीकृत लागत	जारी किया गया अनुदान	किया गया व्यय
टाटा स्मारक अस्पताल, मुंबई, महाराष्ट्र			
• स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में वृद्धि तथा अस्पताल हेतु नए भवन का निर्माण (इसे प्लेटिनम ब्लाक कहा जाएगा)	93,800	3600	2777.64
• निदान एवं सेवाओं के लिए प्रगत सुविधाएँ	29,755	29,755	26,996.21
• अवसंरचना का विकास	3658	0	0
• चिकित्सा उपकरण में वृद्धि एवं उन्नयन	45,087	0	0
• सूचना प्रौद्योगिकी उन्नयन	3533	0	169.50
• धर्मशाला तथा डॉक्टरों के लिए आवासीय काम्प्लेक्स	8000	4949	7004.5
कुल	**1,83,833**	**38,304**	**36,947.85**
एक्ट्रेक, खारघर, नवी मुंबई, महाराष्ट्र			
• क्षमता निर्माण तथा आधुनिक नवीनतम अनुसंधान गतिविधियों का विकास	5655	0	0
• कैंसर में मूलभूत एवं ट्रांसलेशनल अनुसंधान	7868	0	0
• उपकरण में वृद्धि एवं उन्नयन	27,501	0	0
• सामान्य अवसंरचना	5857	70	68.20
• उपकरणों एवं फिक्स्चरों की मरम्मत एवं रखरखाव	3250	0	0
• सूचना प्रौद्योगिकी उन्नयन	1800	155	38.10
• पशु इमेजिंग	5355	300	392.34
• स्टैंड आलोन आरसीसी स्ट्रक्चर का नया रिहायशी होस्टल भवन (नीचला तल+17 मंजिलें)	8627	0	0
• कैंसर अनुसंधान एवं नाभिकीय औषधि हेतु प्रगत सुविधाएँ	24,960	19,275	19,392.65
• उत्तर-पूर्व भारत में महिलाओं के आम कैंसरों के नियंत्रण हेतु कार्यक्रम	4999	150	155.88
कुल	**95,872**	**19,950**	**20,047.17**

नाम	स्वीकृत लागत	जारी किया गया अनुदान	किया गया व्यय
डॉ भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी, आसाम			
• सुदृढ़ीकरण/ नवीनीकरण/ नवीनीकरण/ प्रतिस्थापन, आदि	19,162	50	0
• नया सहायक भवन/ नवीनीकरण/ रेट्रोफिटिंग	13,185	100	82.66
कुल	**32,347**	**150**	**82.66**
राष्ट्रीय हैड्रन बीम थेरेपी, एक्ट्रेक	**46,800**	**43,700**	**44,464.25**
रेडियोलॉजिकल अनुसंधान इकाई (आरआरयू),एक्ट्रेक	**2400**	**2400**	**2400**
महिला एवं बच्चों के लिए कैंसर विंग, एक्ट्रेक	**3800**	**3734**	**3731.89**
राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी)- प्रमुख नोडों का उन्नयन	**7200**	**7200**	**7200**
विशाखापत्तनम, आन्ध्र प्रदेश में एचबीसीएचआरसी की स्थापना	**55,678**	**39,398**	**39,590.76**
एचबीसीएच (संगरूर) तथा एचबीसीएचआरसी (मुल्लनपूर) की स्थापना	**66,374**	**33,037**	**32,734.37**
वाराणसी, उत्तरप्रदेश में एचबीसीएच और एमपीएमएमसीसी की स्थापना	**65,000**	**61,581**	**62,355.85**
मुज़फ्फरपुर, बिहार में एचबीसीएचआरसी की स्थापना	**19,815**	**707**	**600.25**
सकल कुल	**5,79,119**	**2,50,161**	**2,50,155.05**

घटनाएं

महिना	घटना	स्थान
जनवरी, 2021	जनवरी के प्रथम सप्ताह से केईएम अस्पताल में टीएमएच स्टाफ के लिए कोविड वेक्सीनेशन की शुरूआत हुई	टीएमएच, मुंबई
	एचबीसीएच, संगरूर एवं एचबीसीएचआरसी, मुल्लनपुर में संस्थानिक आचार समिति (आईईसी) की स्थापना का कार्य शुरू किया गया	एचबीसीएच, संगरूर एवं एचबीसी एचआरसी मल्लनपुर
	पीएलओ वन के एक स्टेनफोर्ड वैज्ञानिक जर्नल अनुसार, डा. पंकज चतुर्वेदी को विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल किया गया	सीसीई, नवी मुंबई
	एचबीसीएचआरसी, मुजफ्फरपुर के लिए बाह्य-रोगी चिकित्सालय की शुरूआत एसकेएमसीएच परिसर में की गई	एचबीसी एचआरसी मुजफ्फरपुर
	1 जनवरी को एक नई डिजिटल रेडियोग्राफी एक्स-रे मशीन की स्थापना	टीएमएच
	6 जनवरी को डॉ. सी एस प्रमेश, निदेशक ने एक पत्र द्वारा टीएमएच स्टाफ को कोविड महामारी के दौरान उनके निस्वार्थ योगदान हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया	
	9 जनवरी को डॉ निखिल पाटकर ने मुंबई के बाहर के तीन रोगियों में कोविड स्ट्रेन एसई 484k को पहली बार भारत में पृथक करने में सफलता प्राप्त की। यह स्ट्रेन दक्षिण अफ्रीका से संबंधित था	एक्ट्रेक, नवी मुंबई
	17 जनवरी को भारतीय मेडीकल असोसिएशन, पुणे द्वारा डॉ. आर ए बड़वे, निदेशक, टीएमसी को 'पुणे भूषण' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।	टीएमसी
	17 जनवरी को श्री एस एच जाफरी वरिष्ठ पीआरओ, टीएमएच को भारतीय जनसंपर्क परिषद (पीआरसीआई) के मुंबई चेप्टर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया	टीएमएच
	26 जनवरी को पंजाब सरकार द्वारा एचबीसीएच को पीएम-जय योजना के तहत आयुष्मान भारत सरबत सेहत बीमा योजना (एबीएसएसबीआई) में गुणवत्ता प्रमाणीकरण मानक के पालन हेतु प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।	संगरूर
फरवरी, 2021	1 फरवरी घरेलू ई-पत्रिका स्पंदन के 15वें अंक (अक्तूबर 2015-मार्च 2020) को जारी किया गया।	टीएमएच
	4 फरवरी को श्री एस एच जाफरी, वरिष्ठ पीआरओ, टीएमएच को यूएस सम्बद्ध बेप्टीस्टा शांति विश्वविद्यालय द्वारा मानद डाक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई	
	कैंसर दिवस (फरवरी-4) को भारतीय डाक, मुंबई क्षेत्र द्वारा टाटा मेमोरियल केन्द्र के सहयोग से कैंसर पर एक विशेष कवर जारी किया गया	टीएमसी/टीएमएच
	8 फरवरी को डॉ. आनन्द बंग टाटा ट्रस्ट द्वारा पल्मोनरी सिमुलेशन प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया	टीएमएच
	टीएमसी निदेशक डॉ.आर ए बड़वे द्वारा एचबीसीएचआरसी, मुजफ्फरपुर हेतु एसकेएमसीएच में प्रथम शल्यक्रिया की गई	एचबीसीएचआरसी बिहार
	19-20 फरवरी को एमपीएचएमसीस एवं एचबीसीएच के वार्षिक दिवस कार्यक्रम में डॉ. अश्विनी कुमार चौबे, स्वास्थ राज्य मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे	वाराणसी

महिना	घटना	स्थान
फरवरी, 2021	20 वर्षों की प्रथम चिकित्सा अध्ययन कार्य, एक लैंडमार्क अध्ययन, जिसके द्वारा सिद्ध हुआ कि 'स्तन कैंसर का पता लगाने हेतु स्तन की नैदानिक जांच एक पसंदीदा तरीका है' बीएमजे में प्रकाशितः स्तन कैंसर की चिकित्सा जांच का प्रभाव एवं 20 वर्ष पश्चात की मृत्युदरः भावी रेन्डमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, मुंबई से लेखक : इन्द्रनील मित्रा, गौरवी ए मिश्रा, राजेश पी दीक्षित, सुभद्रा गुप्ता, वसुन्धरा वाई कुलकर्णी, हिना कौसर ए शेख, सुरेन्द्र एस शास्त्री, रोहिणी हवालदार, सुदीप गुप्ता, सी एस प्रमेश, राजेन्द्र ए बड़वे	एक्ट्रेक, टीएमएच
	28 फरवरी को श्री संजीव सूद, निदेशक प्रशासन (परियोजना) की सेवानिवृत्ति हुई	टीएमसी
	टीएमएच का वार्षिक दिवस समारोह स्थगित किया गया एवं वार्षिक टीएमसी साक्ष्य आधारित चिकित्सा सम्मेलन आभासी रूप से आयोजित किया गया।	टीएमएच/ टीएमसी
मार्च, 2021	8 मार्च को आंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती एन अंबिका आईपीएस आफीसर, पुलिस उपायुक्त, मुंबई द्वारा डिजिटल टोमोसिंथेसिस-सहित कन्ट्रास्ट एनेलेंस्ड स्पेक्ट्रल मेमोग्राफी का उद्घाटन किया गया	टीएमएच
	टीएमएच अस्पताल दिवस समारोह मनाने के स्थान पर, 12 मार्च को एक लघु कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 30 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके टीएमएच के लोगों को सम्मानित किया गया	
	23 मार्च से टीएमएच में अपने स्टाफ व उनवेढ परिवार के सदस्यों (45 वर्ष से अधिक) हेतु सेंट जेवियर मैदान, परेल में कोविड वेक्सीनेशन का कार्य शुरू किया	
	24 मार्च को बाहर से आने वाले रोगियों एवं उनके परिजनों हेतु महाराष्ट्र हाऊसिंग एन्ड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (म्हाडा) ने 200 फ्लैट बिना कीमत के दान देने का वचन दिया	
	24 मार्च को रेडियोडायग्नोसिस विभाग में मेमोग्राफी कार्यों हेतु वैक्यूम आधारित बायोप्सी मशीन का उद्घाटन किया गया	
	मार्च से आरटी ब्लॉक में निजि बाह्य रोगी, सधन चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं की शुरूआत की गई	एचबीसीएचआरसी वैज़ाग
	24 मार्च को रेडियोडायग्नोसिस विभाग में इंटरवेंशनल रेडियोलोजी हेतु क्रायोएबलेशन मशीन की स्थापना की गई।	टीएमएच
अप्रैल, 2021	1 अप्रैल को 3 टीएमआरआई सुविधा की स्थापना की गई	वैज़ाग
	अप्रैल के प्रथम सप्ताह से टीएमएच को मुम्बई के सामान्य नागरिकों हेतु वेक्सीनेशन केन्द्र के रूप में नियुक्त किया गया	टीएमएच
	8 अप्रैल से एचबीसीएच, संगरूर में डीएसए, आरएफए व नई सीटी स्कैन मशीन द्वारा इंटरवेंशनल सेवाएं आरम्भ की गई	संगरूर
	टीएमसी संचालन परिषद ने 8 अप्रैल को आयोजित अपनी 124 वीं बैठक में टीएमसी शिड्यूल आफ चार्ज (एसओसी) को मंजूरी प्रदान की। एसओसी में पिछला परिवर्तन वर्ष 2018 में हुआ था।	टीएमसी
	22 अप्रैल से एचबीसीएच, वाराणसी में केन्द्रीय कोविड नियंत्रण कक्ष के दिशानिर्देशों के अनुसार कोविड ग्रासित/ संभावित व्यक्तियों की भर्ती शुरू की गई।	एचबीसीएच वाराणसी

महिना	घटना	स्थान
मई, 2021	9 मई को केलिफोर्निया आधारित मानवीय संगठन (कम्यूनिटी पार्टनर इंटरनेशनल) एवं नव्या स्थापना द्वारा टीएमसी को 3800 आक्सीजन सान्द्रक दान में दिए गए	टीएमसी
	न्यूयार्क प्रेसबाइटेरियन/वेल केरनल मेडिसिन ने 2 मिलियन पूएस डालर कीमत के ऑक्सीजन सान्द्रक औषधि, 3400 पोर्टेबल सान्द्रक, एन 95 मास्क, नेसल केन्नुअल्स लगभग प्रदान किए	
	उपरोक्त सभी सामग्री को सभी एनसीजी केन्द्रों खासकर महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, आसाम एवं पश्चिम बंगाल राज्यों में आवश्यकतानुसार वितरित करना था	
	15 मई को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष श्री शरद पवार ने निदेशक, टीएमसी श्री आर ए बड़वे को टीएमएच रोगी एवं परिजनों हेतु 100 म्हाडा फ्लैट गृहमंत्री, जितेन्द्र आव्हाड एवं म्हाडा उपाध्यक्ष श्री अनिल डिग्गीकर की उपस्थिति में प्रदान किए	टीएमएच
	21 मई को राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया	टीएमसी
	23 मई को हृदयाघात के कारण पूर्व-पऊवि अध्यक्ष डॉ. श्रीकुमार बैनर्जी (25.12.1946 - 23.05.2021) का निधन। वे बीएआरसी के निदेशक (30.04.2004 - 19.05.2010) रहे एवं 30.04.2012 को अध्यक्ष, एईसी एवं सचिव, डीएई के तौर पर सेवानिवृत्त हुए। उन्हें विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में 'पद्मश्री' पुरस्कार (2005) प्राप्त हुआ है।	डीएई
	31 मई को तंबाकू निषेध पर विशेष योगदान हेतु डॉ बी बरूआ कैंसर संस्थान को विश्व स्वास्थ्य संगठन क्षेत्रीय निदेशक विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया।	बीबीसीआई, गुवाहाटी
जून, 2021	14 जून को गृहपत्रिका 'स्पन्दन' का 16वां अंक अप्रैल 2020 मार्च 2021 के लिए ई-पत्रिका के रूप में जारी किया गया	टीएमएच
	सोमवार 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में टीएमसी स्टाफ हेतु एक सप्ताह तक 45 मिनिट प्रतिदिन का 'केवल्यधाम योग' कार्यक्रम आरम्भ किया गया। इन सत्रों का नाम 'योगा से होगा' रखा गया तथा वार्षिक थीम 'स्वास्थ्य के लिए योग' रखा गया	टीएमसी
	23 जून को ई हेल्थकेअर एवं एलिट टेक्नोलोजी लि. द्वारा अग्रणी छायांकन में एआई तकनीकी समाधान हेतु टीएमएच एवं डॉ. अभिषेक महाजन को रेडियोग्राफी एवं छायांकन उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया	टीएमएच
	डॉ. शीला सावंत एवं डॉ. अनुप्रिता द्ढढी ने अन्तर्राष्ट्रीय कार्डियोलोजी ऑन्कोलॉजी संस्था का बोर्ड एक्झाम सफलतापूर्वक पास किया	
	6223 लेखों के साथ भारत ने यूएसए, चीन, यूके एवं इटली के बाद कोविड प्रकाशनों में पांचवा स्थान प्राप्त किया। 91 प्रकाशनों के साथ महाराष्ट्र में टीएमएच प्रथम स्थान पर रहा।	
अगस्त, 2021	2 अगस्त से फेन्टम पर प्रायोजित प्रोटोन बीम थेरेपी की शुरूआत	एक्ट्रेक
	15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में गुवाहाटी में आसाम के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत बिस्वा शर्मा द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेएवाई) के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्यों हेतु प्रशंसापत्र प्रदान करके बीबीसीआई को पुरस्कृत किया गया	बीबीसीआई
	16 अगस्त को डॉ. आर.ए.बड़वे द्वारा 'ऑन्कोलॉजी शोध एवं चिकित्सा व वृत्तान्त' नामक जर्नल का प्रथम अंक जारी किया गया (प्रधान संपादक डॉ. ए सी कटकी, निदेशक, बीबीसीआई)	बीबीसीआई
	20 अगस्त को सद्भावना दिवस शपथ लेकर एवं राष्ट्रीय गान गाकर मनाया गया।	डीएई-टीएमसी

महिना	घटना	स्थान
अगस्त, 2021	21 अगस्त को श्री विजय इन्दर सिंगला, पीडब्ल्यूडी एवं शिक्षा मंत्री पंजाब सरकार एवं डॉ. आर ए बड़वे, निदेशक, टीएमसी द्वारा एचबीसीएच, संगरूर में 'इंटरनेशनल रेडियोलॉजी ब्लॉक का शुभारम्भ किया गया।	एचबीसीएच, संगरूर
सितंबर, 2021	सुश्री दीपिका मुंडले ने परेल में स्थित अपनी पैतृक संपत्ति लगभग 30,000 वर्गफीट जमीन टीएमएच को दान की	टीएमएच
	14 सितंबर को हिंदी दिवस के अवसर पर भारत के गृहमंत्री श्री अमित शाह एवं अध्यक्ष एईसी एवं सचिव, डीएई श्री के एन व्यास ने सभी विभागीय संवादों में हिंदी को बढ़ावा देने का आह्वान किया	डीएई/ टीएमसी
	विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय, भारत सरकार ने विज्ञान एवं औद्योगिक शोध संस्थान (एसआईआरओ) प्रमाणीकरण योजना के तहत टीएमसी मुंबई को विज्ञान एवं औद्योगिक शोध संस्थान का दर्जा प्रदान किया (27.09.2021 31.03.2024)।	टीएमसी/ टीएमएच
अक्तूबर, 2021	1 अक्तूबर को डॉ. वी के सारस्वत, सदस्य नीति आयोग (विज्ञान एवं तकनीकी) एवं कुलाधिपति जेएनयू, दिल्ली ने प्रथम डॉ.शेखर बसू स्मृति व्याख्यान दिया। डीएई परियोजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा इंजीनियर को डॉ शेखर बसु स्मृति पुरस्कार प्रदान किया जाएगा	डीएई/ टीएमसी
	7 अक्तूबर को 'आशा निवास' का उद्घाटन किया गया। वह 13 मंजिल एवं 218 कमरों-सहित रोगी छात्रालय है जो कि एक्ट्रेक परिसर में इन्फोसिस फाउण्डेशन द्वारा प्रदान किया गया है।	एक्ट्रेक
	'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर एचबीएनआई द्वारा ए3 साइज़ पेपर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके विषय थे : विज्ञान एवं तकनीक में भारत की उपलब्धियाँ, राष्ट्र की सेवा में अणु, कार्बन फुटप्रिंट में कमी	एचबीएनआई
	एचबीएनआई की तीसरी वेबीनार, उत्कृष्ट व्याख्यान श्रृंखला, अक्तूबर 21 को 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के रूप में आयोजित की गई जिसमें डॉ. वी एस रामामूर्ति, वरिष्ठ प्राध्यापक, प्रगत अध्ययन हेतु राष्ट्रीय संस्थान, बेंगलुरू एवं पूर्व सचिव, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग भारत सरकार द्वारा 'जन जोखिमों पर जन धारणा का प्रबन्धन' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया	
	22 अक्तूबर को सुमन तुलसियानी चेरिटेबल ट्रस्ट के श्री रमेश तुलसियानी जी द्वारा फ्यूजन एवं नेविगेशन के साथ उच्च तकनीक अल्ट्रासाउन्ड मशीन की स्थापना की गई	टीएमएच
	सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय 'स्वतंत्र भारत75' आत्मनिर्भरता एवं संगठन'। इस अवसर पर श्री विश्वास नांगरे पाटिल, आईपीएस, संयुक्त आयुक्त पुलिस (लॉ एन्ड ऑर्डर) ग्रेटर मुंबई द्वारा शपथ दिलाई गई	
	नवंबर से टीएमसी के सभी केन्द्रों पर रोगियों हेतु समान शुल्क लागू किया जाना	टीएमसी
	30 अक्तूबर को श्रीमती हेमामालिनी एवं मुंबई सबर्बन कलेक्टर श्रीमती निधि चौधरी द्वारा दिवाली स्नेह सम्मेलन में श्री राजेंद्र ए पाटिल (उप प्रशासनिक अधिकारी) एवं उनके परिवार को टीएमएच में उत्कृष्ट कार्यों के लिए 'परमार्थ रत्न पुरस्कार 2021' से सम्मानित किया गया	टीएमएच
	30 अक्तूबर को निदेशक टीएमसी डॉ.आर.ए.बड़वे को नेलसन मंडेला नोबल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्हें मानवीय सेवाओं हेतु मानक डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी पुरस्कार भी प्रदान किया गया।	टीएमएच/ टीएमसी
नवंबर, 2021	सरदार वल्लभ भाई पटेल जन्म दिवस 31 अक्तूबर को रविवार होने के कारण राष्ट्रीय एकता दिवस 2 नवंबर को मनाया गया	डीएई/ टीएमसी
	जनसंपर्क कार्यालय ने के अवसर पर अपने स्टाफ दिनांक को हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया	टीएमएच

महिना	घटना	स्थान
नवंबर, 2021	19 नवंबर को कोविड रोगियों हेतु मेडीकल गैस मेनीफोल्ड कक्ष (ऑक्सीजन प्लांट) का शुभारम्भ किया गया जो कि टाटा ट्रस्ट द्वारा प्रदान किया गया	एक्ट्रेक
	26 नवंबर को भारतीय संविधान दिवस मनाया गया	डीएई/ टीएमसी
	नवंबर से अस्पताल का मुख्य भवन क्रियाशील हुआ	वैज़ाग
	नवंबर 26-27 को द्वितीय वार्षिक उत्तर-पूर्व भारत ईबीएम, आभासी सम्मेलन का आयोजन किया गया।	बीबीसीआई
दिसंबर, 2021	14 दिसंबर को माननीय राज्यपाल आसाम प्रोफेसर जगदीश मुखी द्वारा राजभवन गुवाहाटी में डॉ अमल चंद्र कटाकी निदेशक, बीबीसीआई द्वारा लिखित पुस्तक 'ऑन्कोलॉजी सिद्धांत एवं प्रक्रियाएं' का विमोचन किया गया। अतिथि श्री केशव महन्त चिकित्सा मंत्री, आसाम थे एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. आर ए बड़वे निदेशक टीएमसी थे	बीबीसीआई
	24 दिसंबर 2021 से 15 जनवरी 2022 तक सरकार ने कोविड मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए पूर्व से कड़े दिशानिर्देश जारी किए	टीएमएच/ एक्ट्रेक
	28 दिसंबर को एईआरबी में हिंदी भाषा में 'डायग्नोस्टिक रेडियोलोजी से विकिरण संरक्षा' पर आनलाइन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया	एईआरबी/ डीएई/ टीएमसी
	30 दिसंबर, 2021 को डॉ. आशीष गुलिया को पंजाब के दोनों कैंसर अस्पताल (संगरूर एवं मल्लनपुर) का सह-निदेशक नियुक्त किया गया।	पंजाब

संक्षिप्तीकरण

- सारांश
- विशिष्टता

सारांश

कोविड महामारी की पहली लहर समाप्त होने के बाद वर्ष 2021 एक नई आशा के साथ शुरू हुआ। डीएई-टीएमसी के अन्तर्गत सभी अस्पतालों में सामान्य रूप से अपना कार्य करना आरम्भ किया। दूसरी लहर की आशंका के बावजूद सभी अस्पतालों में रोगियों की संख्या में वृद्धि देखी गई।

2021 के मध्य में एक बार फिर डीएई-बीएआरसी-टीएमसी को उदासी ने घेर लिया। परमाणु ऊर्जा विभाग ने अपने महत्वपूर्ण आधार श्रीकुमार बैनर्जी को खो दिया (25.04.1946-23.05.2021), उनका निधन सुबह के समय हृदयाघात के कारण हुआ। वे एक महान भौतिक धातु वैज्ञानिक के रूप में जाने जाते थे एवं अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा परिषद एवं सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग थे (30.11.2002-30.04.2012) एवं निदेशक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र मुंबई (30.04.2004-19.05.2010) रहे। उन्हें वर्ष 2005 में विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

डॉ. शेखर बसु (1952-2020) की स्मृति में होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान ने युवा वैज्ञानिकों के लिए 'डॉ. शेखर बसु स्मृति पुरस्कार' की शुरूआत की। प्रथम शेखर बसु स्मृति व्याख्यान डॉ बी.के. सारस्वत, कुलाधिपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 1 अक्तूबर 2021 को दिया गया।

कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के सभी कैंसर केन्द्रों ने पूरे स्टाफ के साथ सभी सेवाएं प्रदान की। चयनित कैंसर केन्द्र जैसे मुंबई में टीएमएच एवं वाराणसी में एचबीसीएच ने जांच कार्य, भर्ती उपचार आदि कार्य सामान्य जन में कोविड संक्रमित व्यक्तियों हेतु जारी रखा। अधिकतर केन्द्रों ने अपने स्टाफ को प्राथमिक एवं बूस्टर वैक्सीन प्रदान की एवं साथ ही रोगियों, वृद्ध नागरिकों को भी वैक्सीन प्रदान की। टीएमसी केन्द्रों ने एक लाख से अधिक वेक्सीनेशन कार्य किए।

सभी स्टाफ सदस्यों एवं रोगियों को कोरोना संक्रमण से बचाने हेतु बचाव एवं रोकथाम कार्य किए गए। सभी केन्द्रों विशेषकर सामान्य एवं सेवा क्षेत्रों में भीड़ को नियंत्रित करने का कार्य किया गया।

महामारी के दौर में जब कोविड संबंधी प्रोटोकोल एवं बचाव उपाय पूरे देश में लागू थे तब टीएमसी का नया एवं एकल उपाय रोगी नेविगेशन 'केवट' बहुत ही कारगर सिद्ध हुआ। महामारी के दौरान 'केवट' ने लगभग 1.5 लाख जांच कार्यों में सहयोग प्रदान किया। केवट ने रोगी आंकड़ों की चिकित्सा, सूचना तंत्र (सीआईएस) एन्ट्री में सहायता की एवं दूरगामी परामर्श के बृहद आंकड़ों को सहेज कर रखने में मदद की जिससे चिकित्सालयों का कार्यभार कम किया जा सका। अन्य कार्य जैसे कि औषध कतार प्रबन्धन, प्रशासनिक स्टाफ प्रशिक्षण, दस्तावेज प्रबन्धन के कारण अस्पताल की 100% उपलब्धता बनी रही। कैंसर रोगियों की अनेकोनेक आवश्यकताओं जिसमें संवाद एवं परामर्श भी शामिल है उनको पूरा करते हुए केवट फैलो एवं सहायकों ने 50,000 से अधिक रोगियों तक अपनी पहुंच बनाई।

कोविड जांच हेतु कुल टेस्ट 65,000 से भी अधिक किए गए एवं 5,000 से अधिक व्यक्ति पोजिटिव पाये गए लगभग 3,500 कैंसर रोगी कोविड संक्रमित हुए एवं उनमें से 285 की मृत्यू संक्रमण के कारण हुई।

जब-जब संभव हुआ,आनलाइन परामर्श को बढ़ावा दिया गया एवं परामर्श समय आनलाइन प्राप्त किया गया। लगभग 4500 रोगियों ने सुदूर परामर्श सेवाओं का उपयोग किया।जांच हेतु अन्यत्र संदर्भित संख्या में 40% की कमी कोविड की पहली लहर के बाद निजी अस्पताल एवं जांच केन्द्रों की शुरूआत के कारण हुई। पिछले वर्ष के 81,033 की तुलना में नए रोगी पंजीकरण संख्या में 20% की वृद्धि हुई। कुल 1,10,000 रोगी पंजीकरण हुए। 13,000 से अधिक रोगी पंजीकरण आनलाइन माध्यम से हुए।

रोगियों द्वारा विभिन्न सेवाओं हेतु लगभग 10 लाख स्मार्ट कार्ड विनिमय गए गए जिसमें औषधि एवं निष्पादन सामग्री सम्मिलित थी और इस प्रकार 350 करोड रूपए का विनिमय हुआ।

प्रिवेंटिव ओंकोंलोजी सेवाओं का उपयोग करने वाले रोगियों की संख्या में 100% बढ़ोतरी हुई। प्रिवेंटिव ओंकोंलोजी विभाग ने देशभर में आभासी (virtual) कैंसर बचाव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। 'मुंबई पुलिस के बीच कैंसर एवं अन्य नान-कम्यूनिकेबल रोगों हेतु सहयोगात्मक कार्यक्रम के अंतर्गत मुंबई पुलिस हेतु कुल 1103 स्वास्थ्य शिक्षा सत्र एवं 415 जांच शिबिर आयोजित किए गए। इस विभाग ने सामान्य जन, स्टाफ, उनके परिवार के सदस्यों, रोगियों एवं रिश्तेदारों एवं विभिन्न कार्यकारियों हेतु कोविड 19 वेक्सीनेशन के कार्य किए।

25% से अधिक रोगियों ने सरकार की छूट वाली स्वास्थ लाभ योजना से लाभ उठाया। वाराणसी में 60% से अधिक रोगियों ने इस योजना का लाभ उठाया।

एचबीसीएच (संगरूर) के लिए विशेष उल्लेख आवश्यक है। लगभग 5000 से अधिक सभी रोगियों का पंजीकरण ऑनलाइन माध्यम से हुआ और उनमें से 80% ने मुख्य मंत्री पंजाब कैंसर राहत कोष (एमएमपीसीआरके) या आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) का लाभ उठाया।

स्थानीय/राज्य-स्तरीय/केन्द्र सरकार की योजनाओं के अतिरिक्त चिकित्सा सामाजिक सेवा योजनाओं ने रोगियों एवं उनके परिजनों की आवश्यकता पूर्ती हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने 14,000 रोगियों को आर्थिक सहायता एवं 10,000 रोगियों को आवास सुविधा प्रदान की। पेलिएटिव चिकित्सा विभाग ने सामाजिक-मानसिक सहयोग प्रदान किया।

इम्पेक्ट फाउन्डेशन (इम्प्रूविंग पीडियाट्रिक कैंसर केयर एन्ड ट्रिटमेंट फाउन्डेशन) जो कि एक बाल कैंसर रोगियों से सम्बद्ध फाउन्डेशन है, ने यह सुनिश्चित किया कि टीएमसी में आनेवाले प्रत्येक बाल कैंसर रोगियों (4500 प्रतिवर्ष) को पूर्ण रूप से सहयोग के साथ उपचार प्राप्त हो सके और उसके लिए उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि चाहे जो भी हो। इस फाउन्डेशन ने बाल रोगियों एवं उनके परिजनों हेतु 35 करोड़ से अधिक का निधि शैक्षिक, पोषण एवं सामाजिक-मानसिक सहायता के लिए जुटाया जिसके कारण उपचार में मनाही की दर एवं उपचार बीच में छोड़ने की दर को कम किया जा सका (पिछले 5 वर्षों में 5% तक)।

भारत का ब्रेन ट्यूमर फाउंडेशन (बीटीएफ) एक अन्य संगठन रहा जिसकी स्थापना मस्तिष्क कैंसर एवं सेन्ट्रल नर्वस सिस्टम कैंसर रोगियों की सहायता हेतु की गई थी। वर्ष 2021 में बीटीएफ का उल्लेख अन्तर्राष्ट्रीय ब्रेन ट्यूमर अलायंस (आईबीटीए) न्यूज मैगज़ीन में हुआ और उसकी पहचान एशिया पेसिफिक ब्रेन ट्यूमर अलायंस (एपीबीटीए) के सदस्य के रूप में हुई। ब्रेन ट्यूमर रोगियों में कोविड 19 संक्रमण के दिशा-निर्देश तैयार करने के अतिरिक्त, वेब आधारित सूचना पोर्टल एवं ब्रेन ट्यूमर हेल्पलाइन ने विभिन्न रोगियों को महामारी के दौरान सहयोग प्रदान किया जबकि अस्पताल तक व्यक्तिगत रूप से पहुंच पाना मुश्किल था।टीएमसी-नव्या एवं विशेषज्ञ द्वितीय परामर्श सेवा कैंसर रोगियों हेतु है, इसमें भारत के 62,000 रोगियों एवं अन्य निम्न-मध्यम आय वाले देशों- जैसे बांगलादेश, इंडोनेशिया, नेपाल, मलेशिया इत्यादी को परामर्श प्रदान किए। टीएमसी विशेषज्ञों द्वारा 50,000 से अधिक रोगियों को निशुल्क साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देश एवं विशेषज्ञ सलाह प्रदान की गई। वर्ष 2018 के कुल संकलित विश्लेषण आंकड़ों के आधार पर पुरूषों में मुख्य कैंसर में: मुख कैंसर, लिम्फोमा एवं ल्यूकेमिया थे एवं महिलाओं में स्तन कैंसर, यूटेरिन सर्विक्स एवं जननांग कैंसर थे।

होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान के अंतर्गत विद्यार्थियों को कुल 221 डाक्टरल एवं पोस्ट डॉक्टरल डिग्रीयां प्रदान की गई। कुल 330 नई परियोजनाए थी। स्टाफ के सदस्यों ने 1000 से अधिक प्रकाशन किए जिनमें 7 पाठ्यपुस्तकें एवं 75 पुस्तकों के अध्याय थे। अधिकांश शैक्षणिक सम्मेलन एवं सेमिनार आनलाइन एवं हाइब्रिड मोड से लिए गए। लगभग 130 सम्मेलन व्यक्तिगत उपस्थिति के जरिये आयोजित किए गए। कोविड की वैश्विक अनिश्चितता को देखते हुए तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय पीर रिव्यू फिर स्थगित कर दिया गया।

28 दिसंबर को 'डायग्नोस्टिक रेडीयोलोजी में विकिरण संरक्षा' विषय पर हिंदी भाषा में एक आनलाइन जागरूकता कार्यक्रम एईआरबी द्वारा प्रसारित किया गया।

टीएमसी कर्मचारियों के आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के उपलक्ष्य में एक सप्ताह का प्रतिदिन 45 मिनिट का योग सत्र 'योगा से होगा' आयोजित किया गया।

टीएमसी डीएई ने विभिन्न कैंसर अस्पतालों का प्रबन्धन किया जो कि टायर I, II एवं III शहरों में थे। इनमें टाटा मेमोरियल अस्पताल (टीएमएच) मुंबई, महाराष्ट्र; कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षण हेतु प्रगत केन्द्र (एक्ट्रेक) नवी मुंबई, महाराष्ट्र; होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र (एचबीसीएचआरसी) विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश; होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र (एचबीसीएचआरसी) मुल्लनपुर, पंजाब (जल्द ही प्रचलित होने वाला है); होमी भाभा कैंसर अस्पताल, (एचबीसीएच) संगरूर, पंजाब; वाराणसी, उत्तर प्रदेश में महामना पंडित मदनमोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी) व होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र; डॉ भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई), गुवाहाटी, आसाम; तथा मुजफ्फरपुर, बिहार के कृष्णा मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के परिसर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र इत्यादि थे। कैंसर एपिडोमिनोलोजी केंद्र (सीसीई) नवी मुंबई, महाराष्ट्र उपचार का केन्द्र नहीं था।वर्ष 2018 के बाद रोगियों से सेवाओं हेतु लिए जाने वाला शुल्क इस वर्ष संशोधित किया गया। इन्हें सभी केन्द्रों पर समान रूप से लागू किया गया।

टीएमसी में कुल स्टाफ 4200 था जिसमें पुरूष महिला अनुपात 47:53 था, यहां लगभग 30% कर्मचारी आरक्षण वर्ग से थे जिनमें अधिकांश अन्य पिछडा वर्ग से थे एवं अनुसूचित जाति से थे। 14 अपंग व्यक्ति भी यहां कर्मचारी थे। 76 कर्मचारियों ने मातृत्व एवं शिशु सुरक्षा छुट्टीयों का उपयोग किया। 79 कर्मचारियों ने पितृत्व अवकाश लिया।

सभी केन्द्रों पर 140 कर्मचारियों की पदोन्नति हुई एवं 65 रिटायर हुए या त्यागपत्र दिया।

1500 से अधिक स्टाफ सदस्य कोविड से ग्रासित हुए एवं सभी ठीक हो गए।

सभी केन्द्रों पर स्टाफ सदस्यों की समस्याओं के समाधान एवं उनके हितों की रक्षा के लिए तीन तरह की समितियां थीः आन्तरिक शिकायत समिति, शिकायत निवारण समिति एवं विकिरण सुरक्षा समिति।

संसदीय प्रश्न :

टीएमसी ने 'विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, पर्यावरण' एवं वन पर संसदीय स्थायी समिति द्वारा पऊवि के अनुदान मांगों (2021-22) पर और उनके संदर्भ पत्र 1.2.2021 एवं 9.2.2022 के जरिये पूछे गए प्रश्नों के 11.02.2021 को त्वरीत एवं संतोषजनक उत्तर प्रस्तुत किये।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) :

जन-सामान्य जो कि सूचना चाहते थे, उनके लिए चिकित्सा अधीक्षक को सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया उनके सभी विषय चिकित्सा एवं औषधालय एवं रोगी सेवा से संबंधित थे। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी उपरोक्त विषयों के अतिरिक्त विषयों पर उत्तर देने हेतु प्राधिकृत थे।जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के केन्द्रीयकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) के माध्यम से दर्ज की गई सभी शिकायतों के लिए शिकायत अधिकारी थे। अस्पताल के निदेशक अपील अधिकारी थे।

पारदर्शिता अधिकारी ने विज्ञापन एवं जनसूचना से संबंधित सभी मामलों को देखा।

वर्ष 2021 में वाराणसी को छोड़कर सभी केन्द्रों में 181 आरटीआई आवेदन आरटीआई इकाई को प्राप्त हुए। सभी पत्रों का जबाब नियत समय में दिया गया। इन 181 आवेदनों में से, प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष 36 अपील (प्रथम अपील) प्रस्तुत की गई। सीआईसी के समक्ष कुल तीन की केन्द्रीय सूचना परिषद (सीआईसी) सुनवाई (द्वितीय अपील) की गई एवं सीआर्इसी के अनुसार नियत समय में अनुपालना की गई।

वर्ष 2021 में 39 आवेदन एचबीसीएच/एमपीएमएमसीसी वाराणसी आरटीआई इकाई को प्राप्त हुए। सभी आवेदनों का उत्तर नियत समय में दे दिया गया। इन 39 आवेदनों में से, प्रथम अपीलीय अधिकारी के समक्ष 6 अपील (प्रथम अपील) प्रस्तुत की गई। सभी अपीलों का निपटान समय पर कर दिया गया। कोई भी आवेदक द्वितीय अपील में नहीं गया।

आन्ध्र प्रदेश

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं शोध केन्द्र विशाखापट्टनम में कई विकास कार्य हुए जिनमें आणविक पैथोलोजी, साइकोलोजिकल परामर्श, एन्डोस्कोपिक सेवाओं, न्यूरोचिकित्सा सहित कई नई चिकित्सा सेवाएं सम्मिलित थी।यह केन्द्र तटीय एवं केन्द्रीय आन्ध्र प्रदेश के कैंसर रोगियों हेतु समर्पित था और यहा पड़ोसी राज्य तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड इत्यादी के रोगियों को भी सेवाएं प्रदान की गई। ऑन्कोलॉजी सेवाओं का विस्तार बीएआरसी, विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट (वीपीटी) एवं राष्ट्रीय स्पात निगम लिमिटेड (विज़ाग स्टील प्लांट) के लाभार्थियों तक भी दिया गया।

अस्पताल के नए भवन को भी चरणबद्ध रूप से बाह्य रोगियों हेतु क्रियाशील बनाया गया। नवंबर 2021 से सभी बाह्य-रोगी एवं डे केयर सेवाओं को पोर्ट कैबिन से मुख्य अस्पताल भवन में स्थानांतरित किया गया। शल्य आपरेशन अभी तक पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल में किए जा रहे थे। शल्य एवं कीमोथेरेपी रोगियों की संख्या में 30% की वृद्धि हुई। प्रयोगशाला जांच अन्वेषण कार्यों में 60% की वृद्धि एवं छायांकन में 20% की वृद्धि हुई।

इसी दौरान एक नई 3टी एमआरआई मशीन की स्थापना हुई।

फरवरी 2021 में अस्पताल स्टाफ हेतु कोविड-19 वेक्सीनेशन का कार्य शुरू किया गया जिसे मई 2021 में कैंसर रोगियों, सीएचएसएस लाभार्थी (बीएआरसी एवं डीएई इकाईयां) हेतु विशाखापट्टणम में विस्तृत किया गया। इस केन्द्र को आन्ध्रप्रदेश में राज्य सरकार के कोविड-19 ग्रसित कैंसर रोगियों के उपचार हेतु पहचान प्राप्त हुई। आरटी ब्लाक में 6 बिस्तर वाले कोविड वार्ड एवं 3 बिस्तर वाले कोविड आईसीयू की स्थापना की गई। यहां 34 कैंसर रोगी और 49 स्टाफ सदस्य कोविड संक्रमित हुए और सभी ठीक हो गए।

लगभग 1500 कैंसर रोगियों ने युवाजन स्मारिका रितु (वाईएसआर) आरोग्यश्री योजना द्वारा प्रदत्त छूट का लाभ उठाया जो कि आन्ध्र प्रदेश सरकार ने वर्ष 2020 में आरम्भ की थी।

प्रिवेंटिव ओंकोलोजी सेवाओं द्वारा कई कैंसर जागरूकता कार्यक्रम एवं तंबाकू निषेध शिविरों का आयोजन किया गया। यहां पर 25 शोध परियोजनाएं जारी थीं एवं स्टाफ सदस्यों ने प्रख्यात जर्नल में 76 चिकित्सा लेख प्रकाशित किए।

आसाम

वर्ष 2021 में डॉ. भुवनेश्वर बरूआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई) में रोगी पंजीकरण संख्या में 23.06% की वृद्धि हुई। डे-केयर कीमोथेरेपी में 60% की वृद्धि देखी गई एवं शल्य क्रियाओं में 59% की वृद्धि दर्ज की गई।

लगभग 500 कैंसर रोगियों में कोविड संक्रमण पाया गया उनमें से 16 की मृत्यु हो गई। स्टाफ सदस्यों में 33 को कोविड संक्रमण हुआ और सभी ठीक हो गए।

वर्ष 2021 में अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण का कार्य आरम्भ किया गया। यह उत्तर-पूर्व भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल में अपनी तरह का पहला कार्य था। इस संस्थान में स्टीरियोटेक्टिक बाडी रेडियोथेरेपी का कार्य भी पहली बार शुरू किया गया।

डॉ. बी. बरूआ कैंसर संस्थान को तंबाकू नियंत्रण पर विश्व स्वास्थ संगठन क्षेत्रीय निदेशक, विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ। संस्थान को जांबिया में मर्क एशिया अफ्रीका ल्यूमनरी के दौरान मर्क बीबीसीआई-टीएमसी प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ। गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण मंत्री द्वारा स्वच्छ अस्पताल पुरस्कार प्रदान किया। एबी-पीएमजेवाय योजना के विशिष्ट अनुपालना हेतु मुख्यमंत्री आसाम श्री हेमन्त बिस्वा शर्मा ने स्वतंत्रता दिवस पर बीबीसीआई को सम्मानित किया।

शिक्षा के क्षेत्र में नए जर्नल का प्रथम अंक 'ऑन्कोलॉजी शोध एवं क्रियाओं की व्याख्या' का विमोचन 16 अगस्त 2021 को डॉ आर.ए. बड़वे निदेशक, टीएमसी द्वारा किया गया इसमें निदेशक बीबीसीआई डॉ ए.सी.कटकी एवं प्रधान संपादक के रूप में मौजूद थे। पुस्तक 'ऑन्कोलॉजी सिद्धांत एवं क्रियाएं' जिसके लेखक डॉ. ए.सी. कटकी, निदेशक बीबीसीआई है उसका विमोचन राजभवन गुवाहाटी में 14 दिसंबर 2021 को प्रोफेसर जगदीश मुखी, माननीय राज्यपाल आसाम ने किया।

बीबीसीआई परिसर में 150 बिस्तरों वाला बाल एवं हीमेटोलिम्फाईड कैंसर केन्द्र एवं एक सहायक भवन प्रस्तावित है।

बिहार

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसन्धान केन्द्र (एचबीसीएचआरसी),मुजफ्फरपुर डीएई द्वारा अनुमोदित 9वां कैंसर केन्द्र है जो कि 14 एकड़ भूमि पर वर्तमान में स्थित श्रीकृष्ण मेंडीकल कालेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) परिसर में बनाया जाएगा। यद्यपि निर्माण कार्य शुरू होना बाकी है फिर भी प्रिवेंटिव ओंकोलोजी एवं चिकित्सा सेवाएं माड्यूलर पूर्व निर्मित अस्पताल संरचना में शुरू की जा चुकी है। इन संरचना में बाह्य-रोगी विभाग, 50 बिस्तरों वाली डे-केयर सुविधा तथा आवश्यक प्रशासनिक सुविधाएं विद्यमान है। एसकेएमसीएच ने 10 बिस्तरों का वार्ड एवं एक आपरेशन कक्ष भर्ती रोगियों हेतु उपलब्ध कराया है। फरवरी 11 को पहला शल्य-कार्य किया गया। 13,000 रोगी व्यक्तिगत रूप से आए एवं लगभग 2000 रोगियों का पंजीकरण हुआ। एसकेएमसीएच परिसर में शल्य क्रियाएं (लगभग 400) एवं डे-केयर कीमोथेरेपी (5000) आयोजित किए गये।

स्थानीय लोगों में कैंसर जागरूकता एवं कैंसर जांच हेतु 2180 से अधिक शिबिर आयोजित किए गए। बिहार सरकार के साथ कैंसर जांच कार्यक्रम में 16 जिलों में लगभग 1.5 लाख लोगों की जांच की गई एवं लगभग 200 कैंसर (मुंह, स्तर एवं जननांग) मामले सामने आएं ।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र से तीन कैंसर केन्द्र में शामिल है। टाटा मेमेरियल अस्पताल (टीएमएच, मुंबई), कैंसर उपचार, शोध एवं शिक्षा हेतु प्रगत केन्द्र (एक्ट्रेक) एवं कैंसर एपीडेमियोलोजी (सीसीई) नवी मुंबई। इनमें से सीसीई कैंसर उपचार केन्द्र नहीं है।

टाटा मेमोरियल अस्पताल (टीएमएच)

इस केंद्र में रोगी पंजीकरण संख्या में 40% की वृद्धि देखी गई एवं 8000 रोगियों ने ऑनलाइन पंजीकरण करवाया। 3000 से अधिक रोगियों ने सुदूर परामर्श सुविधा का लाभ उठाया। अन्वेषण कार्य 40% से अधिक हुए, रोगियों का ओपीडी में आगमन लगभग 2000 प्रतिदिन रहा।

लगभग 5000 रोगियों ने सरकार की छूट वाली सुविधाओं का उपयोग किया। अस्पताल में कोविड वेक्सीनेशन एवं कोविड रोगियों हेतु पास के सेंट ज़ेवियर मैदान एवं भारतीय कैंसर सोसायटी के भवन

का उपयोग करना जारी रखा। लगभग अस्पताल के 1900 कैंसर रोगियों में कोविड संक्रमण हुआ और इनमें से लगभग 100 की मृत्यु हो गई। अस्पताल स्टाफ के लगभग 1300 सदस्यों को कोविड संक्रमण हुआ और सभी ठीक हो गए। केन्द्र ने मार्च 2021 से सेंट जेवियर मैदान में अपने स्टाफ हेतु कोविड वेक्सीनेशन कोविशील्ड के साथ शुरू किया एवं अप्रैल माह से सामान्य लोगों हेतु शुरू किया।

निवासी चिकित्सक आवास का कार्य एचएईआईएनई परिसर में पूर्ण हुआ एवं चिकित्सकों ने वहां रहना शुरू किया। धर्मशाला आवास हेतु तैयार थी उसका आवास प्रमाणपत्र लंबित था। प्लेटिनम जुबली ब्लॉक अस्पताल पूर्ण निर्माण स्थिति में था। इस कार्य हेतु आर्किटेक्ट मे. होममेक इंडिया प्रा. लिमिटेड एवं प्रबन्धन सलाहकार मे. आई टेक को नियुक्त किया गया है।

महामारी को देखते हुए वार्षिक दिवस समारोह नहीं मनाया गया। साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सम्मेलन आनलाइन आयोजित किया गया।

रोगी सेवा बेहतर बनाने हेतु रेडियोडायग्नोसिस एवं पल्मोनरी चिकित्सा विभागों ने अपने उपकरणों का सुदृढिकरण किया।

अस्पताल स्टाफ 200 से अधिक शोध परियोजनाओं में सम्मिलित थे एवं 700 से अधिक प्रकाशन किए गए।

कैंसर उपचार, शोध एवं शिक्षण हेतु प्रगत केन्द्र (एक्ट्रेक) :

खारघर, नवी, मुंबई में चिकित्सा शोध केंद्र (सीआरसी), कैंसर शोध संस्थान (सीआरआई) एवं कैंसर एपिडेमियोलोजी केन्द्र (सीसीई) मिलकर कैंसर उपचार, शोध एवं शिक्षण हेतु प्रगत केन्द्र का गठन है।

कोविड महामारी के दौरान कोविड संक्रमित रोगियों को 36 बिस्तरों वाले वार्ड में पृथक रखा गया। जीवन रक्षक उपायों वालो रोगियों हेतु 6 बिस्तर वाली सधन चिकित्सा इकाई बनाई गई । वर्ष 2021 में कोविड संक्रमण से ग्रासित 257 लोगों का उपचार किया गया। कोविड संक्रमण के कारण 9 रोगियों की मृत्यु हो गई। कोविड वेक्सीनेशन जनवरी 2021 में आरम्भ किया गया जो कि पनवेल महानगरपालिका (पीएमसी) के सहयोग से था और लाभार्थियों में एक्ट्रेक स्टाफ, रोगी, उनके परिजन, वरिष्ठ नागरिक एवं एक्ट्रेक के नज़दीक रहने वाले लोग शामिल थे। वर्ष 2021 में कुल 52456 कोविड वेक्सीन दिए गए।

कैंसर शोध केन्द्र में कुल 132 बिस्तर थे जिनमें 13 आईसीयू, 6 अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण एवं 16 डे-केयर बिस्तर थे। 2000 से अधिक नए कैंसर रोगियों का पंजीकरण हुआ तथा 15000 से अधिक मामले टीएमएच से एक्ट्रेक में सदर्भित किए गए। एक्ट्रेक वैज्ञानिकों एवं चिकित्सकों द्वारा कैंसर रोगियों के उपचार के अतिरिक्त कई मूलभूत, अनुप्रयोगों, ट्रांसलेशनल एवं चिकित्सा शोध परियोजनाओं पर भी कार्य किया गया। वर्ष भर में 48 अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण कार्य किए गए।

कैंसर शोध संस्थान (सीआरआई) के वैज्ञानिकों द्वारा मुलभूत एवं अनुप्रयोगी शोध क्षेत्रों में कई शोध परियोजनाओं पर कार्य किया गया। वर्ष 2021 में कैंसर शोध संस्थान के वैज्ञानिकों एवं विद्यार्थियों ने कई प्रशंसनीय कार्य किए।

प्रोटोन बीम थेरेपी सुविधा की स्थापना वर्ष 2022 के तीसरे तिमाही में हो जाने की संभावना है। इस सुविधा में 3 रोगी उपचार कक्ष 360° रोटेशन जेन्ट्री के साथ और साथ ही पेन्सिल बीम स्केनिंग तकनीक (पीबीएस) सुविधा है जिसके द्वारा 230 एमईबी साइक्लोट्रोन का उपयोग करके इन्टेसिटी मोडुलेटेड प्रोटोन बीम थेरेपी (आईएमपीटी) प्रदान की जा सकेगी। भारत सरकार के स्वदेशीकरण अभियान को ध्यान में रखते हुए इस सुविधा के 20% उपकरण भारत में ही तैयार किए गए हैं।

एक्ट्रेक में इस सुविधा से भुगतान कर पाने वाले एवं न कर पाने वाले दोनों ही तरह के रोगियों (40:60) को फायदा होगा एवं वार्षिक 800 रोगियों का उपचार किया जा सकेगा।

हीमेटोलिम्फोइड महिला एवं बाल कैंसर (एचडब्ल्यूसीसी) विंग का 95% निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

टीएमसी, आरएमसी, आरपीएडी एवं बीएआरसी का संयुक्त उपक्रम रेडियोलोजिकल रिसर्च यूनिट (आरआरयू) जो कि कैंसर जांच एवं उपचार हेतु आधुनिक एवं सस्ते स्त्रोत निर्माण हेतु है, उसका संरचनात्मक कार्य मार्च 2023 तक पूर्ण होने की संभावना है।

रोगी छात्रावास `आशा निवास' एक तेरह मंजिला इमारत है जिसमें 268 कमरे हैं जिन्हें इंफोसिस फाउंडेशन द्वारा उदारता से दान किया गया और अक्टूबर 2021 में उद्घाटन किया गया।

टाटा ट्रस्ट द्वारा दान किये गए मेडीकल गैस मेनीफोल्ड कक्ष (ऑक्सीजन प्लांट) का 19 नवंबर 2021 को उद्घाटन किया गया।

एक्ट्रेक की जांच प्रयोगशालाओं को 19 मई 2022 तक के लिए मान्यता प्राप्त हो चुकी है। एक्ट्रेक द्वारा दन्त शल्य, फ्लो साइटोमेट्री, आणविक हीमेटोलोजी, कैंसर साइटोजेनेटिक्स, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलोजी, एवं इम्यूनोजेनेटिक्स प्रयोगशाला एवं ट्रांसफ्यूजन औषधि में नए उन्नत जांच कार्यों का समावेश किया गया।

चिकित्सकों द्वारा इस वर्ष दो महत्वपूर्ण अध्ययन कार्य किए गए, जिनके कारण प्रोस्टेट एवं यूटेरिन सर्वाइकल कैंसर में रेडियोथेरेपी की भूमिका को सही तरीके से समझा जा सका।

कैंसर एपिडेमियोलोजी केन्द्र (सीसीई) :

कैंसर एपिडेमियोलोजी केन्द्र का ध्यान सामुदायिक स्तर पर शोध कार्यों में रहा जिसमें कैंसर बचाव/पूर्व पहचान के जांच कार्यों में भार का पता लगाना, जीवन पद्धति एवं जोखिम घटकों की भूमिका इत्यादि कार्य शामिल रहे। केन्द्र ने एपिडेमियोलोजी में पीएचडी कार्यक्रम एवं जन-स्वास्थ्य एवं एपिडेमियोलोजी में एम.एस्सी. के कार्यक्रम शुरू किए। सीसीई ने कई अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय (आईआईटी, आईआईपीएस) संगठनों के साथ साझा कार्य किए। केन्द्र की वर्ष 2021 की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में, स्तन कैंसर से मृत्यु दर कम करने में नैदानिक स्तन जांच की प्रभावशीलता का प्रदर्शन, आणविक महामारी-विज्ञान अनुसंधान के लिए मंच की स्थापना, जीवनशैली एवं पित्ताशय कैंसर के अनुवांशिक जोखिम कारकों की पहचान और उत्तर भारत में विभिन्न स्थानों पर और परमाणु ऊर्जा केन्द्रों की साइट पर कैंसर रजिस्ट्री की स्थापना करना इत्यादी शामिल है।

पंजाब

स्थानीय, पंजाब के अन्यत्र स्थानों एवं पड़ौसी राज्यों हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू एवं कश्मीर के कैंसर रोगियों हेतु होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच) संगरूर एक संदर्भ केन्द्र था।

इस अस्पताल में 80 कैंसर रोगियों को कोविड-19 संक्रमण से ठीक किया गया। स्टाफ का कोई सदस्य कोविड-19 से संक्रमित नहीं हुआ। यह जानना महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2021 में जितने भी पंजीकरण हुए वे सब आनलाइन माध्यम से हुए, कुल 5136 पंजीकरणों में 5026 सामान्य एवं 110 निजी पंजीकरण थे। इनमें से 80 से अधिक ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाय) एवं

स्थानीय मुख्यमंत्री पंजाब कैंसर राहत कोष (एमएमपीसीआरके) योजनाओं का लाभ उठाया। एचबीसीएच संगरूर को पीएम-जेएवाई योजना के अन्तर्गत आयुष्मान भारत सर्बत सेहत बीमा योजना (एबी-एसएसबीवाई) में गुणवत्ता प्रमाणीकरण मानकों की अनुपालना हेतु 26 जनवरी को पंजाब सरकार ने सम्मानित किया ।

अप्रैल 2021 से इंटरवेंशनल रेडियोलोजी सेवाओं को नई डिजिटल सबट्रेक्शन ऐजियोग्राफी (डीएसए), रेडियो-फ्रीक्वेंसी एबलेशन (आरएफए) और एक कम्प्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैनर के साथ शुरू किया गया। इंटरवेंशनल रेडियोलोजी ब्लाक का उद्घाटन श्री विजय इन्दर सिंगला, पीडब्ल्यूडी एवं शिक्षा मंत्री, पंजाब सरकार द्वारा श्री आर ए बड़वे, निदेशक टीएमसी की उपस्थिति में 21 अगस्त 2021 को किया गया। इसी समय पर इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राफी सुविधाओं की शुरूआत की गई। इस वर्ष जांच कार्यों में 40% की वृद्धि देखी गई। शल्य कार्य 20% अधिक हुए एवं कीमोथेरेपी में डे-केयर रोगियों की संख्या में 30% की बढ़ोतरी हुई।

संगरूर एवं मनासा जिलों में जनसंख्या आधारित कैंसर पंजीकरण (पीबीसीआर) वर्ष 2013 से पंजाब सरकार, टीएमसी एवं पीजीआईएमआर चण्डीगढ़ का संयुक्त उपक्रम रहा। संगरूर एवं मनासा में अभी तक क्रमशः 17,28,908 एवं 8,03,322 लोगों की जांच की जा चुकी है। इस पीबीसीआर कार्य हेतु वित्तीय सहायता परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार ने प्रदान की।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र (एचबीसीएचआरसी), मुल्लनपुर की स्थापना का कार्य मार्च 2022 तक पूर्ण होने की संभावना है। निदेशक डॉ. राकेश कपूर की जनवरी 2022 में सेवानिवृत्ति को देखते हुए डॉ. आशीष गुलिया आर्थोपेडिक सर्जन, टीएमएच को दिसंबर 2021 से उप निदेशक के रूप में नियुक्त गया है।

एचबीसीएच, संगरूर में संस्थानिक उपचार समिति का गठन 22 मार्च 2021 को किया गया।

उत्तर प्रदेश

वाराणसी शहर के दो कैंसर अस्पतालों में, होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीच) जो कि 2018 के मध्य से चालू है एवं महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केन्द्र (एपीएमएमसीसी) जो 19 फरवरी 2019 में शुरू हुआ, शामिल है। ये दोनों कैंसर अस्पताल कैंसर से संदर्भित मामलों जो कि वाराणसी क्षेत्र एवं मध्य, दक्षिण एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य एवं पूर्वी मध्य प्रदेश एवं बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ एवं पश्चिम बंगाल से होते है, उनके लिए मुख्य सुविधा केन्द्र रहे।

कोविड-19 महामारी के दौर में अप्रैल से जुलाई 2021 के बीच एचबीसीएच, वाराणसी को सिर्फ कोविड मामलों को देखने हेतु प्राधिकृत किया गया। एचबीसीएच में वाराणसी शहर के 300 से अधिक कोविड संक्रमित रोगियों की भर्ती एवं उपचार किया गया। इस दौरान एचबीसीएच के कैंसर रोगियों को एमपीएमएमसीसी में उपचार प्रदान किया गया जो कि पूर्वांचल क्षेत्र हेतु पूर्ण कालिक कैंसर सेवा केन्द्र रहा।

कोविड जांच हेतु 7500 जांच कार्य किए गए। यहां पर 669 कैंसर रोगी कोविड संक्रमित पाए गए जिनमें से 151 की मृत्यु हो गई। स्टाफ सदस्यों में 450 से अधिक को कोविड संक्रमण पाया गया और वे सभी ठीक हो गए।

भारत के सभी टीएमसी केन्द्रों में, वाराणसी के इन दो कैंसर केन्द्रों पर अधिकांश रोगियों ने (6500 से अधिक) आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आयोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के अंतर्गत सरकारी सहायता प्राप्त की ।

वर्ष 2021 में शुरू की गई नई चिकित्सा सेवाओं में एसपीईसीटी-सीटी, 2डी इको-कार्डियोग्राफी, आणविक पैथोलोजी एवं वाक-चिकित्सा शामिल रहे।

राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद ने एचबीसीएच का निरीक्षण किया जो कि 2021 में एमडी (विकिरण ऑन्कोलॉजी) एवं एमसीएच (शल्य ऑन्कोलॉजी) हेतु था और शैक्षणिक सत्र 2021-2022 से उपरोक्त दो पाठ्यक्रम शुरू करने हेतु आशयपत्र एवं अनुमति पत्र प्रदान की। भारतीय सुश्रुषा परिषद ने ऑन्कोलॉजी नर्सिंग हेतु पोस्ट बेसिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुज्ञा प्रदान की। वर्ष 2021 में सीबीएडी एवं स्टोमा केयर में नर्सिंग लघु अवधि पाठ्यक्रम की शुरूआत की गई। दन्त एवं प्रोस्टेथिक शल्य, फिजियोथेरेपी, प्रगत सीटी/एमआरआई तकनीक में लघु अवधि के पाठ्यक्रम शुरू किये गए जो वर्तमान में हीमेटोपेथोलोजी, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, माइक्रो बायोलोजी एवं ओटी, आईसीयू तकनीक में जारी पाठ्यक्रमों के साथ शामिल हुए।

अक्तूबर 2021 में डॉ. आर.ए. बड़वे, निदेशक,टीएमसी ने एमपीएमएमसीसी में चिकित्सा शोध सचिवालय (सीआरएस) का उद्घाटन किया। मार्च 2021 में आनलाइन प्रस्तुतीकरण, विवेचन एवं शोध परियोजनाओं पर नज़र रखने के उद्देश्य से एमपीएमएमसीसी एवं एचबीसीएच में संस्थानिक आचार समिति ने आनलाइन आईईसी पोर्टल की स्थापना की।

यहां पर स्वास्थ्य राज्यमंत्री श्री अश्विनीकुमार चौबे ने दौरा किया।

एमपीएमएमसीसी परिसर में डॉक्टर, नर्सेस हेतु आवास एवं रोगियों हेतु धर्मशाला का निर्माण कार्य 2022 के मध्य तक पूर्ण होने की संभावना है।

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) भारत में मुख्य कैंसर केन्द्रों, शोध संस्थानों, रोगी समूह एवं धर्मार्थ संस्थानों का एक समूह रहा है जिसका उद्देश्य रोगी सेवा के समान मानकों की स्थापना करना ताकि बचाव, जांच एवं उपचार सभी कैंसर केन्द्रों पर समान रूप से किए जा सके। साथ ही, विशेष प्रशिक्षण एवं शिक्षा ऑन्कोलॉजी विषयों पर एवं कैंसर में मूलभूत, ट्रांसलेशनल एवं चिकित्सकीय शोध को बढ़ावा देना भी इसके उद्देश्य रहे। एमसीजी के कुल सदस्यों की संख्या 250 से अधिक रही एवं उन्होंने भारत के 70% कैंसर मामलों में उपचार किया।

भारत में किफायती कैंसर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक नए राष्ट्रीय कैंसर शोध की शुरूआत की गई ताकि साझा रूप से बहुकेन्द्री शोध अध्ययन किए जा सके।

एनसीजी ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना (एबीपीएमजेएवाई) के साथ साझा रूप से कार्य किया, जिसके तहत साक्ष्य-आधारित कैंसर सेवा एवं योजना के अन्तर्गत युक्तिसंगत दर पैकेज उपलब्ध किये जा सके।

शैक्षणिकी

कोविड महामारी के कारण अधिकांश शैक्षिक एवं शोध बैठकें एवं सम्मेलन आनलाइन आयोजित किए गए।

वर्ष 2021 में 221 विद्यार्थियों ने अपनी स्नातकोत्तर पढ़ाई एवं सुपर स्पेशलाइजेशन कार्य पूर्ण किए।

एचबीएनआई स्नातक समारोह, वार्षिक 'ऑन्कोलॉजी पर ग्रीष्म विद्यालय' जो कि किंग कॉलेज, लन्दन एवं टीमसी के बीच होता है तथा तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय पीर रिव्यू इत्यादि कार्यक्रम कोविड महामारी की अनिश्चितता के कारण स्थगित किए गए।

एचबीएनआई द्वारा वर्ष 2021 में आयोजित डीएम ओंकोपेथोलोजी पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा तीन भारतीय विद्यार्थियों ने दी एवं वे सफल हुए। वर्ष 2020 में इसी तरह की परीक्षा इंटरवेंशनल रेडियोलोजी में आयोजित की गई थी।

वर्ष 2021 में केवल 130 सम्मेलन आयोजित हुए, जिनमें व्यक्तिगत उपस्थिति रही। कई अन्य आभासी रूप से या हाइब्रिड रूप से आयोजित किए गए। टीएमसी द्वारा 26 फरवरी से 7 मार्च तक 6 दिन के लिए 15वा साक्ष्य-आधारित चिकित्सा (ईबीएम) सम्मेलन आयोजित किया गया। इसका विषय था- प्रौद्योगिकी एवं कैंसर केयर बहादुर नई दुनिया का वादा एवं वास्तविकता।

तीन सम्मेलन-पूर्व कार्यशालाएं रहीं रेडियोलोजी, एमजीएस डाटा विश्लेषण एवं लाइव आणविक ट्यूमर बोर्ड तथा माइक्रोस्कोपी के आगे पैथोलोजी इन्फोर्मेटिक्स।

छह मुख्य सम्मेलनों के विषय द्र्र शल्य ऑन्कोलॉजी, प्रेसिजन ऑन्कोलॉजी, विकिरण ऑन्कोलॉजी, नाभिकिय औषधि में थेरानोस्टिक्स रेडियोलोजी एवं पेथोलोजी।

'अस्पताल दिवस अवसर पर भाषण' डा. डेविड जैफरी (उपाध्यक्ष एवं मुख्य तकनीकी एवं डिजिटल ऑफीसर, रेडिएशन फिजिक्स एवं इमेजिंग फिजिक्स के प्रोफेसर, टेक्सास विश्वविद्यालय एमडी एन्डरसन कैंसर केन्द्र, यूएसए) द्वारा 'कैंसर एवं तकनीक- कमियां दूर करने से लेकर मूल्यों से जुड़ने तक' विषय पर दिया गया।

इस सम्मेलन के दौरान 6 ई-पुस्तकें एवं एक ई-लीफ्लेट प्रकाशित किए गए।

भारत एवं विदेशों से 230 चिकित्सा पर्यवेक्षकों ने टीएमसी के अन्तर्गत कैंसर केन्द्रों का दौरा किया।

अनुसंधान

एचबीसीएच, संगरूर में मार्च 2021 में टाटा मेमोरियल केन्द्र की छठी संस्थानिक आचार समिति की शुरूआत हुई। यहां पर 300 से अधिक नई शोध परियोजनाएं एवं 1000 वैज्ञानिक प्रकाशन थे। सात पाठ्यपुस्तके प्रकाशित की गई एवं 80 पुस्तकों के अध्याय लेखन का कार्य किया गया।

एक्ट्रेक में अधिकांश प्रयोगशाला, जीव-जन्तु एवं चिकित्सा प्रयोग किए गए। डीएई द्वारा उपलब्ध वित्तीय सहायता में से टीएमसी ने 50% से अधिक शोध परियोजनाओं का वित्त-पोषण किया।

वित्त

डीएई द्वारा प्राप्त अनुदान में पूंजीगत बज़ट (2021-22) 486 करोड़ रूपये था एवं आवर्ती बज़ट (सेलेरी) 520.27 करोड़ रूपये था।

पूंजीगत मदों के लिए वर्ष 2022-23 का बज़ट 707 करोड़ रूपये था एवं आवर्ती (सेलेरी) का बज़ट 563.74 करोड़ रूपए था।

पुरस्कार

- डॉ. आर ए बड़वे, निदेशक, टीएमसी को भारतीय चिकित्सा संगठन द्वारा 17 जनवरी को 'पुणे भूषण' पुरस्कार प्रदान किया गया।

- निदेशक टीएमसी डॉ. आर ए बड़वे को 'नेल्सन मंडेला शांति नोबल पुरस्कार 2021' 30 अक्तूबर 2021 को प्रदान किया गया। उन्हें मानवीय सेवाओं हेतु मानद डॉक्टर ऑफ फिलोसोपी उपाधि भी प्रदान की गई ।

- डॉ. रोहन खाडीलकर को डीबीटी इंडिया द्वारा रामलिंग स्वामी पुन:प्रवेश फेलोशिप प्रदान की गई और हर गोविंद खुराना युवा बायोटेक्नोलोजिस्ट पुरस्कार प्रदान किया गया।

- एक्ट्रेक के एक विद्यार्थी सुश्री तरंग गौर का चयन न्यूटन भामा पीएचडी प्लेसमेंट कार्यक्रम 2019 के लिये हुआ जो कि बायोटेक्नोलोजिस विभाग, भारत सरकार एवं ब्रिटिश काउन्सिल यूके द्वारा दिया जाता है ।

- टाटा मेमोरियल अस्पताल एवं डॉ. अभिषेक महाजन को ई-हेल्थकेयर एवं एलाइट टेक्नोमीडिया लि. द्वारा रेडियोलोजी एवं छायांकन उत्कृष्टता पुरस्कार 2021 प्रदान किया गया।

नए अवसर

- उच्च जोखिम एवं अति उच्च जोखिम प्रोस्टेट-केवल कैंसर में प्रोस्टेट बनाम समग्र पेलविस रेडिएशन थेरेपी (पीओपी-आरटी) डॉ. देवांग मूर्ति द्वारा फेस- ।।। रेन्डमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण का नतीजा।

- एडजुवेंट पारंपरिक रेडिएशन के लेट प्रभाव बनाम सर्वाइकल कैंसर हेतु छाया- निर्देशित इन्टेंसिटी मोडुलेटेड रेडियोथेरेपी (पीएआरसीईआर) : डॉ. सुप्रिया चोपड़ा द्वारा एक रेन्डमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।

- प्रथम 20 वर्ष की चिकित्सा का अध्ययन, एक पूर्ण अध्ययन- जो बताता है कि स्तन कैंसर हेतु स्तन चिकित्सा जांच एक बेहतर जांच कार्य है इसका प्रकाशन बीएनजे में हुआ। डॉ. इन्द्रनील मित्रा, मुंबई द्वारा 'स्तन कैंसर घटनाओं में स्तन की चिकित्सा जांच के प्रमाण' एवं 20 वर्ष प्रश्चात की मृत्यूदरः भावी संगठित रेन्डमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण'।

- जनवरी 2021 में डॉ. निखिल पाटकर द्वारा भारत में पहली बार तीन कोविड रोगियों में स्ट्रेन एस-ई 484के को पृथक किया गया।

- फेन्टम पर प्रोटोन बीम थेरेपी परीक्षण शुरू किया। जल्द ही इस सुविधा का उपयोग कैंसर रोगियों हेतु किया जाएगा।

मान्यता

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध संस्थान (सीरो) मान्यता योजना-1988 के तहत टीएमसी को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक संस्थान (सीरो) के रूप में मान्यता प्रदान की गई। (27.09.2021 से 31.03.2024 तक)

- टाइम्स ऑफ इंडिया प्रमाणन के अनुसार टीएमसी कोविड 19 के दौर में चौथा सबसे अधिक प्रकाशन करने वाला संस्थान बना ।

- एमबीसीएच,संगरूर को पीएम-जेएवाई योजना में आयुष्मान भारत सर्बत सेहत बीमा योजना (एबीएमएसबीवाई) में गुणवत्ता प्रमाणीकरण मानकों की अनुपालना हेतु पंजाब के राज्यपाल ने प्रशंसा पत्र दिया।

- बीबीसीआई, गुवाहाटी को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए माननीय मुख्यमंत्री आसाम डॉ. हेमंत बिस्वा शर्मा ने गुवाहाटी में स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किया।

- डॉ. बी. बरूआ कैंसर संस्थान को विश्व स्वास्थ्य संगठन क्षेत्रीय निदेशक विशेष पुरस्कार तंबाकू नियंत्रण हेतु 31 मई 2021 को दिया गया।

- 4 फरवरी 2021 को विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय डाक विभाग ने विशिष्ट कवर जारी किया। यह विशिष्ट कवर मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल महाराष्ट्र एवं गोवा क्षेत्र वृत्त श्री एच सी अग्रवाल एवं पोस्ट मास्टर जनरल इंडिया पोस्ट मुंबई क्षेत्र सुश्री स्वाति पांडेय द्वारा टीएमसी निदेशक डॉ. आर ए बड़वे की उपस्थिति में जारी किया गया।

- स्टेनफोर्ड साइंटिफिक जरनल- पीएलओ वन के अनुसार डॉ. पंकज चतुर्वेदी विश्व के शीर्ष 2 वैज्ञानिकों में शामिल हैं।

- श्री राजेन्द्र ए पाटिल (उप प्रशासनिक अधिकारी, टीएमएच एवं उनके परिवार को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए श्रीमती हेमामालिनी एवं मुंबई सब-अर्बन कलेक्टर श्रीमती निधी चौधरी द्वारा दीवाली स्नेह सम्मेलन में परमार्थ रत्न पुरस्कार 2021 प्रदान किया गया।

भावी योजनाए

- पंजाब गुवाहाटी एवं मुंबई में कोविड के कारण लंबित परियोजनाओं को पूर्ण करना।

- महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के खोपोली में बचाव ऑन्कोलॉजी सेवाओं की शुरूआत।

- महाराष्ट्र, बिहार एवं पश्चिम बंगाल में ऑन्कोलॉजी सेवाओं का सुदृढ़ बनाने हेतु वहां की सरकारों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर करना।

- एक्ट्रेक में मल्टी-आयन चिकित्सा त्वरक एवं स्वदेशी मेडीक्लिनल प्लांट शोध सुविधा की स्थापना।

- भारत से संबंधित साझा कैंसर अध्ययनों हेतु राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड द्वारा पहल करना।

विशिष्टता

कैंसर केन्द्र/ अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	वैज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
कोविड 19 डाटा							
कोविड–19 हेतु किए गए जांच कार्य	31,176	6801	392	-	7783	19,087	65,239
कोविड–19 में पोजीटिव मामलें	2379	515	88	-	1141	817	4940
कैंसर रोगी कोविड संक्रमित संख्या	1926	274	34	82	669	494	3479
स्टाफ जो कोविड संक्रमित हुए	1470	241	49	-	472	323	2555
कैंसर डाटा							
सुदूर परामर्श	3319	**डीएनए**	**एसएनए**	**एसएनए**	874	301	4494
रोगी पंजीकरण							
चार्ट फाइल (1)	37,698	2344	5631	5136	17,893	12,331	81,033
जांच/ सहयोगी सेवाओं हेतु संदर्भित (2)	15,675	3892	0	1143	417	180	21,307
बचाव ऑन्कोलॉजी (3)	7171	0	0	113	725	563	8572
पंजीकृत रोगी (1+2+3)	**60,544**	**6236**	**5631**	**6392**	**19,035**	**13,074**	**1,10,912**
भरती रोगी सेवाएं							
बिस्तर संख्या	639	132	136	50	337	278	1572
भर्ती संख्या	26,670	6249	3274	3717	12,707	7030	59,647
औसत भरती अवधि (दिन)	5.57	5.15	7.4	3.56	7.5	13	7.03
आवास (औसत)	79.26	83.74	61	78.1	77.5	54.45	72.34

कैंसर केन्द्र/ अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	वैज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
शल्य ऑन्कोलॉजी							
बृहत आपरेशन	8599	2593	799	1167	3906	1968	19,032
लघु आपरेशन	21,238	1058	950	929	7677	1426	33,278
कुल शल्य क्रियाएं	**29,837**	**3651**	**1749**	**2096**	**11,583**	**3394**	**52,310**
मेडीकल ऑन्कोलॉजी							
डे केयर : सामान्य रोगी	1,20,540	19,230	2786	14,796	48,911	20,006	2,26,269
डे केयर : निज़ी रोगी	29,407	3068	534	654	12,530	3419	49,612
कुल डे-केयर रोगी	**1,49,947**	**22,298**	**3320**	**15,450**	**61,441**	**23,425**	**2,75,881**
विकिरण ऑन्कोलॉजी							
बाह्य बीम थेरेपी (रोगी)	6711	1161	1161	1444	3050	3023	16,550
ब्रेकीथेरेपी (अनुप्रयोग)	2308	86	161	205	474	-	3234
उपचार योजना/ बीम परिवर्तन	18,930	1137	0	1458	4089	838	26,452
छायांकन सेवाएं							
पारंपरिक रेडियोग्राफी	56,117	3619	1913	2047	12,831	9994	86,521
अल्ट्रासाउन्ड/ कलर डाप्लर	44,809	2625	3235	2632	7062	5276	65,639
मेमोग्राफी	13,094	1988	1836	1611	2286	645	21,460
सीटी-स्कैन (पांच हेतु)	64,423	7439	3592	6814	16,540	17,275	1,16,083
एमआरआई स्कैन	19,134	2897	662	1613	4447	05	28,758
इन्टरवेंशनल रेडियोलोजी	5171	863	एसएनए	2140	एसएनए	एसएनए	8589
नाभिकीय औषधि							
जीईटी-सीटी स्कैन	18,066	2782	0	एसएनए	4717	0	25,565
एसपीईसीटी-सीटी स्कैन	6368	एसएनए	0		0	1196	7564

कैंसर केन्द्र/ अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	वैज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
सामान्य औषधि							
इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी)	36,484	3933	0	0	10,565	6047	59,570
इको-कार्डियोग्राफी	9849	2438	एसएनए	एसएनए	0	एसएनए	12,287
पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट	2510	एसएनए			एसएनए		2510
प्रयोगशाला जाँच							
पेथोलोजी : हिस्टोपेथोलोजी+आईएचसा+ फ्रोजन सेक्शन	1,21,213	16,696	8313	10,115	27,462	9456	1,93,255
आणविक पेथोलोजी	40,28,140	67,295	22,819	1,82,239	1,46,934	6,22,888	5,07,0315
सासाइटोपेथोलोजी	16,308	एसएनए	1846	2450	3693	2467	26,764
मोलेकुलर पेथोलोजी	7964	एसएनए	131	एसएनए	57	9098	17,250
माइक्रोबायोलोजी	2,08,375	18,613	10,477	15,839	32,503	41,531	3,27,338
बेबेक्टीरियोलोजी	42,869	8554	0	डीएनए	10,726	2222	64,371
माइक्रोबेक्टीरियोलोजी	5458	93	0		288	29	5868
माइकोलोजी	3516	184	0		113	0	3813
सेरोलोजी	1,25,350	7191	0		10,332	13,327	1,72,039
चिकित्सा माइक्रोबायोलोजी	12,282	2591	0		3291	140	18,304
हीमेटोपेथोलोजी	4,36,161	61,046	22,780	42,609	1,41,810	2,49,675	5,17,920
साइटोजेनेटिक्स	एसएनए	7352	एसएनए	एसएनए	974	0	8326
ट्रांसफ्यूजन औषधि							
विशिष्ट प्रक्रियाऐं	32,895	5235	0	0	07	0	38,137
रक्त इकाई संग्रहण	16,944	3446	0	0	8182	7309	35,881
प्लेटलेट फेरेसिस	4369	1160	0	0	2110	0	7639
शिक्षा							
स्नातकोत्तर विद्यार्थी-प्रवेश	83	21	0	0	0	6	110
पीएचडी अवार्ड/ पीजी	189	14	0	0	0	18	221

कैंसर केन्द्र/ अस्पताल	टीएमएच	एक्ट्रेक	वैज़ाग	संगरूर	वाराणसी	बीबीसीआई	कुल
शोध प्रोफाइल							
नई परियोजनाएं (इन्ट्रामूरल एक्स्ट्रामूरल)	217	27	0	0	47	39	330
प्रख्यात जरनल में पेपर	659	285	0	10	32	46	1032
सम्मेलन/ कार्यशाला/ सेमिनार							
व्यक्तिगत उपस्थिति के साथ हाइब्रिड	32	46	61	-	-	-	139
दी गई औषधियों का खर्च (भारतीय लाख रूपए)							
राशि	24,993	3787	631.16	1532	7733.24	2003	40,679.4

***मुल्लनपुर एवं मुजफ्फरपुर में कैंसर अस्पताल पूर्ण स्थापित नहीं हुए है। कैंसर एपिडेमियोलोजी केन्द्र उपचार केन्द्र नहीं है।**

डी एन ए - डाटा उपलब्ध नहीं
एन ए - लागू नहीं
एस एन ए - सेवा उपलब्ध नहीं

सीटी कम्प्यूटेड टोमेग्राफी, **आईसीयू** इन्टेसिव केयर यूनिट,
आईएचसी इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री**, एमआरआई** मेग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग,
पीईटी पोज़ीट्रोन एनिशन टोमोग्राफी, **एसपीईसीटी** सिंगल फोटोन एमिशन कम्प्यूटेड टोमोग्राफी,

एसीटीआरईसी : कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केंद्र,खारघर, नवी मुंबई
बीबीसीआई : डॉ. बी बरुआ कैंसर संस्थान, गुवाहाटी
संगरूर : होमी भाभा कैंसर हॉस्पीटल
टीएमएच : टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई
वाराणसी : दोनों अस्पताल 'होमी भाभा कैंसर अस्पताल और महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेंटर
वैज़ाग : होमी भाभा कैंसर अस्पताल एन्ड रिसर्च सेन्टर, विशाखापट्टनम

वैज्ञानिक पद्धति

- नैदानिक अनुसंधान सचिवालय और डीएई–सीटीसी
- अनुसंधान प्रशासनिक परिषद (टीआरएसी)

चिकित्सा शोध सचिवालय एवं
परमाणु ऊर्जा विभाग–चिकित्सा परीक्षण केन्द्र

चिकित्सा शोध सचिवालय (सीआरएस) ने परमाणु ऊर्जा विभाग-चिकित्सा प्रयास केन्द्र (डीएई-सीटीसी) के साथ मिलकर टाटा मेमोरियल केन्द्र ने अपनी स्थापना वर्ष 1997 से ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में शोध कार्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीआरएस के कार्यादेशों में चिकित्सा शोध को बढ़ावा देना, शोधार्थियों को प्रशिक्षण एवं शिक्षा, चिकित्सा प्रयासों में वैज्ञानिक एवं आचारिक व्यवहार को सुनिश्चित करना एवं देश भर में साक्ष्य आधारित चिकित्सा को बढ़ावा देने के कार्य शामिल है। वर्ष 2021 में उपरोक्त सभी क्षेत्रों में निम्नलिखित कार्य दिए गए।

चिकित्सा शोध को बढ़ावा

1. मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि :

- एक समर्पित केन्द्रीय बायोस्टेटिस्टिक्स इकाई की स्थापना की गई जिसमें 2 घरेलू सांख्यिकी के साथ उन्हें वरिष्ठ बायोसांख्यिकी का सहयोग प्राप्त था जो कि एक्ट्रेक एवं सीसीई में थे।

- केन्द्रीय शोध फार्मेसी: यह प्रवेश नियंत्रित सुविधा थी जहां प्रायोगिक औषधियों को वांछित तापमान पर शिड्यूल-वाई के अनुपालन हेतु रखा जाता था (अन्वेषक उत्पादक प्रबन्धनों), आईसीएच-जीसीपी (ई6)। इसके अतिरिक्त, तापमान विचलन पता करने हेतु स्वचालित अलार्म सहित एक चलित-कूलर स्थापित किया गया। एक समर्पित शोध फार्मासिस्ट को नियुक्त किया गया।

- भंडार क्षेत्र को भरना: यहां पर दो फाइलिंग भंडार क्षेत्र थे जहां सभी चिकित्सा प्रयासों के रेकार्ड आईसीएच-जीसीपी की अनुपालना हेतु रखे गए। यहां पर प्रवेश की अनुमति केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही थी।

- मापन कक्ष : सीआरएस में अब 2 समर्पित सुसज्जित मापन कक्ष हैं। मुख्य भवन में स्थित सीआरएस मापन कक्ष के अतिरिक्त होमी भाभा ब्लाक (एचबीबी) द्वितीय तल पर एक अतिरिक्त मापन कक्ष उपलब्ध कराया गया है। इसके द्वारा प्रायोजकों एवं चिकित्सा प्रयासों के अन्वेषणकर्ताओं को संवाद करने में एवं मापन करने में सुविधा प्राप्त हुई।

- सहमति कक्ष: सीआरएस में रोगी के साथ आडियो-वीडियो सहमति हेतु एक समर्पित सहमति कक्ष था।

- सीआरएस हब: यहां एक चिकित्सा प्रयास समन्वय हब था जहां सीआरएस, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड एवं बीआईआरएसी स्टाफ को जगह एवं मूलभूत सुविधाएं प्रदान की गई।

2. चिकित्सा प्रयासों हेतु सांख्यिकीय सहयोग:

सीआरएस में सांख्यिकीय ने प्रयास की संरचना, नमूने का आकार, गणना रेन्डमाइजेशन लिस्ट निर्माण एवं डाटा विश्लेषण हेतु सहयोग प्रदान किया। सीआरएस ने सभी अन्वेषणकर्ताओं को उनके निवेदन पर सांख्यिकीय विश्लेषण साफ्टवेयर भी उपलब्ध करवाएं (एसपीएसएस वर्जन 25.0+)

वर्ष 2021 में 633 चिकित्सा प्रयास/ परियोजनाओं को सांख्यिकीय सहयोग प्रदान किया।

अन्वेषण-**234**

रेन्डमाइजेशन लिस्ट निर्माण-**17**

नमूना आकार/ सांख्यिकीय विश्लेषण योजना/ बनावट-**106**

ईसीआरएफ निर्मित आरईडीसीएजी पर-**276**

इसके अतिरिक्त' सीआरएस ने 48 प्रयासों हेतु वर्तमान में जारी आधार पर केन्द्रीय रेन्डमाइजेशन की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान किया। घरेलू सांख्यिकीय के अतिरिक्त सीआरएस में एक्ट्रेक एवं सीसीई के वरिष्ठ बायोसांख्यिकीय की सेवाएं एवं परामर्श आनलाइन उपलब्ध करवाए ताकि सांख्यिकीय समस्याओं का निदान किया जा सके तथा शोधकर्ताओं की समस्याओं का समयोपरि समाधान हो सके। उपरोक्त सभी कार्य केन्द्रीय बायोसांख्यिकी इकाई के समन्वय एवं उनके माध्यम से हुए।

3. चिकित्सा प्रयासों में वित्तीय सहयोग:

डीएई सीटीसी के माध्यम से इन्ट्रामूरल प्रयासों (वर्तमान एवं नए) को कुल 69,93,489 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। वर्षों के प्रयासों से डीएई-सीटीसी सहयोग-प्राप्त अध्ययनों का परिणाम महत्वपूर्ण प्रकाशनों एवं प्रक्रिया परिवर्तन के रूप में सामने आया।

4. सूचित सहमति पत्रों (स्थानीय/वरनाकुलर भाषा) चिकित्सा प्रयासों हेतु ट्रांस्लेशनल सहयोग: (अनुवाद)

निरंतर बढ़ रहे अनुवाद कार्यों को करने में एक समर्पित अनुवादक के सहयोग के कारण सहायता मिली। अनुवादक ने विशेषज्ञ सहायता चिकित्सा शोधार्थियों को सूचित सहमति-पत्र का अनुवाद एवं उत्क्रम अनुवाद हिंदी व मराठी भाषा में प्रदान किया। कुल 78 चिकित्सा प्रयासों के सहमति पत्रों का अनुवाद हिंदी व मराठी भाषा में किया गया।

5. नेटवर्क एवं डाटाबेस प्रशासक:

सीआरएस में एक समर्पित नेटवर्क प्रशासन है जो कि डिजाइनिंग, विकास एवं जांच कार्यों हेतु जिम्मेदार है जो चिकित्सा प्रयासों के लिए किये जाते हैं:

- सी# विजुवल स्टुडियो 2017 का उपयोग करके साफ्टवेयर प्रोजेक्ट का डिज़ाइनिंग एवं लागू करने का कार्य
- अन्तिम उपयोगकर्ता की आवश्यकतानुसार डाटा बेस की डिज़ाइन, निर्माण एवं लागू करने का कार्य
- एसक्यूएल सर्वर 2012 का उपयोग करके नई तालिकाएं एवं प्रक्रिया का निर्माण करना

नए विकसित साफ्टवेयर में निम्नलिखित शामिल थे, फार्मसी, भण्डार प्रबंधन तंत्र (सीआरएस विभाग), प्रोलुटोन अध्ययन (स्तन डीएनजी), कस्मेसिस अध्ययन (स्तन डीएनजी) सम्मेलन डाटा प्रबंधन साफ्टवेयर एवं डीएनजी अनुप्रयोग

सीआरएस ने केन्द्रीयकृत चिकित्सा प्रयास डाटाबेस प्रबंधन तंत्र (सीटीएनएस) की स्थापना का कार्य भी किया।

6. सम्मेलन एवं बैठकों के लिए सहयोग:

वर्ष 2021 में कुल 8 सम्मेलनों एवं बैठकों हेतु सहयोग प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, सीआरएस ने कई अन्य बैठकों एवं घटनाओं हेतु मूलभूत एवं परामर्श सहयोग प्रदान किए और एमएनसी/ सीपीडी/ सीएनई क्रेडिट पॉईंट आवेदन एवं प्रस्तुतीकरण कार्यों हेतु भी सहयोग प्रदान किया गया।

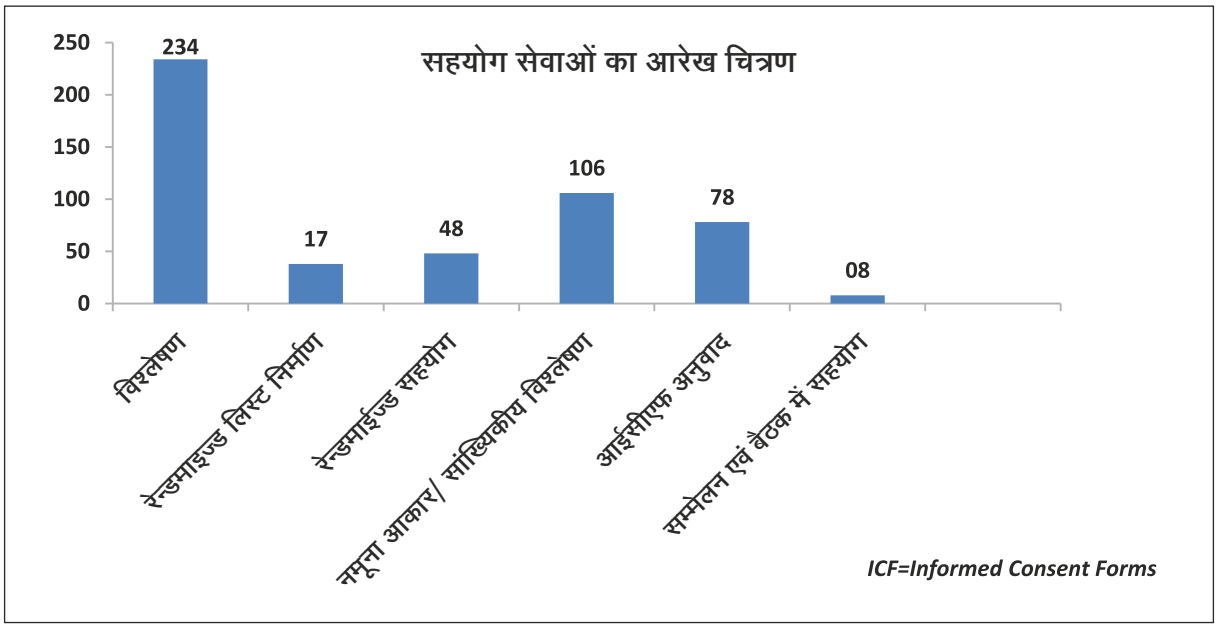

7. मानक संचालन प्रक्रिया:

सीआरएस कई प्रकार के प्रयासों का आयोजन करने में सलग्न रहा जिसमें अन्वेषणकर्ता आरएम फार्मा प्रायोजित साझा बहुकेन्द्री अध्ययन (अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय) एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के शोध लेख शामिल थे।

टीएमसी में शोध कार्यों के संचालन हेतु एक विस्तृत मानक संचालक प्रक्रिया का निर्माण किया गया। एसओपी का निर्माण टीएमसी में समान मानक, गुणवत्ता आश्वासन एवं गुणवत्ता नियंत्रण का समावेश चिकित्सकीय अध्ययन/ शोध करने हेतु किया गया।

एसओपी के मुख्य तत्व निम्न थेः प्रोटोकोल की संभावना का आकलन, प्रायोजक या सीआरओ से चिकित्सा प्रयासों पर समझौता, आईईसी के साथ संवाद, अध्ययन/शोध दलों की जिम्मेदारी, स्थल चुनाव, प्रक्रियाबद्ध करना, समापन का तरीका, विवेचना एवं सहमति-पत्र प्राप्त करना, अध्ययन विषयों का चुनाव, स्त्रोत दस्तावेजी-करण, अन्वेषणात्मक परियोजना का प्रबंधन, मुख्य दस्तावेजों को प्राप्त करना, संरक्षा सूचना, चिकित्सा शोध फार्मा प्रबंधन, जैविक नमूनों का प्रबंधन, पुनर्भरण विधि, अध्ययन दल का प्रशिक्षण एवं अध्ययन अंतरित करना तथा टीएमसी एवं एक्ट्रेक के बीच रोगियों का अंतरण इत्यादी।

एसओपी की संचना संस्थानिक दिशा-निर्देशों के अनुसार शोध कार्यों को करने की सुनिश्चितता करने हेतु की गई, साथ ही इनके द्वारा राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों एवं नियामक नियमों का पालन सुनिश्चित किया गया। (एनडीसी के नियम 2019, भारतीय पहसीपी आईसीएमआर दिशा-निर्देश, आईसीएचजीसीपी)

सभी एसओपी को वर्तमान के चिकित्सा प्रयासों एवं नियमों को संदर्भित करने हेतु वर्ष 2021 में अपडेट किया गया, साथ ही उनको वर्तमान की विधियों में समावेश किया गया। टीएमसी के शोध दलों को एसओपी पर प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्रदान की गई। यह आवश्यक था कि प्रत्येक शोध दल को शोध कार्य आरम्भ करने पूर्व टीएमसी एसओपी की पूर्ण जानकारी हो।

सीआरएस भी सांख्यिकीय सहयोग हेतु एसओपी का निर्माण कर रहा था। इसके द्वारा टीएमसी में सांख्यिकीय सेवाओं को सुचारू बनाने में मदद मिलेगी।

शोधार्थियों को प्रशिक्षण एवं शिक्षा

1. बेहतर चिकित्सा प्रक्रिया कार्यशाला का आयोजन 17 एवं 24 अप्रैल 2021 को टीएमसी स्टाफ को आईसीएच-जीसीपी में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु किया गया। प्रगत जीसीपी पाठ्यक्रम में 321 प्रतिभागी रहे एवं बेसिक जीसीपी पाठ्यक्रम में 213 प्रतिभागी रहे। यह पाठ्यक्रम वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है।

2. चिकित्सा शोध विधि कार्यशाला का आयोजन अक्तूबर 2021 के अंतिम चार शनिवार को आभासी रूप से चिकित्सा प्रयासों के डिज़ाइन एवं विश्लेषण पर प्रशिक्षण हेतु किया गया। 465 सदस्यों ने (स्थानीय तथा राष्ट्रीय) सम्मेलन में भाग लिया। यह पाठ्यक्रम भी वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है।

3. एम.एससी चिकित्सा शोधः

   सीआरएस, एम.एससी चिकित्सा शोध पर पाठ्यक्रम आयोजित करने में सक्रिय रूप से संलग्न रहा। वर्तमान में यहा 30 विद्यार्थी हैं। 20 विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में एवं 10 विद्यार्थी अपना एम.एससी पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पास करने के पश्चात विभिन्न रोग प्रबंधन समूहों में इंटर्नशिप पर थे।

4. सीआरएस ने इस कार्यक्रम हेतु निम्नलिखित सहयोग प्रदान किए

   - प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार हेतु समन्वयन
   - व्याख्यान एवं पाठ्य-सामग्री हेतु समन्वयन
   - व्याख्यान का प्रबंधन एवं परीक्षा आयोजित करना
   - व्याख्यान हेतु आगंतुक व्याख्याताओं के पारिश्रमिक का भुगतान करवाना
   - पुस्तकालय प्रबंधन एवं पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करवाना
   - सधन प्रशिक्षण हेतु विभिन्न बाहरी नियुक्तियों को बदलते रहना
   - छुट्टी एवं उपस्थिति रेकार्ड रखना

साक्ष्य आधारित प्रबंधन (ईवीएम) बैठक 2021

सीआरएस/ डीएई-सीटीसी का प्रमुख उद्देश्य ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में साक्ष्य-आधारित चिकित्सा को बढ़ावा देने का रहा। इस हेतु वर्ष 2003 से साक्ष्य-आधारित प्रबंधन बैठकों का आयोजन किया गया।

कोविड महामारी के कारण ईबीएम 2021 का आयोजन 6 दिनों के लिए आनलाइन फारमेट से किया गयाः 26-28 फरवरी एवं 5-7 मार्च 2021

विषय तकनीकी एवं कैंसर उपचार से संबंधित द्वह्व 'बहादुर नए विश्व के वादे एवं वास्तविकता'; तकनीकी क्षेत्र में ऑन्कोलॉजी के सभी जांच एवं उपचार के सभी आयाम शामिल थे। तेरहवी ईबीएम के साथ 3 समान्तर सम्मेलन-पूर्व कार्यशालाएं थी जो कि फरवरी 26 एवं मार्च 5, 2021 को हुईः-(1) रेडियोलोजी कार्यशाला (2) एनजीएस डाटा विश्लेषण एवं जीवित आणविक ट्यूमर बोर्ड कार्यशाला (3) माइक्रोस्कोपी से आगेः पेथोलोजी सूचना कार्यशाला/ मुख्य सम्मेलन में 6 ट्रेक/माड्यूल्स रहे । (अ) शल्य ऑन्कोलॉजी (ब) शुद्ध ऑन्कोलॉजी (स) विकिरण ऑन्कोलॉजी

(द) थेरानोस्टिम्स (नाभिकीय औषधि) (य) रेडियोलोजी (र) माइक्रोस्कोपी के आगे:पेथोलोजी सूचन, जो कि फरवरी 27-28 एवं मार्च 6-7, 2021 के बीच समान्तर रूप से आयोजित किए गए।

अस्पताल दिवस भाषण प्रोफेसर डेविड जाफरी (उपाध्यक्ष एवं मुख्य तकनीकी तथा डिजिटल अधिकारी, इमेजिंग फिजिक्स एवं रेडिएशन फिजिक्स के प्रोफेसर, टेक्सास विश्वविद्यालय एमडी एन्डरसन कैंसर केन्द्र यूएसए) द्वारा 'कैंसर एवं तकनीकी कमियां दूर करने से लेकर मूल्य से जुड़ने तक' पर दिया जिसको काफी प्रशंसा मिली, क्योंकि एक कठिन विषय को सभी श्रेणी के श्रोताओं हेतु आसान रूप से प्रस्तुत किया गया। प्रमुख राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संकायो द्वारा कृत्रिम बौद्धिकता एवं स्वास्थ तकनीकी आकलन पर पर दो सत्र आयोजित किए गए।

बैठक में राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय एवं स्थानीय चिकित्सा संकायों की लगभग 2000 की उपस्थिति के साथ यह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

ईबीएम के दौरान 6 ई-पुस्तकें एवं एक ई-लीफ्लेट का प्रकाशन किया गया :

1. भारत में कैंसर का साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रबंधन : शल्य ऑन्कोलॉजी (पार्ट-ए)
2. भारत में कैंसर का साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रबंधन : शुद्ध ऑन्कोलॉजी (पार्ट-बी)
3. भारत में कैंसर का साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रबंधन : विकिरण ऑन्कोलॉजी (पार्ट-सी)
4. भारत में कैंसर का साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रबंधन : थेरानोस्टिक्स (पार्ट-डी)
5. भारत में कैंसर का साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रबंधन : रेडियोलोजी (पार्ट-ई)
6. भारत में कैंसर का साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रबंधन : माइक्रोस्कोपी से आगे: पैथोलोजी सूचन (पार्ट-एफ)
7. भारत में कैंसर का साक्ष्य-आधारित चिकित्सा प्रबंधन : एनजीएस डाटा विश्लेषण एवं जीवित आणविक ट्यूमर बोर्ड (पार्ट-जी)

टीएमसी शोध प्रबंधन परिषद (टीआरएसी)

टीआरएसी की स्थापना वर्ष 2008 में हुई और इसका मुख्य उद्देश्य टीएमसी में मूलभूत, ट्रांसलेशनल एवं चिकित्सा शोध कार्यों की देखरेख करना एवं उनमें सुधार करने का था।

विशेष ध्यान निम्नलिखित क्षेत्रों पर रहा :

- मानव शोध संरक्षा कार्यक्रम की स्थापना व लागू करना
- संस्थान के कार्यादेश के अनुसार दिशानिर्देश, प्राथमिकता एवं शोध कार्यों पर ध्यान देना
- टीएमसी एवं अन्य भारतीय, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान समूह, व्यक्ति या उद्योग के साथ साझा अध्ययन हेतु सुझाव देना एवं प्रस्ताव की विवेचना करना एवं टीएमसी से प्रमुख एवं सह अन्वेषणकर्ताओं के नाम सुझाना
- टीएमसी में जारी अन्वेषणकर्ता आश्वस्त एवं प्रायोजित शोध कार्यों में अस्पताल सेवाओं, प्रयोगशाला एवं प्रशासनिक कार्यों में होने वाले आय एवं व्यय की विवेचना करना

नीतिगत निर्णय :

- वर्तमान में जारी इंटरवेंशनल एवं अन्वेषणकर्ता आसान अध्ययनों में उच्च सीमा का निर्धारण
- डाटा सुरक्षा मापन इकाई (डीएसएमयू) में वृद्धि

कार्य-कलाप :

1. अक्तूबर 2019 से टीआरएसी ने वाराणसी, संगरूर एवं विज़ाग के टीएमसी केन्द्रों पर संस्थानिक आचार समितियों की स्थापना का कार्य किया।

   (ए) महामना पंडित मदनमोहन मालवीय कैंसर केन्द्र (एमपीएमएमसीसी), वाराणसी में आईईसी ने दिसंबर 2019 से कार्य करना आरम्भ किया। सितंबर 2020 को होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केन्द्र, विशाखापट्टनम में भी आईईसी की स्थापना व इसके सक्रिय होने का समय यही रहा। 22 मार्च 2021 को होमी भाभा कैंसर अस्पताल संगरूर में आईईसी की स्थापना का कार्य किया गया। प्रत्येक सेटेलाइट केन्द्र पर वांछित जन संसाधन (आईआरबी) प्रशासक नियुक्त किए गए।

   (बी) बीबीसीआई गुवाहाटी में आईईसी 2002 से कार्यरत है। टीएमसी के सभी केन्द्रों पर समान मानक प्रचालन क्रिया (एसओपी) लागू करने के उद्देश्य से आईईसी ने एसओपी को अपनाया एवं अक्तूबर 2021 में आईईसी का पुर्नसंगठन किया।

   (सी) चिकित्सा शोध इकाई एक महत्वपूर्ण विभाग था, जिसने समग्र पर्यवेक्षण प्रदान किया एवं अन्वेषणकर्ताओं को संस्थान में शोध कार्य करने हेतु सलाह एवं दिशानिर्देश प्रदान किए। इस इकाई में प्रयास समन्वयक, डाटा प्रबंधन, सांख्यिकीय एवं प्रशासक की नियुक्ति प्रत्येक रोग विशिष्ट परियोजनाओं के प्रबंधन हेतु किए गए। वर्ष 2021 में वाराणसी, संगरूर एवं विज़ाग के केन्द्रों हेतु डीएई द्वारा वित्तीय सहायता में वृद्धि की गई। प्रत्येक केन्द्र को न्यूनतम शोध सहायक प्रदान किए गए।

2. टीआरएसी ने अन्वेषणकर्ताओं एवं आईईसी सदस्यों को प्रशिक्षित करने हेतु जूम मीटिंग के जरिये व्याख्यान आयोजित किए ।

दिनांक	विषय	संकाय/आगन्तुक
22 मार्च	संस्थानिक आचार समिति सदस्यों की भूमिका एवं जिम्मेदारी (संगरूर, आईईसी के लिए)	सुश्री रोहिणी हवलदार
29 मई	शोध कार्य प्रस्तुतिकरण, आईसी प्रस्तुति पत्र	डॉ. गिरीश चिन्नास्वामी
26 जून	शोध अध्ययन का आयोजन पीआई की भूमिका एवं जिम्मेदारियाँ	डॉ. पल्लवी परब
24 जुलाई	शोध अध्ययन की निगरानी एवं प्रतिकूल घटना का आकलन हेतु परिचय	डॉ. माया प्रसाद
23 अक्तूबर	संस्थानिक आचार समिति-सदस्यों की भूमिका एवं जिम्मेदारियां (बीबीसीआई, आईईसी हेतु)	सुश्री रोहिणी हवलदार सुश्री अभिज्ञा देसाई

महामारी के कारण व्यक्तिगत रूप से दौरे नहीं किए जा सके। आईईसी प्रशासन सुश्री उत्तरा अय्यर द्वारा मार्च 4 एवं सितम्बर 16 2021 को विज़ाग आईईसी के क्रिया- कलाप एवं दस्तावेजों की आनलाइन विवेचना की गई।

आईईसी वाराणसी 2019 उत्तरार्ध से ही कार्यरत था एवं एसओपी के अनुसार डीएसएमयू-टीएमएच समन्वयक सुश्री सपना आंबरे द्वारा नवंबर 18 2021 को आनलाइन अंकेक्षण किया गया।

3. टीआरएसी ने टीएमएच, एक्ट्रेक, वाराणसी, विज़ाग, संगरूर केन्द्रों की शोध परियोजनाओं के लिए अनुदान के आवेदनों की समीक्षा की और उन्हें आईईसी समिति के निर्णयानुसार अनुदान प्रदान किया ।

4. आईईसी-I, आईईसी-II, आईईसी-III, का आभासी रूप से आकलन करके जून 14-15, 2021 को उन्हें पुनः मान्यता प्रदान की गई। एनएबीएच ने सभी आईईसी को मान्यता प्रदान की जो कि दिसंबर 10, 2023 तक मान्य है।

5. टीएमसी में शोध की उच्च गुणवत्त बनाएं रखने हेतु, टीआरएसी समिति ने एक उप-इकाई की स्थापना डीएसएमयू में की, जो जारी परियोजनाओं की डाटा सुरक्षा निगरानी के कार्य में डीएसएमयू सदस्यों की सहायता करेगी। यह बहुत आवश्यक था, क्योंकि यहां 200 से अधिक इंटरवेंशन अध्ययन कार्य जारी है जिनमें से 50 के नमूना आकार बहुत बड़ा है (500 से अधिक)। इन शोध कार्यों से प्राप्त परिणामों के आधार पर भविष्य में रोग उपचार हेतु इनमें गुणवत्ता सुनिश्चित करना बहुत आवश्यक था।

उप इकाई में 5 स्टाफ सदस्य (चिकित्सा-1, वैज्ञानिक स्टाफ (वरिष्ठ/कनिष्ठ)4) थे जो कि निगरानी कार्य में निपुण थे। यह इकाई सचिव डीएसएमयू (टीएमएच एवं एक्ट्रेक) के अन्तर्गत कार्य करती है। आवश्यक वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया एवं दो व्यक्तियों की नियुक्ति (चिकित्सा एवं वैज्ञानिक) दिसंबर 2021 में की गई। उप-इकाई निगरानी का कार्य जनवरी 2; 22 से आरम्भ करेगी ।

6. आईईसी को प्रस्तुत अनुसंधान परियोजनाओं में कानूनी दस्तावेज जैसे समझौता ज्ञापन, समझौते शामिल थे। इन दस्तावेजों को टीमसी लीगल सेवा एवं आईईसी सदस्यों का अनुमोदन आवश्यक था। आईईसी लीगल सदस्यों ने इसके लिए मानक टेम्प्लेट का सुझाव दिया, जिसका निर्णय टीएमसी लीगल सेवा की सलाह से लिया गया। टेम्प्लेट को फाइनल करने हेतु बैठक आभासी रूप से आयोजित की गई ताकि प्रस्तुतीकरण के पश्चात अनुमोदन में होने वाली देरी से बचा जा सके। न्यायिक दस्तावेजों हेतु टेम्पलेट आईआरबी पोर्टल पर उपलब्ध है।

7. पिछले तीन वर्ष में पूर्ण होने वाले एवं जारी परियोजनाओं की लिस्ट टीएमसी वेबसाईट पर उपलब्ध कराई गई है। इसके द्वारा शोधार्थियों को समान प्रकार के शोध इसी स्थल पर करने में सहायता मिलेगी। इसके द्वारा टीएमसी के अन्य केन्द्रों पर परियोजनाओं के प्रतिलिपिकरण से भी बचा जा सकेगा ।

प्रकाशन :

संस्थानिक सहायता के रूप में लगभग 20 पीर रिव्यू जरनल में शोध अध्ययनों के प्रकाशन किए गए ।

भविष्य के उद्देश्य :

- शोध परियोजना जीवन-चक्र हेतु आईआरबी पोर्टल फेस- ।। की स्थापना
- टीमसी की तरह सभी सेटेलाइट केन्द्रों में आनलाइन प्रस्तुतीकरण हेतु आई आरबी पोर्टल को लागू करना
- शोध परियोजनाओं हेतु गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम
- संस्थानिक वित्तीय सहायता प्राप्त शोध परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी
- शोधार्थियों एवं स्टाफ हेतु आनलाइन शैक्षणिक माडल का विकास
- वैज्ञानिक एवं आचार समीक्षा प्रक्रिया में सामर्थ्य विकास
- अन्वेषणकर्ताओं एवं आईईसी सदस्यों हेतु प्रशिक्षण सत्र

शिक्षा अध्ययनशीलता

- अकादमिक निदेशक का संदेश
- शैक्षणिक
- विश्वविद्यालय उपाधियाँ

निदेशक (शैक्षणिकी), टीएमसी का संदेश

टाटा मेमोरियल केन्द्र (टीएमसी), परमाणु ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत एक अनुदान सहायता-प्राप्त संस्थान है तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक मानद विश्वविद्यालय- होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के अन्तर्गत एक अकेला स्नातकोत्तर संस्थान है। टीएमसी तीन मुख्य स्तम्भों- सेवा, शिक्षा एवं शोध पर कार्यरत है। पिछले 75 वर्षों से टीएमसी अपने विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के आधार पर पूरे देश में ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव-बल प्रदान करने का कार्य कर रहा है।

अधिकांश शैक्षणिक कार्य एचबीएनआई के अन्तर्गत किए जा रहे है एवं हमारे सभी चिकित्सा पाठ्यक्रम एनएमसी से मान्यता प्राप्त हैं। इसके अतिरिक्त, हम एचबीएनआई प्रमाणित पीजी पाठ्यक्रम एवं कुछ एक वर्षीय टीएमएच प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। हमारे यहां कुछ तकनीकी पाठ्यक्रम भी है जो कि एमएसबीटीई (महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ टेक्नीकल एज्युकेशन) से संबद्ध हैं। टीएमसी ने अतिरिक्त मानव-बल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास हेतु विस्तार योजना तैयार की है जिसके द्वारा देश के अन्य संबंधित केन्द्रों पर ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में एमएससी, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम टीएमएच एवं आरम्भ किए जाऐंगे। ये सभी पाठ्यक्रम न केवल प्रशिक्षित मानव-बल जुटाऐंगे और भारत में बेहतर कैंसर सेवाएं प्रदान करेंगे, अपितु रोगियों को मूल्य-संवर्धित सेवाएं प्रदान करेंगे जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

टीएमसी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए हमने इस वर्ष कई नए पाठ्यक्रम आरम्भ करने का अनुमोदन एचबीएनआई से प्राप्त किया है: इनमें से प्रमुख हैं समग्र एमडी (एमडी/डीएन/एमसीएच) पीएचडी कार्यक्रम एवं रोगी नेविगेशन में मास्टर्स डिग्री। इसी के साथ हमने कई ऑन्कोलॉजी विशिष्ट टीएमएच फैलोशिप कार्यक्रम भी आरम्भ किए हैं जो कि गेरियाटिक ऑन्कोलॉजी, बाल पेलिएटिव केयर, मस्कुलोस्केलेटल ओंको-रेडियोलोजी इत्यादी। हमने कुछ महत्वाकांक्षी पाठ्यक्रम शुरू करने की आशा की है जैसे कि फिजिशियन सहायता पाठ्यक्रम एवं स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन में मास्टर्स। हमारे मुंबई केन्द्र के अतिरिक्त डॉ. बी. बरूआ कैंसर अस्पताल, गुवाहाटी में भी पूर्ण रूप से शैक्षणिक गतिविधियाँ जारी हैं। हमें खुशी है कि एनएमसी द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक गतिविधियाँ हमारे अन्य केन्द्रों जैसे कि संगरूर में एचबीसीएच एवं वाराणसी में एचबीसीएच एवं एमपीएमएनसीसी में भी शुरू हो चुकी हैं। हमें आशा है कि अगले वर्ष ये एचबीसीएच-वायज़ेक (एपी) में भी आरम्भ हो जाएंगी।

हम टीएमसी में शिक्षारत विद्यार्थियों को उनके जीवन के बेहतर अनुभव प्रदान करना चाहते हैं। पिछले एक साल में हमने सभी शैक्षणिक गतिविधियों को एक स्थान पर संकलित करने का कार्य किया है। पुराने पी जी होस्टल का पूर्ण नवीनीकरण किया जा चुका है एवं एक नया होस्टल एचएईआईएनई परिसर में आरम्भ किया है, जिसमें 402 विद्यार्थी रह पाएंगे। इसके अतिरिक्त हमने खारघर में 2 टॉवर अपने विद्यार्थियों हेतु लिए हैं। हमने छात्रों के लिए इन-हाउस जिमनैजियम शुरू किया है और टीएमएच के छात्रों और स्टाफ दोनों को शामिल करते हुए एक स्पोर्ट्स मीट "कॉन्क्वेस्ट 21" भी आयोजित की है, जो बहुत प्रशंसा मिली है। हम साहित्य/ चलचित्र/संगीत क्लब/घटनाएं आदि की शुरूआत इस वर्ष से करने जा रहे है ताकि हम अपने विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखार सकें।

टीएमसी एवं इसके प्रत्येक विभाग एवं रोग प्रबंधन समूह (डीएनजी) पूरे वर्ष विभिन्न सीएनई गतिविधियाँ संचालित करते हैं जिसमें साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पर वार्षिक बैठक भी शामिल है। ये सीएमई ऑन्कोलॉजी समूह में बहुत लोकप्रिय है। हमारी मूल्य -आधारित शिक्षा प्रदान करने के प्रयासों के साथ हमने चिकित्सा मानवता पर कई विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किए। हम अपने विद्यार्थियों के लिए सॉफ्ट कौशल- विशेष रूप से 'प्रभावी संचार' विषय पर पाठ्यक्रम शुरू करने की आशा करते हैं।

मैं इस अवसर पर अपने विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूँ जो कठिन परिश्रम करते हैं और अस्पताल की जीवनरेखा है और उनके सहयोग के बिना हम टीएमएच और साथ ही हमारे अन्य केन्द्र वाराणसी, संगरूर, विज़ाग, मुल्लनपुर, गुवाहाटी इत्यादी में आनेवाले हजारों रोगियों की देखभाल नहीं कर सकते थे और यह कार्य कर पाना मुश्किल होता। इस वर्ष उन्हें विशिष्ट धन्यवाद क्योंकि निवासी चिकित्सक 25% कम है क्योंकि पिछले वर्ष का निवासी बैच जो कि सामान्यतया अगस्त माह में जुड़ जाता है, वो एनईईटी से संबंधित समस्याओं के कारण अभी तक नहीं जुड़ा है। मैं इस अवसर पर टीएमसी निदेशक डॉ. आर ए बड़वे एवं सम्पूर्ण प्रशासनिक विभाग, टीएमसी को भी उनके सहयोग हेतु धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मैं इस अवसर पर उप कुलाधिपति, डीन एवं पूरी एबीएनआई टीम को उनके वर्षों से जारी सहयोग एवं सहायता के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं व्यक्तिगत रूप से डीन शिक्षा (परियोजनाएं) डॉ. कैलाश शर्मा को उनके निरंतर सहयोग एवं परामर्श हेतु धन्यवाद देता हूँ। साथ ही मेरे डिप्टी डॉ. सिद्धार्थ लासकर एवं पूरे स्टाफ शैक्षणिक विभाग को उनके सहयोग एवं सहायता हेतु धन्यवाद देता हूँ।

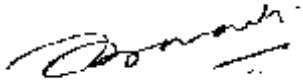

(डॉ. एस.डी. बनावली)

शैक्षणिक

निदेशक, शैक्षणिक, टीएमसी
प्रो. श्रीपाद डी बनावली

प्रो. श्रीपाद डी बनावली
प्रोफेसर कैलाश शर्मा

उप निदेशक, शैक्षणिक, टीएमसी
प्रोफेसर सिद्धार्थ लसकर

प्रभारी अधिकारी, विद्यार्थी मामलें
प्रोफेसर सरवानी घोष लसकर

टाटा मेमोरियल केन्द्र (टीएमसी), परमाणु ऊर्जा विभाग के अन्तर्गत एक अनुदान सहायता-प्राप्त संस्थान है तथा परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन एक मानद विश्वविद्यालय- होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई) के अन्तर्गत एक अकेला स्नातकोत्तर संस्थान है। पिछले 75 वर्षों से टीएमसी अपने विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध कार्यों के आधार पर पूरे देश में ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव-बल प्रदान करने का कार्य कर रहा है।

शैक्षणिक उद्देश्यों हेतु टीएमसी की मुंबई इकाई में टाटा मेमोरियल अस्पताल (टीएमएच), कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केन्द्र (एक्ट्रेक), कैंसर ऐपिडेमियोलोजी केन्द्र (सीसीई) सम्मिलित है। हमारे यहां स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जैसे कि ऑन्कोलॉजी नर्सिंग में एमएससी, रोगी नेविगेशन (केवट), चिकित्सा शोध, रेडियो, भौतिकी इत्यादी उपलब्ध हैं। वर्ष 2021 में इन पाठ्यक्रमों में 85 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ। हम आठ विषयों में एमडी पाठ्यक्रम उपलब्ध करवाते है, वे हैं- एनेस्थेसियोलोजी, माइक्रो-बायोलोजी, नाभिकीय औषधि, पेलिएटिव चिकित्सा, पेथोलोजी, रेडियोडायग्नोसिस, रेडियोथेरेपी एवं ट्रांसफ्यूजन औषधि। इस वर्ष विभिन्न कारणों से एम.डी. पाठ्यक्रमों प्रवेश प्रक्रिया में देरी हुई एवं मार्च 2022 में यह प्रक्रिया पूर्ण हो पाई। यही स्थिति हमारे डी.एम. एवं एम.सी.एच. पाठ्यक्रमों के बारे में भी है। हम 6 विषयों में डी.एम. प्रदान करते है- क्रिटिकल केयर, गस्टोएन्टोलोजी, इन्टरवेंशनल रेडियोलोजी, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी, ओंको-पेथोलोजी एवं पेडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी तथा चार विषयों पर एमसीएच प्रदान करते है- स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी, सिर व गरदन शल्य, प्लास्टिक शल्य एवं शल्य ऑन्कोलॉजी। टीएमएच में प्रतिवर्ष 156 विद्यार्थी एमडी/ डीएम/ एमसीएच पाठ्यक्रम ज्वाइन करते हैं। हम स्वास्थ विज्ञान एवं जीवन-विज्ञान विषयों पर पीएचडी भी प्रदान करते हैं। खारघर, नवी मुंबई स्थित कैंसर में उपचार, अनुसंधान एवं शिक्षा का प्रगत केन्द्र (एक्ट्रेक) में 18 मुख्य अन्वेषणकर्ता (पीआई) प्रयोगशालाएं है जहां प्रति वर्ष 20 से 25 विद्यार्थी पीएचडी हेतु आते हैं।

टीएमसी विभिन्न एचबीएनआई प्रमाणित फैलोशिप एवं टीएमएच फैलोशिप भी संचालित करता है। 66 विद्यार्थी प्रतिवर्ष विभिन्न फैलोशिप पाठ्यक्रम ज्वाइन करते है। पिछले वर्ष हमने 3 नए एचबीएनआई प्रमाणित पाठ्यक्रम आरम्भ किए, जन-स्वास्थ्य एवं ऐपिडेमियोलोजी में एम.एससी. व्यावसायिक ऑन्कोलॉजी चिकित्सा में मास्टर्स एवं इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी में फेलोशिप। और हमें तीन नए पाठ्यक्रमों हेतु एचबीएनआई का अनुमोदन प्राप्त हुआ रोगी नेविगेशन में मास्टर्स (ऑन्कोलॉजी) बाल पेलिएटिव केयर फैलोशिप एवं एमडी, पीएचडी कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त हमने सात नए फैलोशिप टीएमएच में आरम्भ किए गेरियाटिक ऑन्कोलॉजी में फैलोशिप, इम्यूनो ऑन्कोलॉजी में फैलोशिप, बाल ओंकोशल्य में फैलोशिप, सिर गरदन एवं न्यूरो ऑन्कोलॉजी छायांकन में फैलोशिप, बाल इंटरवेंशनल रेडियोलोजी में फैलोशिप, महिला कैंसर छायांकन में फैलोशिप एवं मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी छायांकन में फैलोशिप, इत्यादी। हम तकनीकी एवं कौशल विकास पाठ्यक्रम भी संचालित करते है। हम ऑन्कोलॉजी के सभी क्षेत्रों में 6 माह का प्रशिक्षण/पर्यवेक्षक कार्यक्रम संचालित करते है।

टीएमसी को कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं डब्ल्यूएचओ, आईएईए, आईएनसीटीआर, कई अफ्रीकन एवं सार्क देशों की सरकारों द्वारा कैंसर शिक्षा एवं शोध कार्यों हेतु प्रशिक्षण केन्द्र का दर्जा प्राप्त है। वर्ष 2021 में कोविड महामारी एवं यात्रा पर प्रतिबंध के चलते हमें अन्तर्राष्ट्रय प्रशिक्षण कार्यक्रमों को स्थगित रखना पड़ा। इसके बावजूद वर्ष 2021 में तीन विशेषज्ञों ने टीएमसी का दौरा किया जो कि महामारी एवं यात्रा प्रतिबंध के दौरान था। वर्ष 2021 में भारत के विभिन्न स्थानों से 229 पर्यवेक्षकों ने टाटा मेमोरियल केन्द्र का दौरा किया।

पूरे विश्व की तरह कोविड 19 ने टीएमसी में भी शिक्षा कार्य की परंपरा में परिवर्तन ला दिया। सभी शैक्षणिक कार्य न केवल वेब-आधारित थे,अपितु हमने कई एमडी/ डीएम/ एमसीएच परीक्षाएं भी एनएमसी दिशा-निर्देशों के अनुसार आनलाइन आयोजित की। हमने विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों एवं फैलोशिप कार्यक्रम हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन वेब-आधारित साधनों से किया। पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त टीएमसी एवं सभी विभागों एवं रोग प्रबंधन समूहों (डीएमजी) ने विभिन्न सीएमई गतिविधियों को पूरे वर्ष संचालित किया। जिसमें हमारी साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पर वार्षिक बैठक भी शामिल थी। इनमें से अधिकांश वेब आधारित प्लेटफार्म पर की गई।

हमारे निवासियों ने हमेशा कठिण परिश्रम किया, तथापि यह वर्ष महत्वपूर्ण था क्योंकि वे 25% कम संख्या में काम कर रहे थे क्योंकि पिछले वर्ष के निवासी चिकित्सकों के बैच ने अभी तक ज्वाइन नहीं किया है। मैं इस अवसर पर सभी निवासियों को धन्यवाद प्रेषित करता हूं। इसी के साथ यहां के अनुभव को बेहतर बनाने हेतु हमने पिछले वर्ष घरेलू जिम्नेशियम की शुरूआत की। हमने 'कंक्वेस्ट 21' का भी आयोजन किया जो कि टीएमएच स्टाफ एवं विद्यार्थियों हेतु खेलकूद कार्यक्रम था एवं यह सफल रहा। हम निवासी की कम संख्या के अवसर को पी जी होस्टल के नवीनीकरण के तौर पर लेते है एवं जल्द ही एचएईआइएनई परिसर में 14 मंजिल वाले नए हॉस्टल का शुभारंभ भी करेंगे ।

शैक्षणिक गतिविधियाँ डॉ. बी. बरूआ कैंसर अस्पताल, गुवाहाटी आसाम में भी जारी है। टीएमसी ने अपनी शैक्षणिक गतिविधियों को अन्य केन्द्रों जैसे एचबीसीएच संगरूर (पंजाब) एचबीसीएच एवं एमपीएमएमसीसी वाराणसी (यूपी) एवं एचबीसीएच विज़ाग (एपी) में भी आरम्भ करने की योजना बनाई है।

निवासियों के लिए हाफकिन कैंपस छात्रावास

"कॉन्क्वेस्ट 21" स्पोर्ट्स मीट में छात्रों और फैकल्टी की सहभागिता

अत्याधुनिक में प्रशिक्षण: सर्जरी

अत्याधुनिक आरटी में प्रशिक्षण: प्रोटॉन थेरेपी

विश्वविद्यालय उपाधियाँ

पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	अनुमोदन	विश्वविद्यालय	पास संख्या
एमसीएच (शल्य ऑन्कोलॉजी)	3 वर्षीय विशेषज्ञ पाठ्यक्रम (एमडी के पश्चात)	भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई)	होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान	17
एमसीएच (स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी)				02
एमसीएच (प्लास्टिक शल्य)				02
एमसीएच (सिर व गर्दन ऑन्कोलॉजी)				04
डीएम (चिकित्सा ऑन्कोलॉजी)				12
डीएम (क्रिटिकल केयर)				03
डीएम (बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी)				03
डीएम (गेस्ट्रोइन्ट्रोलोजी)				02
डीएम (इंटरवेंशनल रेडियोलोजी)				02
डीएम (ओंको पैथोलोजी)				03
एमडी (पेथोलोजी)	3 वर्षीय विशेषज्ञ (एमडी) पाठ्यक्रम होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एचबीएनआई)			11
एमडी (एनेस्थेसियोलोजी)				19
एमडी (रेडियोडायग्नोसिस)				18
एमडी (विकिरण ऑन्कोलॉजी)				16
एमडी (माइक्रोबायोलोजी)				-
एमडी (इम्यूनोहेमेटोलोजी एवं रक्त ट्रांसफ्यूजन)				05
एमडी (नाभिकिय औषध)				06
एमडी (पेलिएटिव औषधि)				03
फ्यूजन छायांकन तकनीक में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा	1 वर्ष एवं 1 वर्ष प्रशिक्षण	एचबीएनआई स्वीकृत	होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान	10
एमएससी (चिकित्सा शोध)	2 वर्ष एवं 1 वर्ष प्रशिक्षण (बॉन्ड)11			11
एमएससी (नर्सिंग)	2-वर्ष			05
एमएससी (नाभिकीय औषधि एवं छायांकन तकनीक)	2 वर्ष एवं 1 वर्ष प्रशिक्षण (बॉन्ड)			05
एमएससी (व्यावसायिक चिकित्सा ऑन्कोलॉजी)	2-वर्ष			-
एमएससी (जन-स्वास्थ्य एवं एपिडेमियोलोजी)				-
पीएचडी (जीवन-विज्ञान)	5-वर्ष			14
			कुल	**163**

***वर्ष 2021 में 2 वर्षीय (और एक साल प्रशिक्षण) प्रगत डिप्लोमा पाठ्यक्रमों हेतु रेडियोथेरेपी तकनीक (एडीआरटी) में कुल 33 विद्यार्थियों का चयन हुआ। यह पाठ्यक्रम महाराष्ट्र स्टेट तकनीकी शिक्षा बोर्ड (एमबीएसटीई) तकनीकी शिक्षा निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार के अन्तर्गत संचालित है। उपरोक्त पाठ्यक्रमों हेतु वर्ष 2021 में 29 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की।**

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

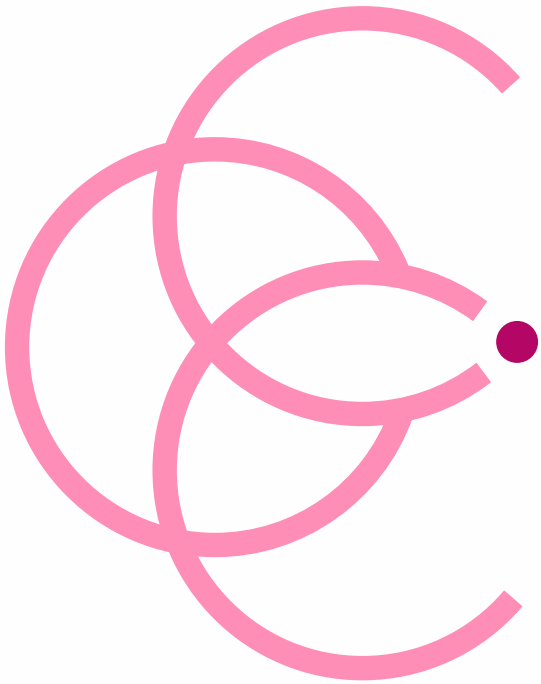

NCG Vishwam

Cancer Care Connect

Eliminating Disparities in Cancer Care

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड

राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड जो कि एक कैंसर केन्द्रों, शोध संस्थानों, व्यावसायिक सोसाइटी, धर्मार्थ संस्थाओं एवं रोगी समूहों का संगठन है उसकी स्थापना वर्ष 2012 में भारत में कैंसर उपचार सेवाओं के बेहतरीकरण के उद्देश्य से की गई थी। इस संगठन की स्थापना परमाणु ऊर्जा विभाग के वित्तीय सहयोग से की गई। अपनी स्थापना के समय से ही एनसीजी ने कैंसर सेवाओं में समानता, ऑन्कोलॉजी में प्रशिक्षित जनसंसाधन का विकास, तथा कैंसर उपचार एवं बचाव हेतु मूल्य प्रभावी संसाधनों का विकास करने हेतु बहु केन्द्रीय कैंसर शोध कार्यों की गुणवत्ता बनाएं रखने पर कार्य किया है। वर्तमान में एनसीजी के 236 केन्द्र एवं संगठन सदस्य है।

पिछले वर्षों में एनसीजी ने कई उपलब्धियाँ हासिल की, जो निम्नवत हैं:

उच्च स्तरीय इंटरवेंशन में स्वास्थ्य तकनीक आकलन (एचटीए) :

एनसीजी ने इष्टतम देखभाल हेतु संसाधन स्तरीकरण वितरण सुनिश्चित करने के लिए सामान्य कैंसर हेतु संसाधन स्तरीकरण दिशा-निर्देश तैयार किए। ये दिशानिर्देश विषय विशेषज्ञों की सलाह तथा व्यक्तिगत इंटरवेंशन के उपलब्ध साक्ष्यों पर आधारित हैं। इष्टतम दिशानिर्देशों को एबी-पीएमजेएवाई द्वारा प्रतिपूर्ति हेतु जोड़ा गया। मूल्य- आधारित सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्देय से एनसीजी ने इन इंटरवेंशन कार्यों में एचटीए का उपयोग किया। अब तक 10 उच्च स्तरीव इंटरवेंशन का आकलन किया जा चुका है। इनके द्वारा एनसीजी दिशानिर्देशों में परिवर्तन का आधार तैयार होगा।

दवाओं के लिए समूह बातचीत :

एनसीजी ने उच्च मूल्य की दवाओं हेतु सौदेबाजी को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया है। कुल 87 भण्डारण इकाईयां इस क्रिया में साझेदार थी। हम इस प्रक्रिया में 20-80% तक खुदरा मूल्य से कम कीमत पर दवा खरीदने में सफल रहे हैं। इस सफलता ने कैंसर देखभाल के अन्य कार्यों हेतु मूल्य संवंर्धित सेवाएं प्राप्त करने का रास्त सुलभ किया है। इसके द्वारा न केवल कीमत कम होगी अपितु सेवाओं में भी सुधार होगा तथा छोटे केन्द्रों पर बार-बार दवाओं की होने वाली कमी से बचा जा सकेगा।

रोगी स्वास्थ्य रेकार्ड का एकीकरण :

रोगी को उसके स्वास्थ्य रेकार्ड का मालिक बनाना एनसीजी की एक प्राथमिकता रही। इसके द्वारा विभिन्न केन्द्रों पर कैंसर रोगियों को बिना बाधा उपचार में सहायता मिलेगी चाहे उनके निवास कहीं भी हों। डमी रोगी रेकार्ड को लेकर तीन केन्द्रों पर इस तरह का परीक्षण सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इस योजना ने ईएमआर डाटा एवं पीएसीएस डाटा को जोड़ पाने की संभाव्यता को दर्शाया है। इस मुक्त स्त्रोत मिशन के द्वारा राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ मिशन (एबीडीएन) हेतु आधारभूत ढांचा तैयार कर पाना संभव हुआ है। दूसरे केस के रुप में एनसीजी कम मूल्य के ईएमआर समाधानों की दिशा में कार्य कर रहा है।

एनसीजी 'विश्वम' वैश्विक कैंसर तंत्र :

एनसीजी वैश्विक कैंसर नियंत्रण हेतु न्यून एवं मध्यम आय वर्ग देशों के साथ जो कि कैंसर हेतु स्वास्थ सेवाओं एवं मूलभूत सुविधाओं में परेशानीयों में आश्चर्यजनक रूप से समान चुनौतियां है और ये अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा खर्च, सामाजिक आर्थिक असमानता, जनसामान्य में जागरूकता की कमी, देरी से सतर्क होना, मूलभूत कैंसर उपचार सेवाओं तक पहुंच न होना, अपर्याप्त मूलभूत सुविधाएं, तथा स्वास्थ्य सेवाओं के समानीकरण एवं मानकीकरण में कमी इत्यादी है, कार्य कर रहा है। सभी साझेदार देश एनसीजी की बेहतर प्रक्रियाओं को साझा करने में सफल होंगे तथा इसके संसाधनों से लाभान्वित होंगे। एनसीजी वैश्विक कैंसर तंत्र अनेक देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर कैंसर की परेशानी कम करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

अब तक निम्नलिखित देश या तो एनसीजी 'विश्वम' के साथ साझा कार्य कर चुके हैं या करने की इच्छा दर्शा चुके हैं : श्रीलंका, विएतनाम, नेपाल, अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, म्यांमार, बांग्लादेश, जांबिया, कजाकिस्तान, रशिया, घाना। साझा कार्य-प्रक्रिया में साक्ष्य-आधारित उपचार दिशा-निर्देश, ओंकोलोजिस्ट को शिक्षण एवं प्रशिक्षण, आभासी ट्यूमर बोर्ड में सहभागिता, विशेषज्ञ द्वितीय सलाह सेवाएं एवं कैंसर पंजीकरण में सहायता इत्यारदि शामिल है ।

बायोटेक्नोलोजी उद्योग शोध सहायता परिषद (बीआईआरएसी) चिकित्सा प्रयास तंत्र :

एनसीजी ने 11 केन्द्रों पर चिकित्सा प्रयासों को सुदृढ. बनाने हेतु 16 करोड.रूपए की महत्वपूर्ण आर्थिक सहायता प्राप्त की है। पिछले एक वर्ष में इस सहायता से एनसीजी ने एसओपी निर्माण चिकित्सा प्रयासों हेतु एवं आचार समिति का गठन किया है। इस सहायता से शोध सहायता हेतु प्रशिक्षित मानव-बल तैयार किया जा सका है। इस सहायता से एनसीजी ने सभी चिकित्सा प्रयासों में सभी पहलुओं पर प्रशिक्षण माड्यूल तैयार किए हैं जो कि एनसीजी एमओओसी प्लेटफार्म पर मुक्तक रूप से उपलब्धय हैं।

बहुकेन्द्री चिकित्सा प्रयासों हेतु वित्त :

चिकित्सा प्रयासों हेतु बहुकेन्द्री चिकित्सा प्रयासों में सहायता करना एनसीजी का एक अधिदेश रहा है। इस वर्ष एनसीजी ने तीन नए अध्ययनों को वित्त-पोषण किया है जिसके द्वारा साझा प्रक्रिया–परिवर्तन अध्ययनों की संख्या अब 12 हो गई है और सभी एनसीजी द्वारा वित्त -पोषित हैं।

एनसीजी चिकित्सा शोध संगठन (सीआरओ) :

सीआरओ ने एनसीजी में प्रस्तुत 8 शोध परियोजनाओं के अन्तर्राष्ट्रीय पीर रिव्यू उनके वित्त-पोषण हेतु एवं तीन चयनित परियोजनाओं में वित्त वितरण हेतु योगदान दिया। सीआरओ ने वार्षिक रूप से सभी जारी शोध परियोजनाओं की स्थिति का आकलन किया। सीआरओ एसओपी को संशोधित, समीक्षा एवं अनुमोदन दिया गया। टीएमएच एवं एक्ट्रेक में भौतिक सत्यापन द्वारा शोध परियोजनाओं की निगरानी की गई। अन्य केन्द्रों पर जहां महामारी के कारण दौरा कर पाना संभव नहीं था वहां पीआई एवं संस्थान ईसीजी सहमति लेकर सुदूर निगरानी की गई। इस दौरान सीआरए ने पीआई को रोगी प्रबंधन हेतु दिशानिर्देश दस्ता वेज बनाने में सहायता प्रदान की। कोविड-19 की समस्या को देखते हुए सीआरओ ने सुदूर निगरानी के प्लान बनाए और उन्हें पीआई के साथ अंतिम रूप देने हेतु साझा किए।

एनसीजी सीआरओ ने एक स्थल दल हेतु जीसीपी एवं सूचित सहमति पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। वर्ष 2021 के उत्तरार्ध में स्थल नीति द्वारा स्थल दौरे की अनुमति मिली तो स्थल दौरे किए गए।

एनसीजी पुस्तकालय सेवाएं :

पुस्तकालय ने एनसीजी के पंजीकृत सदस्यों को मेडीकल जरनल एवं पुस्तकों तक सतत पहुंच बनाए रखने में मदद की। इसने 300 से अधिक अभिलेख एवं शोध लेखों तक प्लेंगियारिज्म चेक सेवाएं प्रदान की। पुस्तकालय ने अक्षरा नामक एक खोज तरीके को इजाद किया– जिसके द्वारा 17000 सूचीबद्ध जरनल, वीडियो, मोनोग्राफ एवं प्रस्तुतीकरण में से वांछित को निकाला जा सकता है। स्थानीय पुस्तकालय से पूर्ण शोध लेख भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

एनसीजी बाह्य गुणवत्ता आकलन योजना (ईक्यूएएस):

भारत में शल्य पेथोलोजी एवं हिस्टोपेथोलोजी असमान सेवाएं हैं और ये रोगी की वहन करने की क्षमता पर निर्भर करती है। इसका परिणाम ये है कि रोगी के जांच परिणाम भिन्न होते हैं। राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड के तत्वावधान में राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड बाह्य गुणवत्ता आकलन योजना शुरू की गई है। एनसीजी इक्यूएएस का उद्देश्य भारत की हिस्टोपेथोलोजी एवं ओंकोपेथोलोजी प्रक्रियाओं का मानकीकरण करना है और इसका उद्देश्य "सभी के लिए हमारी प्रक्रिया" है। एनसीजी इक्यूएएस की शुरूआत 18 फरवरी 2017 को हुई। एनसीजी इक्यूएएस सिर्फ एक वहनीय इम्यूनोहिस्टोकेमेस्ट्री जांच का तरीका है। वर्तमान में 149 केन्द्र देश में एच एवं ई क्यूएएस एवं आईएचसी में भाग लेते हैं। हाल ही में इसका विस्तार आणविक पेथोलोजी में ईक्यूएएस को सम्मिलित करने हेतु किया गया।

एनसीजी की वार्षिक बैठक :

एनसीजी की वार्षिक बैठक आभासी रूप से की गई एवं इसमें निदेशक एवं एनसीजी केन्द्रों के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान एनसीजी की सभी गतिविधियों को प्रस्तुत किया गया। इसमें अतिरिक्त मुख्य चर्चा में शामिल थे– मूल्य आधारित कैंसर उपचार जिसमें स्वास्थ्य तकनीकी आकलन, ऑन्कोलॉजी में प्राथमिक चिकित्सा का एकीकरण, रोगी रेकार्ड एकीकरण, राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन एवं पेलिएटिव चिकित्सा में वृद्धि इत्यादि। एनसीजी ने एनसीजी लाइफटाइम अवार्ड श्री प्रो. वी शान्ता एवं स्वर्गीय डॉ एम. कृष्णमूर्ति को उनके सराहनीय योगदान एवं लीडरशिप के लिए भारत में ऑन्कोलॉजी सेवाओं के तहत प्रदान किए।

कोविड–19 वेबिनार एवं कोविड–19 में कैंसर उपचार हेतु एनसीजी दिशा–निर्देश :

कोविड-19 महामारी की शुरूआत में ही एनसीजी ने सभी केन्द्रों से कोविड-19 के विभिन्न पहलुओं पर सामायिक अपडेट लेना आरम्भ कर दिया जिसमें सार्स कोव-2 पर परिदृश्य, पीपीई का न्यायोचित उपयोग, जांच के तरीके, कोविड-19 का उपचार, सीरो-इम्यू नोलोजी, सामाजिक-आर्थिक मामलें, जनस्वास्थ्य मामलें, नर्सों की भूमिका, प्रशासन की भूमिका, वेक्सीन, शोध प्राथमिकताएं, एवं रोगी मामले शामिल थे। राष्ट्रीय व अंन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कई विशेषज्ञों ने इन वेबिनार में भाग लिया और महामारी के उपरोक्त प्रभावों पर जानकारी प्रदान कीं। महामारी के दौरान कुल 16 वेबिनार आयोजित किए गए जो कि कोविड-19 के विभिन्न पहलूओं पर थे और ये सब एनसीजी की वेबसाइट पर निःशुल्क उपलब्धि हैं।

आभासी शोध बोर्ड :

एनसीजी एक साप्तासहिक कार्यशाला के माध्यम से नए ओंकोलोजिस्टं को शोध तरीकों के बारे में प्रशिक्षित करता है। यह शोधार्थियों को उनके जारी शोध परियोजनाओं हेतु सहयोग प्रदान करता है। इस उद्देश्य हेतु एनसीजी आभासी शोध बोर्ड का आयोजन नियमित अन्तराल पर करता है। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति-प्राप्ता शोधार्थी एवं बायोतकनीशियन नए शोधार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं एवं निगरानी करते हैं जो कि सीआरईडीओ से अलग होता है।

पेलिएटिव केयर एवं इक्विप इंडिया :

एनसीजी ने सदस्य केयर केन्द्रों के गुणवत्ता सुधार हेतु सामर्थ्य विकास किया है जो कि इक्विप इंडिया द्वारा होता है (एनेबल क्वालिटी, इम्प्रूव पेशंट केयर)। कैंसर प्रशिक्षण में पेलिएटिव केयर (एम्पेक्ट– एचएन) शल्य शोधार्थियों हेतु एकीकृत माड्यूल जीवन बचाने के उपायों में एक नई शुरूआत रहीं। एनसीजी वेबसाइट पर मुख्य दल द्वारा विकसित पेलिएटिव केयर दिशानिर्देश उपलब्धं है एवं ये उन्नत कैंसर रोगियों में पहचान चिन्हों के आधार पर उपचार एल्गोरिथम प्रदान करते हैं। एनसीजी पीसी विभाग ने निम्न सामाजिक-आर्थिक वर्ग के वांछित रोगियों को पेलिएटिव केयर से संबंधित आयुष्मान भारत पैकेज उपलब्ध करवाएं। पेलिएटिव केयर सेवाओं एवं कैंसर पेन रिलीफ तक पहुंच बनाने हेतु एनसीजी विभिन्न प्रदेशों के साथ प्रशिक्षण एवं उपलब्धता हेतु समन्वयन का कार्य कर रहा है।

वित्तीय लेखा–परीक्षा

- लेखा, विवरण
- की गई कार्रवाई की रिपोर्ट
- लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट
- वित्त, सरलीकृत

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2022

in ₹

		Year Ended 31.03.2022	Year Ended 31.03.2021
A) INCOME			
Grant in Aid - Govt of India	7	4,93,68,46,900	5,60,27,53,000
Hospital Income		4,76,41,73,038	2,30,15,07,588
Sale of Drugs and Surgical Goods		4,32,65,85,239	2,57,43,13,305
Interest Income	8	33,73,85,633	22,81,85,690
Other Income	9	9,17,43,741	8,43,74,799
TOTAL (A)		**14,45,67,34,550**	**10,79,11,34,382**
B) EXPENDITURE			
Academic Expenses		9,87,55,022	5,04,92,185
Consumption of drugs and Surgical Goods	10	3,95,93,88,896	2,70,05,31,541
Consumables		1,53,22,54,057	99,29,37,351
Staff Cost / Salaries	11	8,67,90,99,802	6,91,27,19,270
Other Administrative Expenses	12	1,76,23,76,056	1,63,86,16,687
TOTAL (B)		**16,03,18,73,834**	**12,29,52,97,034**
Excess of Income over expenditure before Depreciation and Provisions on retirement benefits of employees (A-B)		(1,57,51,39,284)	(1,50,41,62,652)
Less : Depreciation		59,93,92,273	56,25,95,168
Add : Deferred Income (As per AS 12 for Govt Grant for Dep on Equipment)		59,93,92,273	56,25,95,168
Less : Provision for Retirement Benefits			
Gratuity		11,46,92,409	4,95,74,145
Pension		1,44,13,44,541	47,24,27,195
Leave Encashment		29,79,54,468	13,09,96,828
Balance being deficit / (surplus) for the year trf to Balance Sheet		**3,42,91,30,702**	**2,15,71,60,820**
Significant Accounting Policies			
Notes on Accounts			

As per our report of even date attached
For Batliboi & Purohit
Chartered Accountants
Firm Reg No. 101048W

CA Parag Hangekar
Partner
Membership No. : 110096
Mumbai

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

BATLIBOI & PUROHIT * Mumbai * CHARTERED ACCOUNTANTS

For and on behalf of the Governing Council

Mr. S Mohapatra	Mr. Anil Sathe	Dr. C S Pramesh	Dr R A Badwe
JCFA, TMC	CAO, TMC	Director, TMH	Director, TMC

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 2022

in ₹

PARTICULARS	Schedule	As at 31.03.2022	As at 31.03.2021
CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
Capital Fund	1	1,13,18,92,312	-
Earmarked / Endowment Fund	2	3,90,09,97,043	3,65,31,41,842
Academic Fund	3	26,37,95,099	18,53,17,706
Current Liabilities & Provisions	4	26,52,70,94,903	23,97,80,78,801
TOTAL		**31,82,37,79,358**	**27,81,65,38,349**
ASSETS			
Fixed Assets			
Gross Block		12,16,90,26,402	10,99,84,90,875
Less:Provision for Depreciation		5,52,31,82,985	4,98,15,19,286
Net Block		6,64,58,43,417	6,01,69,71,589
Capital Work - in - Progress		13,63,80,78,966	11,07,50,12,739
Total	5	**20,28,39,22,383**	**17,09,19,84,328**
Current Assets, Loans and Advances	6	11,53,98,56,975	10,41,49,07,692
Capital Fund	1	-	30,96,46,329
TOTAL		**31,82,37,79,358**	**27,81,65,38,349**
Significant Accounting Policies	13		
Notes on Accounts	14		

As per our report of even date attached
For Batliboi & Purohit
Chartered Accountants
Firm Reg No. 101048W

CA Parag Hangekar
Partner
Membership No. : 110096
Mumbai

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

BATLIBOI & PUROHIT * Mumbai * CHARTERED ACCOUNTANTS

For and on behalf of the Governing Council

Mr. S Mohapatra	Mr. Anil Sathe	Dr. C S Pramesh	Dr R A Badwe
JCFA, TMC	CAO, TMC	Director, TMH	Director, TMC

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 1 - CAPITAL FUND

in ₹

PARTICULARS	As at 31.03.2022		As at 31.03.2021	
CAPITAL FUND				
Balance at the beginning of the Year	(309,646,329)		(1,749,523,563)	
Add: Non Recurring Grant Utilised during the year	4,909,836,227		3,771,193,225	
Add: Recurring Grant utilised for Capital Expenditure	-		-	
Add: Assets purchased from Donation & csr	545,028,845		345,191,462	
Add: Assets purchased out of Sponsored Project & Workshop Fund and HBNI	15,196,544		39,521,269	
Add: Actrec - Assets Plan to Donation			3,727,266	
Add : Others			0	
	5,160,415,286		**2,410,109,659**	-
Less: Deficit/ (surplus) Transferred from the Income & Expenditure Account	3,429,130,702		2,157,160,820	
Less: Deferred Income (As per AS 12 for Govt Grant)	599,392,273		562,595,168	
Total		**1,131,892,312**		**(309,646,329)**

TATA MEMORIAL HOSPITAL

BATLIBOI & PUROHIT CHARTERED ACCOUNTANTS Mumbai

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 1-B - WOMEN AND CHILDREN WELFARE GRANT

in ₹

PARTICULARS	TMH	ACTREC	VARANASI	VIZAG	SANGRUR	TOTAL
Balance at the beginning of the Year	6,200,195	-	2,500,000	547,465	3,674,330	12,921,990
Add: Re grouping	-	398,365				398,365
Add: Unutilsied patients Bal trf to fund	52,577,118				630,000	53,207,118
Add: Grant Received During the year	113,500,000	18,000,000	23,500,000	5,000,000	2,500,000	162,500,000
Total	172,277,313	18,398,365	26,000,000	5,547,465	6,804,330	229,027,473
Less: Grant Utilised for Women and Children Welfare	169,460,608	14,148,423	23,482,106	4,077,476	6,747,829	217,916,442
Balance	2,816,705	4,249,942	2,517,894	1,469,989	56,501	11,111,031
Less: Grant Utilised for Revenue Expenditure						
Total	**2,816,705**	**4,249,942**	**2,517,894**	**1,469,989**	**56,501**	**11,111,031**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 2- EARMARKED / ENDOWMENT FUND

in ₹

PARTICULARS	As at 31.03.2022							As at 31.03.2021						
EARMARKED / ENDOWMENT FUND	SCIENCE & RESEARCH FUND	SAMJAL MISTRY FUND	DONATION	INTEREST ON PATIENT DEPOSITS	PROJECTS	WORKSHOP	TOTAL	SCIENCE & RESEARCH FUND	SAMJAL MISTRY FUND	DONATION	INTEREST ON PATIENT DEPOSITS	PROJECTS	WORKSHOP	TOTAL
A														
Balance at the beginning of the Year	261,849,313	18,351,107	2,294,073,158	43,884,267	983,086,739	51,897,256	3,653,141,839	257,150,875	18,404,843	1,807,497,315		762,372,620	51,067,206	2,896,492,858
Addition during the year			2,331,968,394	919,766	760,761,613	54,319,187	3,147,968,961			1,598,151,165	64,525,177	629,528,062	43,933,808	2,336,138,211
Re-grouping							-							-
Interest on Saving / Bank FD received	13,447,667	993,066			25,171,006		39,611,739	4,698,438	1,244,550	66,513,650		32,203,825		104,660,463
Dividend		9,090					9,090		1,401					1,401
TDS Projects & Others							-							-
Total (A)	275,296,980	19,353,263	4,626,041,552	44,804,033	1,769,019,359	106,216,444	6,840,731,630	261,849,313	19,650,794	3,472,162,130	64,525,177	1,424,104,507	95,001,013	5,337,292,933
B. Utilisation / Expenditure towards objective of fund														
Revenue Expenditure			1,613,307,863		686,919,378	78,373,613	2,378,600,854		53,736	832,897,510	20,640,910	407,465,882	43,103,758	1,304,161,796
Capital Expenditure			545,028,845		15,102,734	-	560,131,579			345,191,462		33,551,885	-	378,743,347
Transfer to Samjal Scholarship		501,078					501,078		622,976					622,976
Transfer to Samjal Patient welfare		501,078					501,078		622,975					622,975
Total (B)	-	1,002,156	2,158,336,707	(1)	702,022,112	78,373,613	2,939,734,589	-	1,299,687	1,178,088,972	20,640,910	441,017,767	43,103,758	1,684,151,093
Closing Balance at the end of the year (A-B)	275,296,980	18,351,107	2,467,704,844	44,804,034	1,066,997,246	27,842,831	3,900,997,043	261,849,313	18,351,107	2,294,073,158	43,884,267	983,086,739	51,897,256	3,653,141,840

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400012 *

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS * Mumbai

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 3 - ACADEMIC FUND

in ₹

PARTICULARS	As at 31.03.2022	As at 31.03.2021
Opening Balance	185,317,706	152,398,767
Add :- Addition During the year	98,755,022	50,492,185
	284,072,728	**202,890,952**
Less : Deduction During the year	20,277,629	17,573,246
Total	**263,795,099**	**185,317,706**

BATLIBOI & PUROHIT CHARTERED ACCOUNTANTS Mumbai

TATA MEMORIAL HOSPITAL PAREL, MUMBAI-400 012

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 4 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

in ₹

PARTICULARS		As at 31.03.2022		As at 31.03.2021
A) CURRENT LIABILITES & DEPOSITS				
Deposits				
- From Student	26,716,989		23,722,169	
- From Patient	3,219,140,006		2,556,091,849	
- From Suppliers & Contract	173,563,936	3,419,420,931	205,333,548	2,785,147,566
Other Current Liabilities				
Undisbursed and Unclaimed Salaries		212,336		-
New pension scheme liability		8,545,670		668,198
Sundry Creditors-Capital		114,026,762		181,266,303
Other Liabilities		373,354,014		423,527,553
Inter Unit Adjustment		93,258,516		555,976,132
Statutory Liabilities		71,705,656		20,685,669
Outstanding Expenses				
- Salary	1,081,513,974		667,445,166	
- Operational Expenses	1,223,375,815	2,304,889,789	1,049,714,443	1,717,159,609
Unutilised Grant from Govt of India c/f				
- Recurring Grant	-		4,147,000	
- Women & Childern Welefare Fund	11,111,031		12,921,990	
- Non Recurring Grant	-	11,111,031	-	17,068,990
TOTAL (A)		**6,396,524,705**		**5,701,500,021**
B) PROVISIONS(for retirement benefits of employee)				
Gratuity				
a) Current	210,039,377		236,314,016	
b) Non current	1,564,729,439	1,774,768,817	1,423,762,392	1,660,076,408
Leave Encashment				
a) Current	274,001,282		247,546,854	
b) Non current	1,753,248,524	2,027,249,805	1,481,748,483	1,729,295,337
Pension				
a) Current	643,724,613		533,869,585	
b) Non current	15,684,826,963	16,328,551,576	14,353,337,450	14,887,207,035
TOTAL (B)		**20,130,570,198**		**18,276,578,780**
TOTAL (A+B)		**26,527,094,903**		**23,978,078,801**

TATA MEMORIAL HOSPITAL PAREL, MUMBAI-400 012.

BATLIBOI & PUROHIT CHARTERED ACCOUNTANTS

DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DEPRECIATION						NET BLOCK	
	Cost / Valuation as at the beginning of the year (01/04/2021)	Total Additions / adjustments during the year	Deletions / Ajustment	Cost / Valuation at the end of the year (31/03/2022)	As at the beginning of the year (01/04/2021)	Depreciation on the opening balance	Depreciation on Additions during the year	Total Depreciation during the year	On Deletion / Adjustment	Total up to the year end (31/03/2022)	As at the Current year-Ended 31/03/2022	As at the Previous year-Ended 31/03/2021
A. FIXED ASSETS :												
1. LAND:												
a) Freehold	197,608			197,608	-			-		-	197,608	197,608
2. BUILDINGS :												
a) On Freehold Land	1,877,971,278	50,754,314		1,928,725,592	348,120,667	30,610,932	183,476	30,794,408	-	378,915,075	1,549,810,517	1,529,850,611
3. PLANT MACHINERY & EQUIPMENT	7,932,785,410	1,011,002,089	48,905,090	8,894,882,409	3,834,307,440	435,418,945	33,100,266	468,519,211	40,173,011	4,262,653,640	4,632,228,770	4,098,477,970
4. VEHICLES	57,199,548	10,153,263	854,263	66,498,548	35,075,955	3,479,064	807,481	4,286,545	854,262	38,508,238	27,990,310	22,123,593
5. FURNITURE, FIXTURES	294,572,273	65,166,897	569,527	359,169,643	180,274,414	18,730,836	2,288,357	21,019,193	569,390	200,724,217	158,445,426	114,297,859
6. OFFICE EQUIPMENT	74,361,313	9,635,555	140,289	83,856,579	28,881,635	4,193,705	232,701	4,426,406	237,609	33,070,432	50,586,147	45,479,678
7. COMPUTER/ PERIPHERALS	761,403,444	93,228,797	18,736,218	835,896,023	554,859,175	65,305,415	7,882,835	73,188,250	18,736,041	609,311,384	226,584,639	206,544,269
TOTAL (A)	10,998,490,875	1,239,940,915	69,405,387	12,169,026,402	4,981,519,286	557,738,896	44,495,116	602,234,012	60,570,313	5,523,182,985	6,645,843,417	6,010,971,588
CWIP	11,075,815,109			13,638,881,336							13,638,881,336	8,950,784,623
LESS: PROVISION FOR DOUBTFUL CAPITAL ADV (LAND)	802,370			802,370							802,370	802,370
NET CAPITAL WIP (B)	11,075,012,739			13,638,078,966							13,638,078,966	8,949,982,253
TOTAL (A + B)	**22,073,503,614**	**1,239,940,915**	**69,405,387**	**25,807,105,368**	**4,981,519,286**	**557,738,896**	**44,495,116**	**602,234,012**	**60,570,313**	**5,523,182,985**	**20,283,922,383**	**14,966,953,841**
PREVIOUS YEAR (TMC)	19,103,019,649	3,381,837,133	411,353,167	22,073,503,614	4,455,969,817	325,450,246	37,144,925	562,593,171	37,045,701	4,981,519,286	14,966,953,841	14,647,049,811

Note: Capital work in progress includes freehold land amounting to Rs.802370 (previous year Rs.802370) which is disputed and hence provided as doubtful from the financial year 2009-10

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS * Mumbai

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 6 - CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

in ₹

PARTICULARS	As at 31.03.2022		As at 31.03.2021	
A. CURRENT ASSETS				
1. Inventories				
Stock of Drugs, Medical and Surgical Goods	506,704,161		443,877,849	
Stores & stationery	19,864,457	**526,568,618**	6,331,556	**450,209,405**
2. Sundry Debtors				
a) Outstanding more than six months				
Considered Good	133,151,944		226,981,121	
Considered Doubtful	40,686,584		27,831,688	
	173,838,528		254,812,809	
Outstanding less than six months				
Considered Good	461,188,351		366,144,678	
Considered Doubtful	-		-	
	635,026,879		620,957,487	
b) Less: Provision for Doubtful Debts	40,686,584	**594,340,295**	27,831,688	**593,125,799**
3. Cash Balances				
Cash in Hand	6,148,971		3,448,339	
Cheques on Hand				
Franking Balance	248,066	**6,397,037**	42,756	**3,491,095**
4. Bank Balances				
With Scheduled Banks :				
- Current Accounts	682,732,978		245,983,338	
- Fixed Deposit Accounts	8,448,664,667		7,809,321,475	
- Margin Money Deposit Accounts	72,432,983		279,164,198	
- Fixed Deposits Projects	815,584,643		698,441,664	
- On Savings Accounts	38,622,618	**10,058,037,889**	6,801,941	**9,039,712,615**
TOTAL (A)		11,185,343,839		10,086,538,915

contd.....

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS *

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012 *

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 6 - CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

in ₹

PARTICULARS	As at 31.03.2022		As at 31.03.2021	
B. LOANS AND ADVANCES				
1. Advances recoverable in cash or in kind or for value to be received (unsecured, considered good)				
Considered Good	43,867,946		35,100,474	
Considered Doubtful	-		-	
	43,867,946		35,100,474	
Less: Provision for Doubtful Advances	-	43,867,946	-	35,100,474
b) Prepaid expenses		44,668,873		28,996,131
c) Other Deposits		52,957,076		50,661,142
2. Loans & Advances to staff				
Interest Bearing Advances	9,831,583		10,221,360	
Non Interest Bearing Advances	(571,550)	9,260,033	2,485,373	12,706,733
3. Interest Accured				
Interest Accured on Fixed Deposits	146,694,076		139,633,588	
Interest Accured on Corpus Deposits	5,073,340		5,073,340	
Interest Accured on Sam Jal Deposits	564,820	152,332,236	564,820	145,271,748
4. Interest Accured but not due		7,622,510		7,944,016
5. Tax Deducted at Source		43,804,461		47,688,533
6. Inter Unit Adjustment accounts		-		-
TOTAL (B)		354,513,135		328,368,777
TOTAL (A+B)		11,539,856,975		10,414,907,692

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS *

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 7 - RECURRING GRANT

in ₹

PARTICULARS	As at 31.03.2022		As at 31.03.2021	
Balance at the beginning of the Year	4,147,000		**327,800,000**	
Add: Grant Received During the year	4,932,699,900		5,279,100,000	
Total	**4,936,846,900**		**5,606,900,000**	
Less: Grant Utilised for Captial Expenditure (A)				
Balance	**4,936,846,900**		**5,606,900,000**	
Less: Grant Utilised for Revenue Expenditure (B)	4,936,846,900		5,602,753,000	
Unspent Balance c/f		-		**4,147,000**

Captial Expendiutre utilised from Minor equipemnt which cost more than 5000/- and life is more than a year.

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS * Mumbai

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 8 - INTEREST INCOME

in ₹

PARTICULARS		Year Ended 31.03.2022		Year Ended 31.03.2021
Interest : (gross)				
(includes tax deducted at source)				
from banks :				
on fixed deposits/ margin money deposits	327,980,766		223,608,858	
on saving accounts & Others	7,848,258		2,779,293	
		335,829,024		**226,388,151**
from others :				
on Vehicle Advances	1,648		879	
on House Building Advances	460,837		828,854	
on Computer Advances	2,825		1,504	
		465,310		**831,237**
Interest accrued but not Due on staff Advances		**1,091,299**		**966,302**
		-		-
Total		**337,385,633**		**228,185,690**

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012 *
BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS * Mumbai

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 9 - OTHER INCOME

in ₹

PARTICULARS	Year Ended 31.03.2022	Year Ended 31.03.2021
Miscellaneous Receipts	76,987,638	67,372,540
Animal House Receipts	8,247,035	5,927,060
Project Overheads	4,998,889	4,500,024
Effect of exchange fluctuation (net)	42,171	1,074,294
Mobilisation Interest	1,468,008	5,500,881
TOTAL	**91,743,741**	**84,374,799**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 10 - CONSUMPTION OF DRUGS & SURGICAL GOODS

in ₹

PARTICULARS	Year Ended 31.03.2022	Year Ended 31.03.2021
Opening stock of Drugs / Surgical goods	436,974,259	427,816,066
Add: Purchases	4,075,482,233	2,740,650,858
Less: Closing stock of Drugs / Surgical goods	506,704,161	436,974,259
Less: Return/ Rejected / Expired Drugs / Surgical goods	46,363,434	30,961,124
TOTAL	**3,959,388,896**	**2,700,531,541**

TATA MEMORIAL HOSPITAL PAREL MUMBAI-400 012

BATLIBOI & PUROHIT CHARTERED ACCOUNTANTS Mumbai

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER.

SCHEDULE 11 - STAFF COST / SALARIES

in ₹

PARTICULARS	Year Ended 31.03.2022	Year Ended 31.03.2021
a) Salaries and Wages	2,807,682,979	2,543,970,456
b) Allowances and Bonus	3,084,888,526	2,047,730,594
bi) Outsourse Salary	1,200,434,106	882,853,987
c) Expenses on Employee's Retirement and Terminal Benefits	205,734,710	173,466,999
d) Pension scheme	709,720,498	637,997,001
e) Fellowships	670,638,983	626,700,234
TOTAL	**8,679,099,802**	**6,912,719,271**

TATA MEMORIAL CENTRE

TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER

SCHEDULE 12 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES

in ₹

PARTICULARS		Year Ended 31.03.2022	Year Ended 31.03.2021
a) Linen and Laundry		76,956,986	68,174,596
b) Library Expenses		74,553,450	147,860,171
c) Electricity		524,118,236	417,174,551
d) Water Charges		32,102,382	14,981,606
e) Repairs and Maintenance		579,047,612	453,037,823
f) Animal House Expenses		841,008	3,592,632
g) Rates and Taxes		17,373,927	58,294,756
h) Insurance		11,361,773	14,316,923
i) Minor Equipments and Replacement of Capital Equipments		1,127,693	5,341,320
j) Postage, Telephone and Communication Charges		11,224,923	12,664,495
k) Printing and Stationery		47,336,250	41,447,290
l) Travelling and Conveyance Expenses		27,320,457	33,249,426
m) Intra Mural Research Expenses		21,029,936	1,920,579
n) Cancer Registry Program Expenses		61,112,961	204,814,811
o) Auditors Remuneration			
Audit fees	247,000		102,500
GST	76,140	323,140	41,400
p) Symposium and Training		3,326,209	1,314,815
q) Professional Charges		33,050,228	537,964
r) Advertisement Expenses		25,422,919	23,251,349
w Provision for Doubtful Debts		12,854,896	3,694,329
t) Hostel maintenance expenses		3,313,420	16,980,121
u) Miscellaneous Expenses		113,137,522	28,871,930
v) Covid Expenses		84,968,250	85,458,287
w Bad debts written off		-	-
x Loss / (Profit) on sale of Assets		471,879	1,493,014
TOTAL		**1,762,376,056**	**1,638,616,687**

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS *

TATA MEMORIAL CENTRE
[TATA MEMORIAL HOSPITAL AND ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER]

The Tata Memorial Centre (TMC) Comprising of the Tata Memorial Hospital (TMH) and the Advance Centre for Treatment, Research& Education in Cancer (ACTREC) functions as a grant- in- aid Institute under the administrative control of the Department of Atomic Energy, Government of India and recognized as the national cancer centre with a mandate for Service, Education and Research in Cancer. Four new hospitals in Visakhapatnam, Andhra Pradesh and Mullanpur District Punjab, two in Varanasi as HBCH and MPMMMCH. The satellite centre in Sangrur is functional. The hospital in Visakhapatnam is providing OPD and day care services. The Centre is registered under the Societies Registration Act (1860) and the Bombay Public Trust Act (1950).

SCHEDULE 13 : SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **Basis of Preparation of Financial Statements**

   The financial statements are prepared on historical cost convention, unless otherwise specifically stated, on the accrual basis of accounting and comply with the framework and format laid down by the Controller General of Accounts, Government of India and applicable accounting standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) to the extent applicable and in the manner so required.

   Revenues and costs are accrued, that is, recognized as they are earned or incurred and recorded in the financial statements of the periods to which they relate. The Centre follows accrual basis of accounting, except for Grants, Donations, Workshops /Projects and Commuted Pensions (in case of existing pensioners), which are accounted for on cash basis

2. **Use of Estimates**

   The preparation of the financial statements in conformity with generally accepted accounting principles requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amount of assets and liabilities as of the Balance Sheet, reported amounts of revenues and expenses for the year ended and disclosure of contingent liabilities as of the balance sheet date. The estimates and assumptions used in these financial statements are based upon management's evaluation of the relevant facts and circumstances as on the date of the financial statements. Actual results may differ from those estimates. Any revision to accounting estimates is recognized prospectively.

3. **Revenue Recognition**

   i) Hospital income from services rendered to patients is recognized as and when the bills for the services are generated.

   ii) Interest income is recognized on a time proportion basis taking into account the amount invested and the rate of interest.

   iii) Interest on employee advances are recognized in the year on accrual basis.

   iv) Other Revenue items are recognized only when it is reasonably certain that the ultimate collection will be made. Deposits from students in excess of 3 years and

BATLIBOI & PUROHIT Mumbai CHARTERED ACCOUNTANTS

deposits from suppliers in excess of 4 years written back are recognized under miscellaneous income.

v) Interest earned on general fixed deposit pertaining to donation allocated as per average interest rate among respective donation.

4. **Fixed Assets and Depreciation**

i) Fixed assets are capitalized at acquisition cost (net of duty / tax credits availed, if any), including directly attributable costs such as freight, insurance and specific installation charges for bringing the assets to working condition for use.

ii) Expenditure relating to existing fixed assets is added to the cost of the assets, where it increases the performance / life of the asset as assessed earlier.

iii) Fixed Assets are stated at cost less accumulated depreciation.

iv) Fixed assets purchased on non-government funded projects and from donations are transferred to the assets of the Centre at purchase price.

v) Fixed assets are eliminated from financial statements only on disposal.

Depreciation on fixed assets is provided under straight line method based on useful life of the asset determined by the management at the following rates :

Asset	Rate of depreciation
Buildings	1.63%
Electrical & Gas Installation	4.75%
Plant & Machinery	7.07%
Furniture and Fixtures	9.50%
Office Equipment	4.75%
Computers and peripherals	16.21%
Vehicles - Buses	11.31%
- Car, Jeep	9.50%

i) Depreciation on assets purchased during the year is provided from the date of its purchase / installation

iii) Individual assets costing less than Rs.5,000/- are expensed out in the year of purchase or WDV.

iii) Where any asset has been sold, the depreciation on such asset is calculated on pro-rata basis up to the date, on which such asset has been sold.

5. **Inventories**

i) Inventories consist of Drugs and Surgical meant for sale purpose and are valued at lower of cost or Net Realisable Value. Cost is determined on first-in-first-out basis.

ii) Stock of consumables, stationery are valued at cost

BATLIBOI & PUROHIT CHARTERED ACCOUNTANTS Mumbai

ii) Stock of linen, laundry, cutlery and crockery, are treated as consumed as and when purchased

6. **Government Grant**

i) Recurring and Non-recurring grant related to the revenue are recognized on systematic basis in the income and expenditure account over the period, necessary to match them with the related costs which they are intended to compensate.

ii) Non-recurring grant to the extent utilised for capital expenditure are transferred to Capital Fund. Unutilised grants are carried forward as Current Liabilities in the Balance Sheet.

7. **Donation**

Donations in kind received prior to 1st April, 2003 are included under 'Earmarked / Endowment Funds' at comparable purchase price. With effect from 1st April, 2003, donations received in kind are being recorded in the books at nominal value. Donations are received for patient care and cancer research. Assets purchased on donations are treated as assets of the Centre and capitalised accordingly. Donation includes amount received as Corporate Social Responsibility (CSR).

8. **Foreign Exchange Transactions**

a. Transactions in foreign currencies are recorded at the exchange rates prevailing on the transaction dates.
b. Monetary items denominated in foreign currencies remaining unsettled at the year-end are translated at the year-end exchange rates.
c. All exchange gains / losses on settlement / translation, are recognized in the Income & Expenditure account

9. **Employee Benefits**

Short Term Employee Benefits:

All employee benefits wholly payable within twelve months of rendering the service are classified as short term employee benefits. Benefits such as salaries, wages, bonus, etc are recognized in the period in which the employee renders the related service.

Post Employment Benefits:

i) **Defined Contribution Plans:**

Employee benefits in the form of Contributory Provident Fund and New Pension Scheme (for employees joined from 1st January, 2004) are considered as defined contribution plans. The contribution paid / payable under the scheme is recognized in the period in which the employee renders the related service.

ii) **Defined Benefit Plans:**

Retirement benefits in the form of gratuity to eligible employees, leave encashment and pension scheme (other than employees covered in (i) above) are considered as defined benefit plans. The present value of the obligation under such defined benefit plans is determined based on actuarial valuation using the

Projected Unit Credit Method, which recognizes each period of service as giving rise to additional unit of employee benefit entitlement and measures each unit separately to build up the final obligation.

The obligation is measured using at the present value of the estimated future cash flows. The discount rates used for determining the present value of the obligation under defined benefit plans, is based on the market yields on Government securities as at the Balance Sheet date, having maturity periods approximating to the terms of related obligations.

10. Provision, Contingent Liabilities and Contingent Assets

a. Provisions are recognized for liabilities that can be measured only by using a substantial degree of estimation, if

1. The Centre has a present obligation as a result of past event.
2. A probable outflow of resources is expected to settle the obligation.
3. The amount of obligation can be reliably estimated.

b. Contingent liability is disclosed in the case of :

1. A present obligation arising from past event, when it is not probable that an outflow of resources will be required to settle the obligation.
2. A possible obligation, unless the probability of outflow of resources is remote.

c. Provisions, Contingent Liabilities are reviewed at each Balance Sheet date.

d. Provision for doubtful debts has been made in respect of debtors which remains outstanding for more than 3 years.

11. Events occurring After the Balance Sheet Date

Where material, events occurring after the date of the Balance Sheet are considered upto the date of approval of accounts by the members of the Governing Council.

12. Academic Fund

A percentage as prescribed by the Governing Council of Tata Memorial Centre is transferred from the Hospital Income to a separate fund named as the "Academic Fund". The expenditure incurred towards fulfillment of the objectives is debited to the said fund.

13. Science & Research Fund

The Science & Research Fund / Corpus is created in 2000 with the purpose of utilising the interest in the Fund for (i) Support of preventive oncology activities in the country (ii) Support for attending international conferences and training programmes on cancer related topics and (iii) Any other purpose with the approval of the Committee.

14. Samjal Mistry Fund

The fund is created as per the will of Late Sam Jal Mistry and Late Alice Sam Mistry in 1999. As per the will, the interest and dividend on shares generated from the fund will be utilised equally for treatment to poor cancer patients and scholarship to PG students.

SCHEDULES FORMING PART OF ACCOUNTS

SCHEDULE 14: NOTES ON ACCOUNTS

1. Contingent liabilities not provided for in respect of :
   a. LC's outstanding as on 31st March, 2022 is Rs.7,24,32,983/-
   b. Claims against the hospital made by patients are not acknowledged as debts, since the same are not quantifiable.

2. Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital account is not ascertained.

3. Sundry debtors, and creditors' balances, and balances of certain liabilities are subject to confirmation, reconciliation and consequent adjustments, if any. Inter unit Adjustment Account balance an amount of Rs. 9,32,58,516 /- (Pr Year Rs.55,59,76,132/-).

4. Fixed Deposits of the Centre includes an amount of Rs. 7,24,32,983 /- (Pr Year Rs. 27,91,64,198/- which represents Earmarked Funds kept aside for the capital commitments.

5. The Centre is covered by a system of internal audit conducted by the Department of Atomic Energy and Indian Audit and Accounts Department. However, during the year the said audit was conducted for the period 2021-22.

6. The Centre has filed a writ petition in the Honorable High Court Bombay for non-applicability of Bombay Labour Fund Act, 1956 in the year 2001-02, the final verdict for which is still pending. Each year the centre recovers the LWF amount from employees and also contributes towards the said liability amounting to Rs.1,12,10,025/- (incl interest of Rs 5,32,873/-) respectively which is disclosed under current liabilities in the financial statement. The centre has also kept as deposit Rs. 5, 50,000/- with Hon'ble Bombay High Court.

7. "Unclaimed NPS A/c" of Rs. 12, 87, 463/- is due for more than 3 years and is being shown under "Other Current Liabilities". As and when the claims will be made by the employees then the payments will be made from this account head.

8. The disclosures pursuant to Accounting Standard 15 (Revised) on "Employee Benefits" are as follows:

(in Rs.)
Defined Contribution Plan :
Contribution to Defined Contribution Plan, recognised as an expense and included in "Staff and Welfare" – Schedule 11 in the Income and Expenditure Account are as under : - Employers contribution to Provident Fund – Rs.12,03,720/-

BATLIBOI & PUROHIT CHARTERED ACCOUNTANTS Mumbai

- Employer's Contribution to New Pension Scheme – Rs 21,15,94,227/-

			Gratuity	
			31-3-2022	31-3-2021
I	**Change in obligation during the year**			
	1	Liability at the beginning of the year	166,00,76,408	161,05,02,263
	2	Interest Cost(gratuity report as15r table 3)	11,03,39,779	108,801,607
	3	Current Service Cost	8,07,24,412	75,703,657
	4	Past Service Cost	0	0
	5	Benefit Paid	(14,78,83,782)	(108,827,189)
	6	Actuarial (Gain)/Loss	7,15,11,999	(26,103,930)
	7	Liability at the end of the year	177,47,68,817	166,00,76,408
II	**Net asset / (liability) recognised in the Balance Sheet**			
	1	Liability at the end of the year	177,47,68,817	166,00,76,408
	2	Plan assets at the end of the year	0	0
	3	Liability recognised in the Balance sheet	177,47,68,817	166,00,76,408
III	**Expenses recognized in the Income and Expenditure account**			
	1	Current Service Cost	8,07,24,412	75,703,657
	2	Interest Cost	11,03,39,779	108,801,607
	3	Expected Return on Plan Assets		
	4	Actuarial (Gain)/Loss	7,15,11,999	(26,103,930)
	5	Past service cost	0	0
	6	Total expenses recognised in the Income and Expenditure Account	26,25,76,190	158,401,334
IV	**Principal actuarial assumptions at the Balance Sheet date**			
	1	Discount rate at	7.25%	6.80%
	2	Expected return on plan assets	0.00%	0.00%
	3	Salary escalation	7.00%	7.00%
General description of the defined benefit plan :				
1	The Centre operates a gratuity scheme, which is an unfunded scheme for qualifying employees. The Scheme provides for lump sum payment to employees on retirement, death while in employment or termination of employment of an amount equivalent to 15 days salary for every completed year of service or part thereof in excess of six months, provided the employee has completed five years in service. Vide Order No. 7/5/2012-P&PW(F)/B dated 26th August, 2016, the Ministry of Finance has extended the benefits of 'Retirement Gratuity and Death Gratuity' to the Central Government employees covered by new Defined Contribution Pension System on the same terms and conditions, as are applicable to employees covered by Central Civil Service (Pension)			

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS * Mumbai

	Rule,1972.
2	The Centre operates a leave encashment scheme, which is an unfunded scheme. The present value of obligation under this scheme is based on an actuarial valuation, using the Projected Unit Credit Method, which recognizes each period of service as giving rise to additional unit of employee benefit entitlement and measures each unit separately to build up the final obligation. Based on the actuarial valuation, the liability as at 31st March, 2022 works out to Rs. 202,72,49,806/-.
3	The Centre operates a Pension scheme which is an unfunded scheme for employees, who have joined prior to 1st January, 2004. The benefit is payable at the time of superannuation or voluntary retirement after completion of minimum of 20 years service. Based on the actuarial valuation, the liability as at 31st March, 2022 works out to Rs. 16,328,551,576/-.

9. Unknown inward remittances outstanding as on 31st March, 2022, is Rs.20,55,70,270/- which are under identification/reconciliation. Unknown inward remittance more than 3 years book under Patients Welfare Fund with Approval of Management.

10. The Centre has projects under development at Varanasi, Vizag and Sangrur. The expenses incurred on behalf of them are shown as Inter Unit Adjustment account under Current Assets. The balance shall be transferred to the respective locations on completion of the project.

11. Figures for the previous year have been regrouped / reclassified wherever necessary to make them comparable with those of the present year.

For Botliboi & Purohit
Chartered Accountants
ICAI Registration No. : 101048W

CA Parag Hangekar
Partner
Membership No. 110096
Date:
Place : Mumbai

Mr. Anil Sathe
CAO, TMC

For Tata Memorial Centre

Dr. R.A. Badwe
Director

BATLIBOI & PUROHIT * CHARTERED ACCOUNTANTS * Mumbai

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

ACTION TAKEN REPORT ON AUDITOR'S OBSERVATIONS FOR THE YEAR 2021-22

Paragraph No of Auditor's Report	Auditor's comments (to be reproduced in full)	Action Taken	Expected month and year for completion of Action
(1)	(2)	(3)	(4)
1	We have audited the accompanying Financials Statements of **Tata Memorial Centre ("the Centre")** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2022 and the statement of Income and Expenditure Account and the notes to the Financial Statements for the year then ended on that date including a summary of significant accounting policies and other explanatory information, as required by the Bombay Public Trust Act, 1950 ("the Act").	This is a statement of fact and information. No action required	
2	In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid Financial Statements give the information required by the act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the financial position of the Centre: (a) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Centre as at 31st March, 2022. (b) In the case of Income and Expenditure Account, of the Excess of Expense over Income of the Centre for the year ended on that date.	This is a statement of fact and information. No action required.	
3	We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing ("SAs") issued by Institute of chartered Accountants of India. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditors' Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the entity in accordance with the ethical requirements that are relevant to audit of financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.	This is a statement of fact and information. No action required	

की गई कार्रवाई की रिपोर्ट

4	The Trustees are responsible for the preparation and presentation of these financial statements that give a true & fair view of the financial position and financial performance of the trust in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the accounting standards issued by ICAI. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records for safeguarding the assets of the Trust and for preventing and detecting fraud and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true & fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.	This is a statement of fact and information. No action required	
5	In preparing the financial statements, trustees are responsible for assessing the Trust's ability to continue as a going concern, unless trustees either intends to surrender the trust or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so. Those trustees are also responsible for overseeing the Trust's financial reporting process.	This is a statement of fact and information. No action required	
6	Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material statements, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of the users taken on the basis of these financial statements. As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgement and maintain professional scepticism throughout the audit.	This is a statement of fact and information. No action required	

7	Identify and assess the risks of material misstatements of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.	This is a statement of fact and information. No action required	
8	Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of Trust's internal control.	This is a statement of fact and information. No action required	
9	Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by trustees. Conclude on the appropriateness of trustees' use of going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material certainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on Trust's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material certainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the trust to cease to continue as a going concern.	This is a statement of fact and information. No action required	
10	We refer to Note 9 of schedule 14 Notes to Accounts which state that Unknown/Unreconciled inward remittances outstanding as on 31st March, 2022, is Rs.20,55,70,270/- which are under identification. /unknown inward remittance outstanding for more than 3 years will be booked under patient welfare fund with the approval of management.	This is a statement of fact and information. This is unknown credit and after 3 years will book as donation to patient welfare fund..	More than 3 years unknown credit transferred to Patient Welfare Fund.

TATA MEMORIAL HOSPITAL * PAREL, MUMBAI-400 012. *

11	**Report on Other Regulatory Requirements** We report that: • We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit; • In our opinion proper books of accounts as required by law have been kept by the Trust so far as it appears from our examination of books of the trust; • The Balance Sheet and Income & Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of account.	This is a statement of fact and information. No action required	

की गई कार्रवाई की रिपोर्ट

लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट

Batliboi & Purohit
CHARTERED ACCOUNTANTS

Head Office (Mumbai) : National Insurance Building, 204, Dadabhoy Naoroji Road, Fort, Mumbai - 400 001.
Tel. : 2207 7941 / 2207 4260
E-mail : info@batliboipurohit.com
Website : www.batliboipurohit.com

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To,
The Chairman,
Governing Council of Tata Memorial Centre,

Report on the Audit of the Financial Statements:

Opinion:

We have audited the accompanying Financials Statements of **Tata Memorial Centre ("the Centre")** which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2022 and the statement of Income and Expenditure Account and the notes to the Financial Statements for the year then ended on that date including a summary of significant accounting policies and other explanatory information, as required by the Bombay Public Trust Act, 1950 ("the Act").

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid Financial Statements give the information required by the act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India of the financial position of the Centre:

A) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Centre as at 31st March, 2022.
B) In the case of Income and Expenditure Account, of the Excess of Expense over Income of the Centre for the year ended on that date.

Basis for Opinion:

We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing ("SAs") issued by Institute of chartered Accountants of India. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditors' Responsibilities for the Audit of the Financial Statements section of our report. We are independent of the entity in accordance with the ethical requirements that are relevant to audit of financial statements, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion.

Emphasis of Matter Paragraph:

1. We refer to Note No. 9 of Schedule 14 Notes to Accounts which states that Unknown inward remittances outstanding as on 31st March, 2022 are at Rs. 20,55,70,270/- which are under identification. Unknown

inward remittances outstanding for more than 3 years will be booked under patient welfare fund with the approval of management.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Management's (Trustee's) Responsibility for the Financial Statements:

The Trustees are responsible for the preparation and presentation of these financial statements that give a true & fair view of the financial position and financial performance of the trust in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the accounting standards issued by ICAI.

This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records for safeguarding the assets of the Trust and for preventing and detecting fraud and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true & fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, trustees are responsible for assessing the Trust's ability to continue as a going concern, unless trustees either intends to surrender the trust or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so. Those trustees are also responsible for overseeing the Trust's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of Financial Statements:

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the financial statements as a whole are free from material statements, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of the users taken on the basis of these financial statements. As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgement and maintain professional scepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatements of the financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher

than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.

- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of Trust's internal control.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by trustees. Conclude on the appropriateness of trustees' use of going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material certainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on Trust's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material certainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the trust to cease to continue as a going concern.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

Report on Other Regulatory Requirements

We report that:

- We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- In our opinion proper books of accounts as required by law have been kept by the Trust so far as it appears from our examination of books of the trust;
- The Balance Sheet and Income & Expenditure Account dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

For Batliboi & Purohit
Chartered Accountants
Firm Reg. No.: 101048W

Parag Hangekar
Partner
Membership No. 110096
UDIN: 22110096APREQA2122
Date: 23-August-2022

वित्त, सरलीकृत

भारत में स्थित टाटा स्मारक केंद्र के नौ (09) कैंसर अस्पतालों में लगभग 3500 पूर्णकालिक स्टाफ तथा रेजिडेंट डॉक्टर्स कार्यरत हैं।

टीएमसी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा में सर्विस, शिक्षण और अनुसन्धान शामिल है। अनुसन्धान का अधिकाँश भाग कैंसर के उपचार, अनुसन्धान और शिक्षण के प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक) और कैंसर एपिड़ेमियोलोजी केंद्र (सीसीई) में किया जाता है।

यह अनुमान लगाया गया कि उपरोक्त टीएमसी के 3 सेवा घटकों का व्यक्तिगत प्रतिशत व्यय रहेगा लगभगः सेवा 62%, शिक्षण 14% और अनुसन्धान 24%।

अस्पताल रसीद (मरीजों से आय), दवाइयों और उपभोज्य वस्तुओं की बिक्री से होने वाला लाभ, पऊवि से प्राप्त अनुदान, और अन्य स्रोत जैसे फिक्स्ड डिपोजिट आदि से टीएमसी ने फंड्स जमा किये।

टीएमसी के खर्चों में स्टाफ का वेतन, फिजिकल असेट्स का रखरखाव, अनुसन्धान और शिक्षण में निवेश, दवाइयों और उपभोज्य वस्तुओं की कीमत, तथा अन्य प्रशासनिक व्यय शामिल हैं।

टाटा स्मारक केंद्र की आय (in INR crore) ≅ 1603				
पऊवि अनुदान	मरीजों से आय	दवाइयों और सर्जिकल आइटम की बिक्री	आय पर ब्याज	अन्य स्रोत
493.27	476.42	432.66	33.74	9.17

टाटा स्मारक केंद्र का व्यय (in INR crore) ≅ 1603					
कोविड व्यय	दवाइयाँ और सर्जिकल आइटम	स्टाफ का वेतन	प्रशासनिक	शैक्षणिक	उपभोज्य वस्तुएं
8.49	395.94	867.91	167.75	9.88	153.23

Exclusive of income/expenditure of BBCI in Guwahati.

- नवी मुंबई स्थित कैंसर एपिड़ेमियोलोजी केंद्र (सीसीई) आय कमाने वाला केंद्र नहीं है।
- गुवाहाटी स्थित डॉ भुवनेश्वर बरुआ कैंसर संस्थान के बालंस विवरण की लेखा परिक्षा के लिए उनके पास अपना सरकारी PAN नं है।
- पंजाब और बिहार राज्य के मुल्लनपुर और मुजफ़्फरपुर के कैंसर अस्पताल का प्रचालन अभी तक नहीं हुआ था।

Income, ≅ INR 1445 crore
(2021 - 2022)

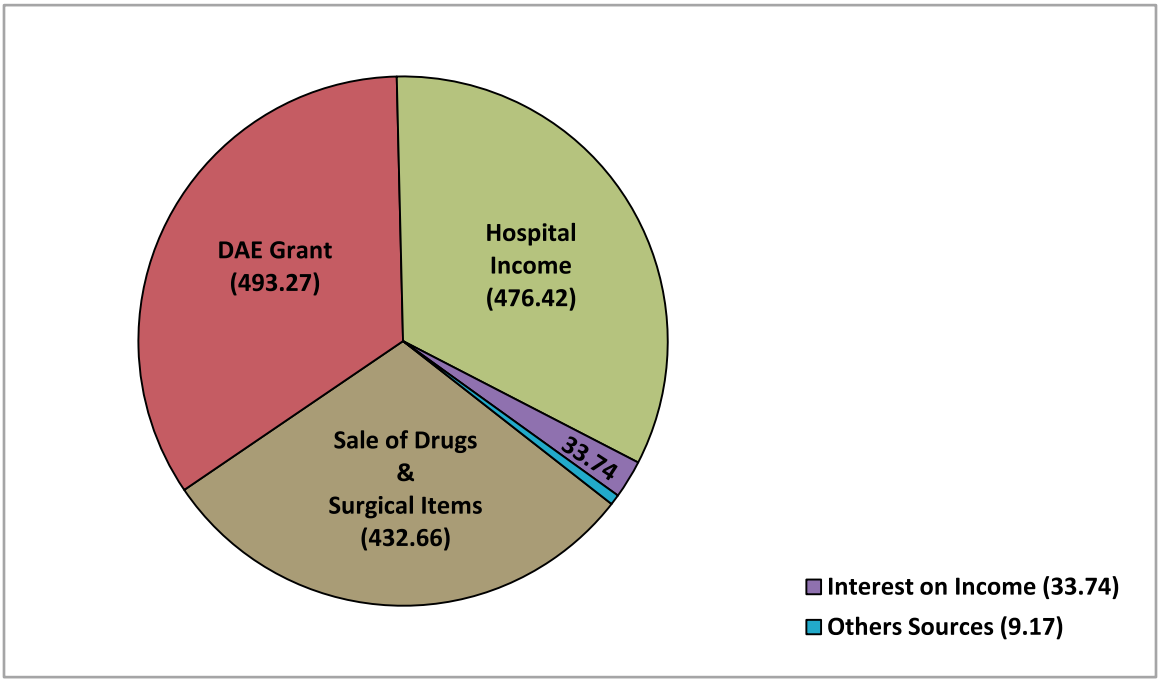

Expenditure, ≅ INR 1603 INR crore
(2021 - 2022)

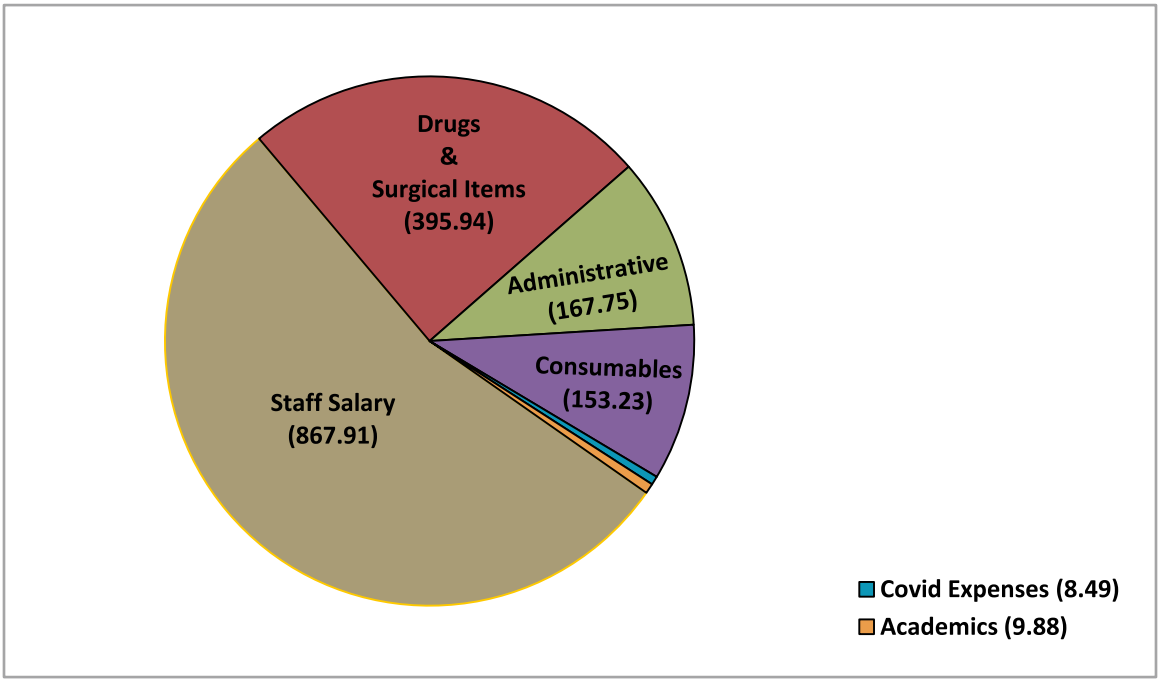

How the Paisa in a Rupee was earned

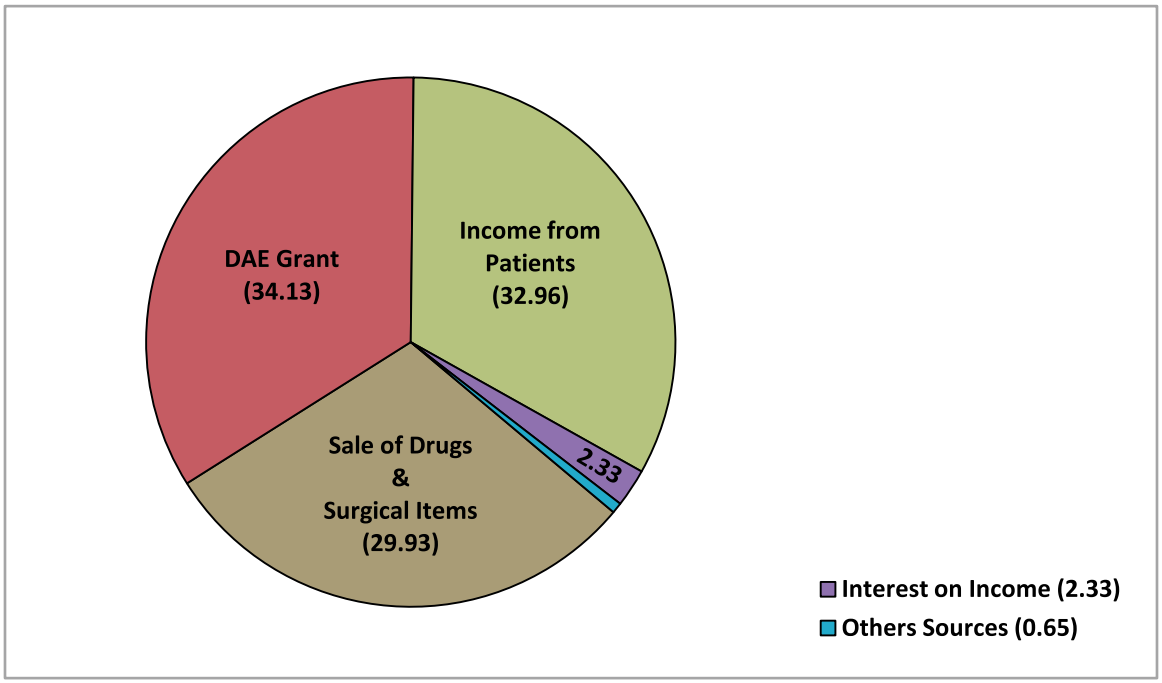

Where the Paisa from the Rupee went

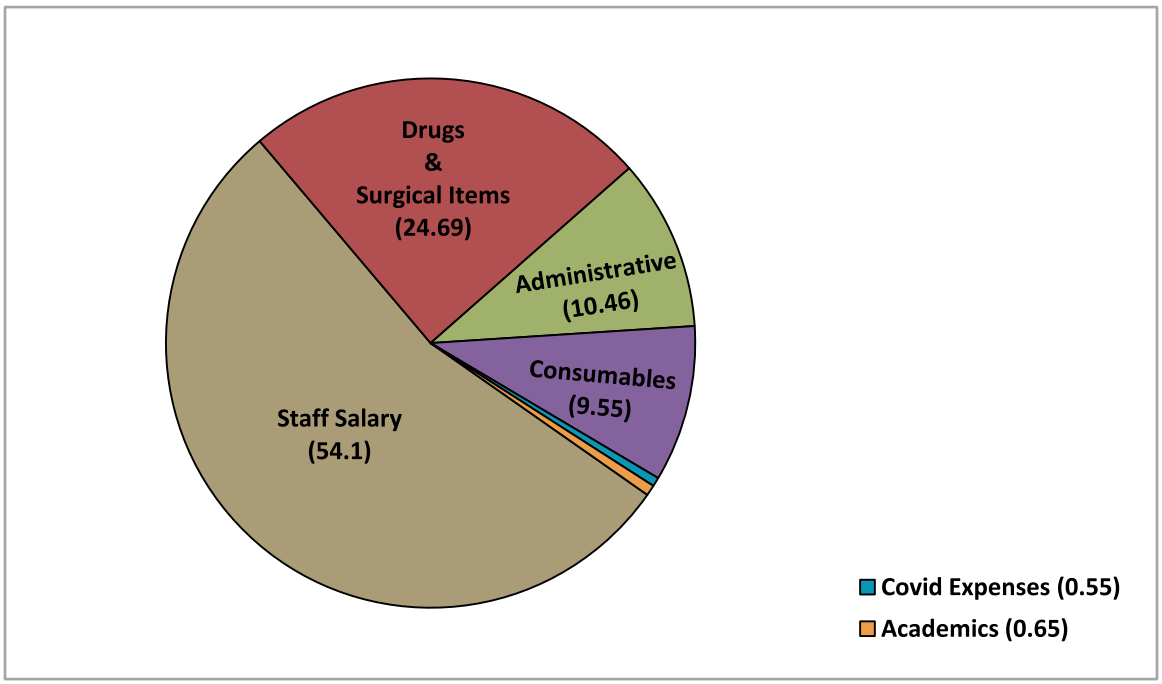

Staff Salary of ≅ INR 867 crore; Staff category salary (%)

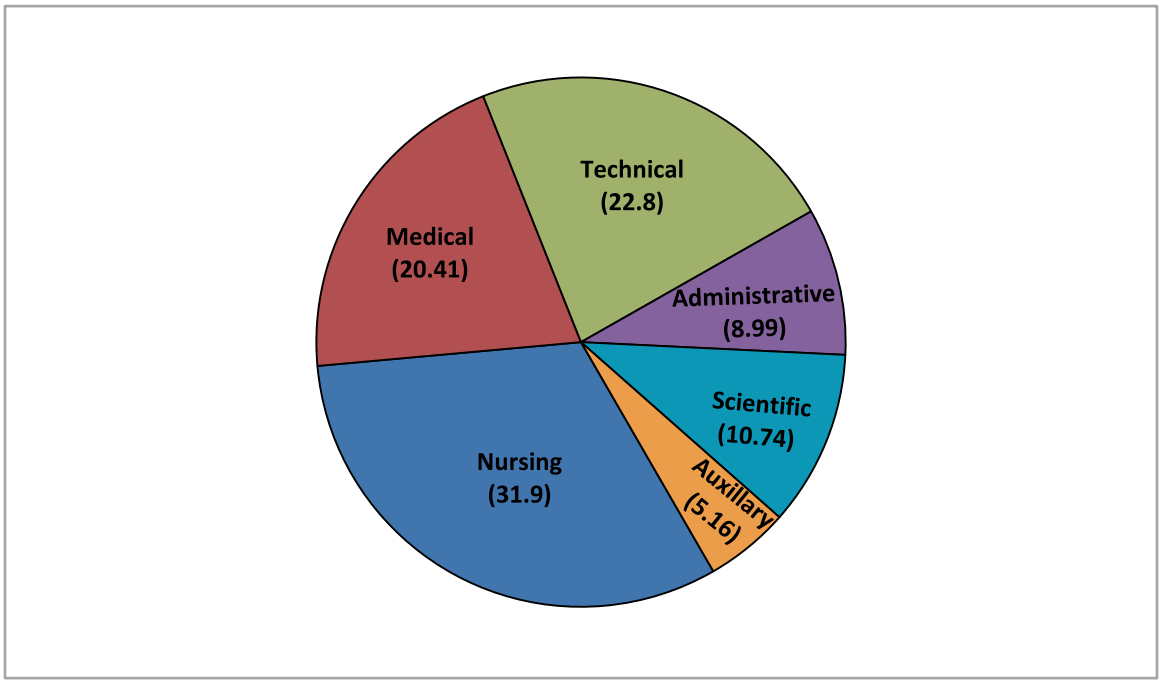

Percentage Expenses of ≅ INR 339 crore other than Staff salary & Sale of Drugs & Surgical items

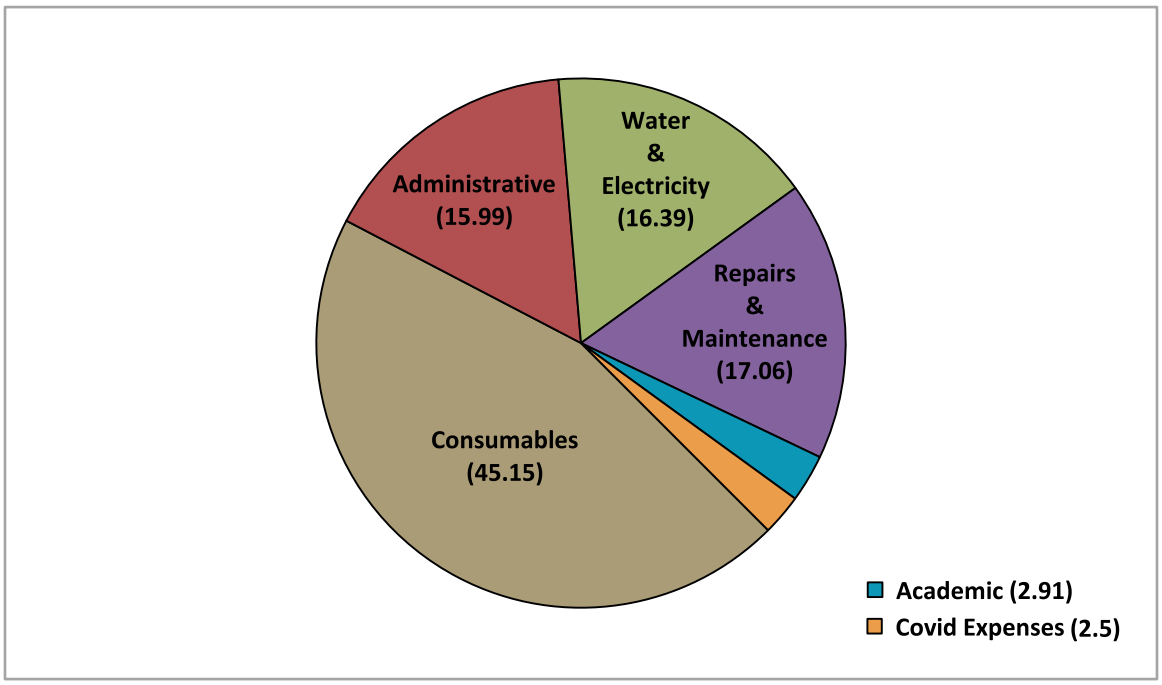

**हिंदी वर्शन में कोई विसंगति होने पर अंग्रेजी वर्शन को अंतिम माना जाएगा।

मुंबई के परेल में सेंट जेवियर्स ग्राउंड में टाटा मेमोरियल अस्पताल की कोविड -19 स्क्रीनिंग सुविधा।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर 4 फरवरी, 2021 को महाराष्ट्र पोस्टल सर्कल द्वारा एक विशेष कवर जारी किया गया; इस अवसर पर डॉ. आरए बडवे (निदेशक टीएमसी) श्री एचसी अग्रवाल (मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र और गोवा सर्कल) और सुश्री स्वाति पांडेय (पोस्टमास्टर जनरल, मुंबई क्षेत्र) उपस्थित थे।

टाटा स्मारक अस्पताल (टीएमएच)
डॉ. ई. बोर्जेस मार्ग, परेल ईस्ट,
मुंबई - 400012, महाराष्ट्र.
टेलीफोन नं.: +91 22 2417 7000
फैक्स: +91 22 2414 6937
ईमेल: msoffice@tmc.gov.in
वेबसाइट: hhtps://tmc.gov.in

कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए प्रगत केंद्र (एक्ट्रेक)
सेक्टर-22, खारघर, नवी मुंबई - 410 210, महाराष्ट्र.
टेलीफोन नं.: +91 22 2740 5000
फैक्स: +91 2202740 5085
ईमेल: mail@actrec.gov.in
वेबसाइट: http://actrec.gov.in

कैंसर इपिडिमियोलॉजी केंद्र (सीसीई)
सेक्टर-22, खारघर, नवी मुंबई - 410 210, महाराष्ट्र.
टेलीफोन नं.: +91 22 2740 5000
फैक्स: +91 2202740 5085
ईमेल: cce.dept@actrec.gov.in
वेबसाइट: tmcepi.gov.in

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी)
एपीआयआयसी इंडस्ट्रियल पार्क, अगनमपुडी गाँव,
प्लॉट नं. 212, एनएच 5, गजुवाका मंडल,
विशाखापट्टनम - 530 053, आंध्रप्रदेश.
टेलीफोन नं.: +91 891 287 1561/1569
ईमेल: hbchrcvizag.admin@tmc.gov.in;
aovizaghbchrc@gmail.com
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbchrc-vizag

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी)
"मेडिसिटी" मुल्लनपुर गाँव, न्यू चंडीगढ़, जिला एसएएस नगर मोहाली, पंजाब.
ईमेल: mohaliproject@tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-sangrur

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच)
सिविल जिला अस्पताल कैंपस,
संगरूर - 148001, पंजाब
टेलीफोन नं.: +91 167 222 3941
ईमेल: sangrur@gmail.com
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-sangrur

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र (एमपीएमएमसीसी)
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,
वाराणसी - 221005, उत्तर प्रदेश
टेलीफोन नं.: +91 0542 251 7699
ईमेल: admin@mpmmcc.tmc.gov.in;
cao@mpmmcc.tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/MPMMCC

होमी भाभा कैंसर अस्पताल (एचबीसीएच)
घंटी मिल रोड, ओल्ड लोको कॉलोनी, लहरतारा,
वाराणसी - 221001, उत्तर प्रदेश.
टेलीफोन नं.: +91 542 222 5022
ईमेल: cao@mpmmcc.tmc.gov.in
वेबसाइट: https://tmc.gov.in/tmh/index.php/en/hbch-varanasi

डॉ. भुवनेश्वर बोरुआ कैंसर संस्थान (बीबीसीआई)
ए के आजाद रोड, गोपीनाथ नगर,
गुवाहाटी - 781016, असम.
टेलीफोन नं.: +91 9957033212
फैक्स: +91 361 247 2636
ईमेल: bbci_info@yahoo.co.in
वेबसाइट: www.bbcionline.org

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (एचबीसीएचआरसी)
उमा नगर, रसलपुर, एसकेएमसीएच कैंपस,
मुजफ्फरपुर – 842004, बिहार.
टेलीफोन नं.: +91 9128486891